

प्रधानमंत्री कार्यालय

लखनऊ में उत्तर प्रदेश निवेशक सम्मेलन - 2018 के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 21 FEB 2018 6:25PM by PIB Delhi

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्रीमान रामनायक जी, मुख्यमंत्री श्रीमान योगी जी, मेरे सहयोगी, हमारे senior मंत्री और इसी लखनऊ नगरी के प्रतिनिधि, देश के गृहमंत्री श्रीमान रामनाथ सिंह जी, हमारे बीच में एक वरिष्ठ राजनेता, मॉरिशस के पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमान अनिरुद्ध जगन्नाथ जी, विदेशों से आए हुए विशिष्ट मंत्रीगण, देश भर से विशाल संख्या में आए सभी निवेशक, उद्यमीगण और यहां उपस्थित सभी महानुभव।

जब परिवर्तन होता है तो सामने दिखने लगता है। उत्तर प्रदेश में इतने व्यापक स्तर पर Investors' Summit होना, Investors' Summit में इतने निवेशकों और उद्यमियों का एकजुट होना, अपने आप में एक बहुत बड़ा परिवर्तन है। मैं यूपी के मुख्यमंत्री श्रीमान योगी जी को, मंत्रिमंडल के उनके सभी साथियों को, यहां की bureaucracy को, यहां के पुलिस विभाग को और उत्तर प्रदेश की जनता जर्नादन को बधाई देता हूं कि वो अपने उत्तर प्रदेश को इतने कम समय में समृद्धि और विकास के रास्ते पर ले जाने में सफल हुए हैं।

पहले की स्थितियां क्या थी, किन वजहों से थीं ये यूपी के लोगों से बेहतर कोई नहीं जानता है। भय और असुरक्षा के माहौल में जब सामान्य मानवी, उसका जीवन जीना मुश्किल हो जाता है। तो फिर उद्योगों के लिए तो सोच ही कैसे सकते हैं। विकास की बात करना, नौजवानों को नए अवसर की बात करना, middle class के aspirations की बात करना। मैं नहीं मानता हूं कि ऐसे माहौल में कभी संभव था। Negativity भरे उस माहौल से राज्य को Positivity की तरफ लाना- हताशा, निराशा उससे अलग करके उम्मीद की किरण जगाने का काम योगी सरकार ने किया है वे बधाई के पात्र हैं।

उत्तर प्रदेश में अब वो बुनियाद तैयार हो चुकी है। जिस पर न्यू उत्तर प्रदेश की भव्य और दिव्य इमारत का निर्माण होगा और इसलिए इस पवित्र कार्य में, इस पवित्र यज्ञ में शामिल होने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए मैं आप सभी को एक बार फिर बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

साथियों, हमारे देश में पुरानी कहावत है। कि कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी। उत्तर प्रदेश में संसाधन और सामर्थ्य का इतना विस्तार है। कि यहां पर सैंकड़ों वर्षों से लगभग हर क्षेत्र की एक अपनी अलग पहचान रही है।

लखनऊ के चिकन का काम मशहूर है, तो मलिहाबाद के आम पूरी दुनिया में export होते हैं। बदोही की कालीन है, तो बनारस की जरी-जरदोजी की कला और साड़ियां की धूम है। मुरादाबाद में बने पीतल की बर्तन देश-विदेश जाते हैं, तो फिरोजाबाद का कांच चमक दिखा कर ही रहता है। कि हमारे आगरे का पेठा है, तो कन्नौज का इत्र भी है। यहां सुबह बनारस है तो अवध की शाम भी है। यहां ताजमहल, सारनाथ है तो अयोध्या, मथुरा, काशी भी है। यहां राम की लीला है तो कृष्ण की रास भी है। यहां गंगा है, यमुना है तो सरयू जी का आशीर्वाद भी है।

यहां IIT कानपुर है, IIM लखनऊ है तो बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी जैसे महान संस्थान भी यहां पर हैं। ये उत्तर प्रदेश का गौरवशाली इतिहास ही नहीं, यहां का वर्तमान भी है। ये झलक उत्तर प्रदेश के Textile Sector की है, Tourism Sector की है। ये झलक यहां के Culture की है, Agriculture की है। ये झलक यहां की शिक्षा की है, ये झलक यूपी की शक्ति की है, यूपी की भक्ति की है। यही वो सामर्थ्य है, वो ताकत है। जिसके दम पर उत्तर प्रदेश पूर्वी भारत का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का ग्रोथ इंजन बन सकता है।

भाईयो और बहनों उत्तर प्रदेश आज अनाज के उत्पादन में, गेहूँ के उत्पादन में, गन्ने के उत्पादन में, दूध के उत्पादन में, आलू के उत्पादन में पूरे देश का नंबर वन स्टेट है। देश में दूसरे नंबर पर सब्जियां और तीसरे नंबर फलों का उत्पादन भी इसी उत्तर प्रदेश में होता है। लघु उद्योगों के मामले में भी उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर पर है।

बीते कई वर्षों में तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने राज्य को इस तरह संभालने वाले यूपी के कोटि-कोटि भाईयो-बहनों को मैं जितनी प्रशंसा करूँ उतनी कम है। लेकिन नंबर वन और नंबर टू के इस competition के बीच कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर भी मंथन किया जाना आवश्यक है।

सवाल ये है कि अब आगे क्या होगा। क्या उत्तर प्रदेश की क्षमता सिर्फ इतनी ही है। क्या उत्तर प्रदेश अपने सामर्थ्य से पूरा न्याय कर पा रहा है।

साथियों, उत्तर प्रदेश में values हैं, virtues हैं, लेकिन अब बदले हुए समय में value edition की भी ज्यादा आवश्यकता है। सिर्फ work culture में ही नहीं, सिर्फ business culture में ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में यूपी की जो co-strength है, उसमें value edition की आज बहुत जरूरत है। मुझे बहुत खुशी है कि योगी जी की सरकार इस बात का ध्यान में रखते हुए अपने निर्णय ले रही है। नीतियां बना रही है।

यूपी में औद्योगिक निवेश को रोजगार सृजन से जोड़ते हुए यहां पर नीतियां बनाई जाती हैं। नीतिगत निर्णय लिए जा रहे हैं। योगी जी की सरकार द्वारा अलग-अलग सेक्टरों के हिसाब से, अलग-अलग Policies बनाकर काम किया जा रहा है।

Textile, Electronics manufacturing, Information Technology, Tourism, Renewable Power, Self Employment जैसे अनेक क्षेत्रों के लिए, अनेक दूरगामी प्रभाव पैदा करने वाली नीतियां बनाई गई हैं। अब यूपी में उद्यमियों के लिए red tape नहीं red carpet होगा।

आज Industry के लिए जिस Digital Clearance System को launch किया गया है। वो भी इसी का उदाहरण है। ये एक Single Window Portal होगा जिसके माध्यम से उद्यमियों को एक तय सीमा में online permission मिल जाया करेगा। इसमें human interface भी कम-से-कम होगा। निश्चित तौर पर ये यूपी में Ease of doing Business की दृष्टि से एक अहम कदम है। योगी सरकार पूरी गंभीरता के साथ किसानों से किए गए, महिलाओं और नौजवानों से किए गए वायदे पूरे कर रही है।

मुझे बताया गया है कि इस वर्ष धान खरीद चार गुणा बढ़ी है। और गन्ने का भुगतान भी पिछले साल के मुकाबले करीब-करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। यूपी सरकार अब Power of all मुहिम से जुड़ गई है। और इसका स्थानिय उद्योगों को भी बहुत ही फायदा होने वाला है।

साथियों उत्तर प्रदेश को मां गंगा के मैदानी इलाकों का बहुत आशीर्वाद मिला हुआ है। यहां की 60 प्रतिशत जनसंख्या Working Age Group में है। इस Economic और Demographic dividend की अगर सख्ती का सही इस्तेमाल, मुझे विश्वास है कि यूपी को कई नई ऊचाईयों को पार करने की एक नई ऊर्जा देगा, ताकत देगा और पहुंचा करके रहेगा।

मैंने पहले भी कहा है कि यूपी का Potential बहुत है। Potential Plus Policy Plus Planning Plus Performance से ही Progress आती है। अब यूपी में superhit performance देने के लिए, मुझे विश्वास है कि योगी जी की टीम तैयार है, यहां के नागरिक तैयार हैं। यहां का मानस बना हुआ है। आज के इस दौर में Industry 4.0 technologies पूरी value chain को ज्यादा Flexible, ज्यादा Efficient, Higher Quality और Product को मार्केट तक तुरंत पहुंचाने वाला बना रही है।

अभी मैंने Exhibition में ऐसी तकनीकों को देखा है। Information Technology, Consumer Electronics, Electronics Manufacturing का यहां बहुत Scope है। पूरे देश में जिस राज्य में smart cities और AMRUT cities की सबसे ज्यादा संख्या है वो प्रदेश का नाम है उत्तर प्रदेश।

भाईयों और बहनों में अभी दो दिन पहले महाराष्ट्र में मुंबई में ऐसी एक Investors' Summit में गया था। और महाराष्ट्र की सरकार ने अपनी राज्य व्यवस्था को Trillion Dollar Economy में बदलने का लक्ष्य रखा है। मैं आज आपके बीच एक और विचार रख रहा हूं। क्या महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में इस बात की competition शुरू हो सकती है क्या? दोनों में से कौन सा राज्य पहले Trillion Dollar Economy के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। क्या उत्तर प्रदेश की सरकार देश के और दूसरे राज्यों के साथ अलग-अलग स्तर पर स्पर्धा करे, competition करे। और ये competition जितना ज्यादा होगा उतना ही राज्य में निवेश भी बढ़ेगा। राज्य का विकास होगा, राज्य में रोजगार के नए अवसर बनेंगे। राज्य में इस तरह की healthy race, competitive cooperative federalism की भावना को भी और मजबूत करेगी।

साथियों, यूपी की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म एवं लघु और मध्यम उद्योगों में जिन्हें हम MSME के रूप में जानते हैं। इसका बहुत बड़ा योगदान है, बहुत बड़ा नेटवर्क है। Agriculture के बाद MSME Sector में ही रोजगार के सबसे ज्यादा अवसर बनते हैं।

अभी मुझे बताया गया कि यूपी में करीब-करीब 50 लाख MSME Unit है। इनमें काम करने वाले लाखों लोगों का ही परिश्रम, जो यूपी के हस्तशिल्प, Process Food Products, Carpet, Readymade Garments, Leather Products के निर्यात में निरंतर अग्रणी रहा है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे Special Products हैं जो MSME Sector की वजह से अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाए हुए हैं। रोजगार बनाने के नए अवसरों के लिए जो इस क्षेत्र में पहले से काम कर रहे हैं उनकी आय बढ़ाने के लिए हमें नए सिरे से सोचने की आवश्यकता है।

मुझे ये जानकर खुशी है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को ध्यान में रखते हुए one district, one product योजना शुरू की है। मैं समझता हूं कि अपने-आप में ये Game Changer है। हम cluster approach से परिचित थे लेकिन one district, one product एक पूरी Holistic Eco system पैदा करता है। इस योजना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर Skill Development, Product Marketing, Packaging, Branding उसके कार्य भी बहुत ही आसानी से किए जा सकते हैं।

भाईयो और बहनों यूपी में चुनाव प्रचार के समय मैं हमेशा कहता था कि जब राज्य को Double Engine की Power मिलेगी तो विकास और तेज गति से होगा। one district, one product योजना को Backup Power मिलेगी। केंद्र सरकार के Skill India Mission से Stand-up India, Start-up India Mission से प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना से इसके अलावा सबसे बड़ा लाभ मिलेगा- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से।

इस योजना के तहत केंद्र सरकार अब तक दस करोड़ से ज्यादा मुद्रा लोन दे चुकी है। लोगों को बिना बैंक गारंटी के स्व-रोजगार के लिए चार लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की लोन दी जा चुकी है।

इस बजट में हमारी सरकार ने और तीन लाख करोड़ रुपये मुद्रा लोन के तौर पर देने का फैसला किया है। मुझे उम्मीद है कि one district, one product हर मुद्रा का तालमेल यूपी में MSME Sector को उसके कार्याकल्प करने के लिए एक बहुत ही आसान रास्ता में समझता हूँ।

साथियों, हमें Expertise और Efficiency की Interlinking के बारे में भी सोचना पड़ेगा अगर मेरठ में कोई World Class Pot Product बना रहा है। तो उसके साथ ही हमें World Class Branding or Marketing करने वाली फर्म को भी आगे बढ़ाना होगा। World Class Distribution System होगा, World Class Service होगी तो World Class Talent भी हमारे Product के साथ-साथ जुड़ने के लिए स्वतः आएगा।

साथियों, खेती से जुड़ी एक बड़ी चुनौती है। खेत से लेकर बाजार तक पहुंचने में बड़ी मात्रा में फसल और फल, सब्जियां खराब हो जाती हैं। एक अनुमान है कि देश में हर साल किसान भाईयों को 90 हजार से एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान इस वजह से होता है।

अब जैसे मैं आलू की बात करूं। यूपी आलू उत्पादन में नंबर वन है। पहले तो आलू के चिप्स घर-घर में बनते थे लेकिन अब समय के साथ ये बहुत कम हो गया है। आप सोचिए अगर आलू से चिप्स बनाने के उद्योग अगर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो, उन तक किसानों की पहुंच आसान हो, तो कई हजार करोड़ का मार्केट किसानों को ज्यादा आसानी से मिल जाएगा। यहां का दशहरी आम तो प्रसिद्ध है। लेकिन ये भी सच है कि Marketing or Storage की कमी के कारण काफी मात्रा में आम बरबाद हो जाता है। आम उत्पादक की पहुंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाने के लिए Marketing Infrastructure or Storage का एक greed बनाए जाने पर सोचने की बड़ी आवश्यकता है। आम के पल्प से कई प्रकार के पोष्टिक Product बनते ही हैं। बस हमें किसान और industry के बीच का connection मजबूत करना है। अब जैसे दूध उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। लेकिन अब इसमें कैसे ज्यादा से ज्यादा Value Addition किया जा सकता है। Farm to fork तक कैसे पूरी chain, पूरे infrastructure को आधुनिक बनाया जा सकता है। इस बारे में भी हमें आगे कोई न कोई कदम उठाने होंगे।

किसान के Product और Industry की demand के बीच connection मजबूत करने, फसल, अनाज, फल, सब्जियां- उसकी बरबादी कम करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना उसका आरंभ किया गया है। इस योजना के तहत पूरी सप्लाई और infrastructure का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। किसान की आय बढ़ाने और उसका नुकसान कम करने की दिशा में ये योजना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसी नुकसान को कम करने के लिए देश के Food Processing Sector को मजबूत करने के लिए सरकार ने Food Processing में 100 percent FDI को भी मंजूरी दी है।

साथियों, उत्तर प्रदेश में Agriculture byproducts, Agriculture waste इससे भी wealth की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। खासकर गन्ने के उत्पादन में, यूपी के सबसे आगे रहने की वजह से यहां Ethanol Production का एक बहुत ही potential है। यूपी में biofuel के क्षेत्र में जितना विकास होगा उसका प्रभाव दिल्ली NCR तक में दिखाई देगा।

पर्यावरण के साथ-साथ ये clean energy की तरफ भी बड़ा कदम होगा और मुझे खुशी है कि राज्य में एक नई biofuel policy तैयार की गई है। इस policy से crop burning जैसी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी। ये सारे ही प्रयास 2022 तक किसानों की आय दौगुनी करने के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति करने में बहुत मदद करेगा।

साथियों, आज इस अवसर पर मैं एक महत्वपूर्ण घोषणा भी करना चाहता हूँ। और वाकई ही यह घोषणा न सिर्फ उत्तर प्रदेश के लिए लेकिन पूरे हिंदुस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा है। इस वर्ष बजट में प्रस्ताव रखा गया था। कि देश में दो defense industrial corridors का निर्माण किया जाएगा। इनमें एक

उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित है। बुंदेल खंड के विकास को विशेष तौर पर ध्यान में रखते हुए अब ये तय किया गया है। कि यूपी में Defense Industrial Corridor का विस्तार आगरा, अलीगढ़, लखनऊ, कानपुर झांसी और चित्रकूट तक पूरा बेल्ट होगा। इस कॉरीडोर में 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है और ये करीब-करीब ढाई लाख लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर निर्माण करेगा।

योगी जी की सरकार में बनने जा रहे हैं पूर्वांचल एक्सप्रेस वे और बुंदेल खंड एक्सप्रेस वे से विशेषकर पूर्वांचल और बुंदेल खंड का औद्योगिकीकरण में समझता हूं उसके कारण बहुत तेज गति से होगा।

भाईयो और बहनों यूपी में पहले यहां लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर सिर्फ तीन ही एयरपोर्ट थे अब कुशीनगर और जेवर में दो नए International Airport बनाने का काम भी शुरू किया जा रहा है।

इसके अलावा उड़ान योजना के तहत आगरा, कानपुर, इलाहाबाद, बरेली, झांसी, चित्रकूट, मुरादाबाद, अलीगढ़, आजमगढ़ जैसे 11 शहरों में हवाई अड्डों का विकास किया जा रहा है। जल्द ही इन शहरों में भी हवाई उड़ान की सुविधा उपलब्ध होगी। और जब मैं कहता हूं कि मेरा सपना है कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज में सफर करने वाला बनना चाहिए।

आप सोचिए जब यूपी में इतने Airport Functional नहीं हैं। सिर्फ तय है तब भी यहां पेसेंजर air traffic में पिछले साल तीस प्रतिशत का ग्रोथ है। ये राष्ट्रीय औसत से भी कहीं ज्यादा है और जब नए एयरपोर्ट काम करने लगेंगे तो कितना बड़ा बदलाव आएगा इसकी आप कल्पना कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। करीब-करीब 9 हजार किलोमीटर की लंबाई का रेल नेटवर्क नेशनल हाईवे के नेटवर्क में भी यूपी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। जब Eastern और Western dedicated freight corridor का काम पूरा हो जाएगा तो यूपी की अर्थव्यवस्था को एक नई ताकत मिलेगी एक नया बल मिलेगा। महत्वपूर्ण है कि ये दोनों corridor यूपी के ही दादरी में मिलते हैं। इस corridor के साथ दिल्ली-मुंबई Industrial Corridor or Amritsar Delhi Kolkata Industrial Corridor की त्रिशक्ति यूपी के विकास में एक जबरदस्त बड़ा जंप लाएगी, उछाल लाएगी।

वाराणसी से हल्द्वी के बीच बन रहे National waterways से भी यूपी के औद्योगिक विकास में मदद मिलेगी। इसके अलावा लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा में मेट्रो का विस्तार, मेरठ, कानपुर वाराणसी में नई मेट्रो, यूपी में World class transport Infrastructure बनाने में मदद करेगी।

साथ ही Bharat Net परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश की पंचायतों में Optical Fiber Connectivity यहां के ग्रामीण इलाकों को पूरी दुनिया के साथ जोड़ देगी। आधुनिक, Highways, Railways, Subways या Metro Airways, Water ways, Information way ये मिलाकर के ऐसा Infrastructure तैयार करेंगे जो उत्तर प्रदेश को 21वीं सदी में नई बुलंदियों पर लेकर ही रहेगा। बेहतर connectivity, industries और manufacturing unit transport के एक माध्यम से दूसरे से seamlessly switch करने में बहुत मदद करेगी। जब transport की दिक्कतें कम होंगी तो व्यापार भी उतनी ही आसानी से होगा, tourism भी बढ़ेगा और इन सभी का प्रभाव Job growth पर नजर आएगा।

साथियों tourism को कई बार Multiplier for growth के तौर पर भी देखा जाता है। उत्तर प्रदेश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत चारों तरफ है। कला की अनेक विधाएं इस उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं। आवश्यकता Tourist Centre Eco System को मजबूत किए जाने की है। Heritage Tourism, Handicraft Tourism, Eco Tourism, Wildlife Tourism, Village Tourism कितनी ही संभावनाएं यूपी में हैं जिन्हें और बेहतर तरीके से टैप किया जा सकता है।

देशी और विदेशी टूरिस्टों की संख्या में इस मामले में भी उत्तर प्रदेश देश के टॉप राज्यों में से एक है। उसे नंबर वन बनाया जा सकता है। इस summit में जो नई पर्यटन नीति घोषित की जा रही है। मुझे विश्वास है कि उससे ये लक्ष्य हासिल हो सकता है। यूपी में अब tourism sector के भी Industry का दर्जा दिया गया है।

भाईयो और बहनों अगले वर्ष की शुरुआत में यानि 2019 जनवरी, अगले वर्ष की शुरुआत में प्रयाग में महाकुंभ का भी आयोजन किया जाएगा। पूरे विश्व में ये अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन होगा। पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र के द्वारा UNO की तरफ से कुंभ को मानवता की अमूल्य की धरोहर के रूप में मान्यता मिली है। ये हम सभी के लिए और विशेषकर उत्तर प्रदेश सरकार के लिए एक बहुत ही बड़ा अवसर है। कुंभ के दौरान कल्पवासियों से लेकर के देश-विदेश से आने वाले लाखों करोड़ों लोगों के लिए 2019 का ये हमारा कुंभ अविश्वसनीय बने, उनके जीवन की सबसे बड़ी यादगार बने। यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के नए अवसरों का निर्माण करे, इस लक्ष्य के साथ अगर हम सब मिलकर के न सिर्फ भारत में दुनिया में, दुनिया का कोई देश ऐसा न हो इस बार कि जिसमें कोई न कोई व्यक्ति इस कुंभ के मेले में आया न हो। एक प्रकार को वैश्विक स्तर का कुंभ मेला और उत्तर प्रदेश का प्राणी, भारत की पहचान इससे संभव है।

साथियों, इस तरह की Investors' Summit की शुरुआत बहुत पहले गुजरात में इसका प्रारंभ हुआ इसके बाद ये सिलसिला मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, असम जैसे राज्यों से होते हुए अब उत्तर प्रदेश भी आ पहुंचा है। हमारे लिए अब ये महत्वपूर्ण होगा कि investors' Summit में हुए MoUs जल्दी से जल्दी धरातल पर उतरे जिससे यहां के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिले।

मैं योगी जी का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा कि उन्होंने वायदा किया है। कि ये सारे MoUs का वो स्वयं Monitoring करेंगे। वे स्वयं उसका follow up करेंगे। और इसलिए यहां जो MoUs किया है। वो भी तैयार रहे कि अब उत्तर प्रदेश उनके पीछे लग जाएगी।

हमारी सरकार चाहे केंद्र में हो या राज्य में Job Centric के साथ ही people centric growth पर भी जोर देती रही है। एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें देश के गरीबों का Financial inclusion भी हो जो गरीबों को साथ लेकर के चले। इसलिए Ease of doing business के साथ-साथ हम Ease of Living को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। ये सरकार की नीतियां और योजनाओं का ही असर है कि जन-धन योजना के तहत अब 31 करोड़ गरीब के बैंक अकाउंट खुलवाए जा चुके हैं। 18 करोड़ से ज्यादा गरीबों को 90 पैसे प्रतिदिन और 1 रुपया महीने के प्रीमियम पर बीमा कवच दिया गया है।

पिछले तीन वर्ष में गरीबों और निम्न मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए सरकार द्वारा लगभग 1 करोड़ घर बनाए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत छः करोड़ से ज्यादा शौचालय बनवाए गए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत सरकार 3 करोड़ 30 लाख से ज्यादा गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दे चुकी है।

इस बजट में अब उज्ज्वला योजना को लक्ष्य बनाकर 8 करोड़ कर दिया गया है। देश के हर गरीब का घर रोशन हो सके इसके लिए सरकार ने प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना भी शुरू की है। इसके माध्यम से 4 करोड़ गरीबों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया जाएगा।

इस बजट में हमने आयुषमान भारत योजना का ऐलान किया है। इस योजना के तहत देश 10 करोड़ गरीब परिवारों को health insurance दिया जाएगा। और जिसके तहत एक गरीब परिवार में बीमारी आए साल भर में वो गरीब परिवार को दवाई का अगर खर्चा पांच लाख तक होगा तो पांच लाख रुपया सरकार Insurance company के माध्यम से उस गरीब परिवार को दे देगी।

ऐसे अनेक कार्यों और योजनाओं से हमारी सरकार गरीबों के जीवन को आसान बनाने का काम कर रही है। हमारी सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि देश जो structural change किए जा रहे हैं Policy intervention किए जा रहे हैं। उसका लाभ देश के किसानों को, गरीबों को, दलितों को, पिछड़ों को और समाज के वंचित तत्वों तक पहुंचे।

साथियों, न्यू इंडिया के निर्माण के लिए, न्यू उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए नए जोश, नई उम्मीद के साथ ही, नए निवेश की भी आवश्यकता है। मुझे उम्मीद है कि Investors' Summit उत्तर प्रदेश नए निवेश की संभावनाओं के, नए द्वार खोलने में सफल होगी। इस उम्मीद के साथ ही मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। मैं फिर एक बार आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। श्रीमान अनिरुद्ध जगन्नाथ जी का हृदय से बहुत आभार व्यक्त करता हूं। और मुझे विश्वास है कि योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास की ऊंचाइयों पर तेज गति से आगे बढ़ने का जो प्रयास हो रहा है। उसको आप सबके आशीर्वाद मिलेंगे, आप सबका सहयोग मिलेगा। और भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश का निर्माण एक बहुत अहम भूमिका अदा करता है। उसको हम सब मिलकर के पूरा करेंगे। इसी एक आशा अपेक्षा के साथ आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बहुत-बहुत धन्यवाद, नमस्ते।

अतुल तिवारी/शाहबाज़ हसीबी/हिमांशु सिंह/बाल्मीकि महतो/ममता

(रिलीज़ आईडी: 1521361) आगंतुक पटल : 838

प्रधानमंत्री कार्यालय

Rising India Summit में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 16 MAR 2018 9:33PM by PIB Delhi

नेटवर्क 18 के ग्रुप एडिटर – इन - चीफ राहुल जोशी जी, देश-विदेश से आए अतिथिगण, यहां उपस्थित मीडिया के बंधु, देवियों और सज्जनों,

सबसे पहले आप सभी का बहुत-बहुत आभार कि आपने मुझे Rising India समिट में सम्मिलित होने का अवसर दिया।

साथियों, जब हम Rising कहते हैं तो पहला भाव अंधेरे से उजाले की ओर जाने का आता है। हम जहां थे, जिस स्थिति में थे, उससे आगे बढ़ने, बेहतर भविष्य की ओर जाने का भाव आता है।

ये Rise करना, उदय होना, जब हम देश के संदर्भ में बोलते हैं, तो उसका विस्तार बहुत व्यापक हो जाता है। सवाल ये कि फिर Rising India क्या है? सिर्फ अर्थव्यवस्था की मजबूती Rising India है, सेक्स का रिकॉर्ड स्तर पर होना Rising India है, विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर होना Rising India है या फिर रिकॉर्ड विदेशी निवेश आना Rising India है?

साथियों, Rising India का मेरे लिए मतलब है देश के सवा सौ करोड़ लोगों के स्वाभिमान का Rise होना, देश के आत्मगौरव का Rise होना। जब इन्हीं सवा सौ करोड़ लोगों की इच्छाशक्ति एकजुट हो जाती है, उनके संकल्प एक हो जाते हैं, तो असाध्य भी साध्य हो जाता हो जाता है, असंभव भी संभव बन जाता है।

एकजुट हुई यही इच्छाशक्ति आज न्यू इंडिया के संकल्प को पूरा कर रही है।

भाइयों और बहनों, बहुत से देशों में ये अवधारणा रही है कि सरकार विकास को, परिवर्तन को Lead करे और नागरिक उसे follow करें। पिछले चार वर्षों में भारत में हमने ये स्थिति बदल दी है। अब देश का नागरिक Lead करता है और सरकार उसे follow करती है।

आपने खुद देखा है कि कैसे इतने कम समय में स्वच्छ भारत मिशन एक जनआंदोलन बन गया है। मीडिया ने भी इसमें एक पार्टनर की तरह भूमिका निभाई है।

कालेधन और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में देश के नागरिकों ने digital payment को अपना एक मजबूत हथियार बना रखा है। भारत आज digital payment करने वाले fastest growing market में से एक है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की हर कार्रवाई को जिस तरह से लोगों का समर्थन मिलता है, वो भी इस बात का गवाह है कि देश को उसकी आंतरिक बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए किस तरह लोगों ने कमर कस रखा है।

हमारे राजनीतिक विरोधी चाहे जो बोलें, लेकिन देश के लोगों की इसी प्रेरणा की वजह से सरकार बड़े फैसले ले सकी और उन्हें लागू करके दिखाया। जिन फैसलों की सिफारिश दशकों पहले की गई थी, लेकिन उन्हें फाइलों में दबाकर रखा गया, जो कानून दशकों पहले पास हुए लेकिन भ्रष्टाचार के दबाव में लागू नहीं किए गए, उन्हें भी इस सरकार ने लागू किया और अब इन्हीं कानूनों के आधार पर बड़े स्तर पर कार्रवाई हो रही है।

साथियों, भारत में जो transformational shift आ रहा है, वो अपने नागरिकों की वजह से आ रहा है, उनकी इच्छाशक्ति की वजह से आ रहा है। यही इच्छाशक्ति देश के लोगों में, देश के क्षेत्रों में असंतुलन का भाव कम कर रही है।

भाइयों और बहनों, चाहे देश का उदय हो या फिर किसी समाज और व्यक्ति का, अगर बराबरी का भाव नहीं होगा, तो न संकल्प सिद्ध होंगे और न ही समाज। इसलिए अगर एक विजन के तौर पर देखें तो हमारी सरकार राष्ट्रीय स्तर पर असंतुलन के इस भाव को खत्म करने का निरंतर प्रयास कर रही है। इसका परिणाम क्या आता है, ये मैं, नेटवर्क 18 के दर्शकों को एक वीडियो के माध्यम से अनुभव कराना चाहता हूँ।

साथियों, उज्जवला सिर्फ रसोई ही नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की तस्वीर बदल रही है। ये हमारी सामाजिक व्यवस्था में एक बड़ा असंतुलन खत्म कर रही है।

साथियों, आपके यहां आने से पहले मैं आज दिन भर मणिपुर में था। साइंस कांग्रेस का उद्घाटन, फिर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का शिलान्यास, उत्तर पूर्व के लिए महत्वपूर्ण अनेक योजनाएं आज शुरू हुई हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर ये मेरा उत्तर पूर्व का अठ्ठाइसवां या उन्तीसवां दौरा था।

आप सोचिए, आखिर ऐसा क्यों? क्यों हमारी सरकार का जोर पूर्वी भारत पर, उत्तर पूर्व पर इतना ज्यादा है। जो लोग सोचते हैं कि हम वोट के लिए ऐसा कर रहे हैं, वो देश की जमीन से ही नहीं, लोगों के दिलों से भी कट चुके हैं।

साथियों, पूर्वी भारत का Emotional Integration और Demographic Dividend को ध्यान पर रखा जाना बहुत जरूरी है।

इसलिए हमारी सरकार **'Act East And Act Fast For India's East'** के मंत्र पर चल रही है। और जब मैं 'Act East' कहता हूँ तो उसका विस्तार सिर्फ उत्तर पूर्व के राज्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि ये पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, भी शामिल हैं।

देश का ये वो हिस्सा रहा है, जो विकास की दौड़ में पीछे रह गया था। इसकी एक बड़ी वजह थी इस क्षेत्र के विकास को लेकर उदासीनता। इस क्षेत्र में सैकड़ों प्रोजेक्ट या तो शुरू ही नहीं हुए, या फिर दशकों से बीच में ही अटके रहे। हमारी सरकार ने इस असंतुलन को खत्म करने और अधूरी परियोजनाओं को, अटकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने का काम शुरू किया।

- आप ये जानकर हैरान होंगे कि असम में महत्वपूर्ण Gas cracker project 31 सालों से लंबित था। हमने सरकार में आने के बाद इस परियोजना पर फिर काम शुरू किया।
- आज बहुत तेजी के साथ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बिहार के बरौनी और झारखंड के सिंदरी में बरसों से बंद पड़े फर्टिलाइजर प्लांट्स को खोलने का काम किया जा रहा है।
- इन Plants को गैस, जगदीशपुर से हल्दिया तक बिछाई जा रही गैस पाइपलाइन से मिलेगी। यही पाइपलाइन पूर्वी भारत के प्रमुख शहरों में गैस पाइपलाइन पर आधारित उद्योगों का पूरा इको-सिस्टम भी विकसित करेगी।
- ये हमारी ही सरकार का प्रयास था कि ओडिशा में Paradip Oil Refinery के काम में तेजी आई और अब Paradip विकास का द्वीप बनने की ओर अग्रसर है। ये भी हमारी ही सरकार का प्रयास था कि असम और अरुणाचल को जोड़ने वाले और रणनीतिक तौर पर बहुत महत्वपूर्ण ढोला-सादिया पुल का काम तेज गति से पूरा हुआ।
- चाहे वो Road sector हो या Rail sector हर तरफ से पूर्वी भारत में Infrastructure को निरंतर बल दिया जा रहा है। सरकार Waterways को बढ़ावा देने का काम कर रही है। वाराणसी और हल्दिया के बीच Waterway का विकास, यहां के औद्योगिक ट्रांसपोर्ट को बदलने में बड़ी भूमिका निभाएगा।
- Connectivity को बढ़ावा देने के लिए उड़ान योजना के तहत पूर्वी भारत में 12 नए Airports का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 6 Airport नॉर्थ ईस्ट में बन रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले आपने देखा होगा कि सिक्किम में पहली

बार commercial flight land हुई है।

- जब नए All India Institute of Medical Sciences की बात आई, जब नए Indian Agricultural Research Institute की बात आई, तो हमारी सरकार ने पूर्वी भारत को प्राथमिकता दी।
- महात्मा गांधी जी की कर्मभूमि पूर्वी चंपारण – मोतीहारी में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना भी इस सरकार ने की है।

साथियों, सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं से इन इलाकों में रोजगार के लाखों नए अवसर बन रहे हैं।

‘दिल्ली दूरअस्त’ की अवधारणा से अलग हमने दिल्ली, पूर्वी भारत के दरवाजे पर ले जाकर खड़ी कर दी है। हम सबका साथ-सबका विकास के मंत्र के साथ देश के हर भू-भाग को विकास की मुख्यधारा में शामिल कर रहे हैं।

साथियों, मैं आपको एक Map दिखाना चाहूंगा। ये Map इस बात का गवाह है कि पिछले चार वर्षों में किस तरह से पूरे देश में एक बड़ा असंतुलन खत्म हुआ है और पूर्वी भारत के गांव रोशन हुए हैं।

मैं अक्सर जिक्र करता हूं कि स्वतंत्रता के बाद देश में 18 हजार गांव ऐसे थे, जहां तक बिजली नहीं पहुंची थी। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि इनमें से लगभग 13 हजार गांव पूर्वी भारत के थे। इन 13 हजार गांवों में से भी 5 हजार गांव नॉर्थ ईस्ट के थे। इन गांवों तक बिजली पहुंचाने का कार्य पूर्णता पर है।

बल्कि अब तो हर घर को बिजली कनेक्शन से जोड़ने के लिए हमारी सरकार ने सौभाग्य योजना भी शुरू की है। इस पर सरकार 16 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है।

पूर्वी भारत के लोगों की जिंदगी में आई ये रोशनी, **Isolation to Integration** का ये रास्ता ही Rising India की चमक को और प्रखर करेगा।

साथियों, कॉर्पोरेट जगत में एक कहावत प्रचलित है कि You can't Manage what You can't Measure. हमने भी न सिर्फ इस मंत्र को अपनी कार्यपद्धति में अपनाया है, बल्कि इसे हम और भी आगे लेकर गए हैं – Measure to Manage and Manage to Create Mass Movement.

जब Mass Movement बनता है, जब व्यापक स्तर पर सरकार और जनता की भागीदारी होती है तो उसके results भी बेहतरीन होते हैं, दूरगामी होते हैं। मैं आपको देश के Health Sector का उदाहरण दूंगा।

हम Health Sector को Multi Sectoral तरीके से आगे बढ़ाते हुए इसमें चार Pillars पर ध्यान दे रहे हैं।

- **Preventive Health,**
- **Affordable Healthcare,**
- **Supplieside interventions**
- **Mission mode intervention**

हमने इन चारों विषयों पर एक साथ Focus किया है। देश में health care के लिए सिर्फ Health Ministry हो और वो अकेली ही काम करती रहे तो इससे सिर्फ silos बनते हैं, solutions नहीं निकलते। **हमारा प्रयास रहा है – No Silos, Only Solutions.**

जनता-जनार्दन से जुड़े इस अभियान में Health Ministry के साथ-साथ इन विषयों से जुड़े अन्य मंत्रालयों को, **स्वच्छता मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, Ministry of Chemicals and Fertilizers, उपभोक्ता मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी साथ-साथ रखा।** इस तरह से हमने सबको साथ मिलाकर निर्धारित Goal की ओर आगे बढ़ने का प्रयास किया है।

अगर मैं पहले Pillar यानि **Preventive Health** की बात करूं तो ये सबसे सस्ता भी है और सबसे आसान भी।

हम सब जानते हैं कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता सबसे पहली आवश्यकता है और इसी पर बल देते हुए हमने पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय को activate किया। इसका परिणाम देखिए कि **2014 तक पूरे भारत में 6.5 करोड़ घरों में शौचालय थे लेकिन अब 13 करोड़ घरों में शौचालय हैं यानि दोगुनी बढ़ोतरी।**

आज देश में सैनिटेशन कवरेज 38 प्रतिशत से बढ़कर करीब 80 प्रतिशत हो चुकी है। यह बढ़ोतरी भी दोगुने से ज्यादा है। स्वच्छता अभियान के साथ ये संदेश भी घर-घर पहुंचा है कि कि गंदगी अपने साथ बीमारियां लेकर आती हैं, जबकि स्वच्छता रोगों को दूर भगाती है।

Preventive Health Care के रूप में योग ने नए सिरे से अपनी पहचान को स्थापित किया है। आयुष मंत्रालय के activate होने की वजह से योग आज दुनिया भर में एक Mass Movement बन रहा है।

इस बजट में हम Wellness Centre लेकर आए हैं। सरकार का प्रयास देश की हर बड़ी पंचायत में हेल्थ वेलनेस सेंटर बनाने का है।

इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम पर हमने विशेष जोर दिया है। **हमारी सरकार आने से पहले देश में टीकाकरण की वृद्धि दर सिर्फ 1 प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो चुकी है।**

साथियों, Preventive Health Care के साथ ही Healthcare का Affordable होना भी जरूरी है। हेल्थ केयर Accessible हो और Affordable भी हो, जन सामान्य के लिए सस्ता और सुलभ हो, इसके लिए भी हमने कई कदम उठाए हैं।

हमने **Ministry of Chemicals and Fertilizers** को activate किया जो इस दिशा में काम कर रही है। **देश भर में 3000 से अधिक जन-औषधि केंद्र खोले गए हैं जहां 800 से ज्यादा दवाइयां कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।**

हृदय रोगियों को स्टेंट कम कीमत पर मिले, इसके लिए हमने **उपभोक्ता मंत्रालय** को active किया और उसने इस पर विशेष पहल की जिसका परिणाम है कि **आज हार्ट स्टेंट की कीमत 85 प्रतिशत तक कम हो गई है।** इसके साथ ही **Knee implants** की कीमतों को भी नियंत्रित किया गया है, जिससे इसके दाम में 50 से 70 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

इस बजट में हमने एक और बड़ी योजना का ऐलान किया है, और वो है आयुष्मान भारत। आयुष्मान भारत योजना से देश के गरीब से गरीब व्यक्ति को बहुत बड़ी मदद मिलने वाली है। **लगभग 10 करोड़ परिवार यानी करीब 45 से 50 करोड़ नागरिक इलाज की चिंता से मुक्त हो जाएंगे।** अगर उनके परिवार में कोई बीमार पड़ा तो एक साल में 5 लाख रुपये का खर्च भारत सरकार और इंश्योरेंस कंपनी मिलकर देगी।

साथियों, Health Sector का तीसरा बड़ा Pillar है, **Supplieside interventions**. स्वास्थ्य के साथ जो आवश्यक सुविधाएं जुड़ी हैं, उसे भी सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

देश में और खासतौर पर गांवों में डॉक्टर्स की कमी महसूस की जाती है। इससे निपटने के लिए हमारी सरकार ने मेडिकल सीटें बढ़ाई हैं।

साथियों, 2014 में जब हमारी सरकार बनी थी तो मेडिकल में 52 हजार अंडरग्रेजुएट और 30 हजार पोस्ट ग्रेजुएट सीटें थीं। अब देश में 85 हजार से ज्यादा अंडरग्रेजुएट और 46 हजार से ज्यादा पोस्ट ग्रेजुएट सीटें हैं।

इसके अलावा देशभर में **नए एम्स और आयुर्वेद विज्ञान संस्थान की स्थापना की जा रही है।** इसके अलावा हर तीन संसदीय सीटों के बीच में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की भी योजना है।

इन प्रयासों का सीधा लाभ हमारे युवाओं के साथ ही देश की गरीब जनता को भी मिलेगा। नर्सिंग और पैरामेडिकल के क्षेत्र में भी Human Resource को बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है। मेडिकल प्रोफेशनल्स बढ़ेंगे तो affordability और access भी बढ़ेगा।

भाइयों और बहनों, Health Sector का चौथा और बहुत महत्वपूर्ण Pillar है- Mission mode intervention.

कुछ challenges ऐसे होते हैं जिनके लिए मिशन मोड में काम करने की जरूरत होती है और तभी उन challenges से निपटने में मदद मिलती है और उनके परिणाम देखने को मिलते हैं।

देश में माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर हो, वे बीमारियों से मुक्त रहें, स्वस्थ और सशक्त रहें इसके लिए हमने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को activate किया। इसके तहत आज कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मां और शिशु का उचित पोषण सुनिश्चित किया जा रहा है।

पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय पोषण अभियान की शुरुआत भी की गई है। देश को स्वस्थ बनाने की दिशा में ये सबसे नया और बड़ा कदम है। जब बच्चों और माताओं को सही पोषण मिलेगा तो उनका बेहतर स्वास्थ्य भी सुनिश्चित होगा।

मैं मानता हूँ- **One size does not fit for all.** इसलिए हमारी सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि हर क्षेत्र, हर सेक्टर का Unique Development Model विकसित हो।

साथियों, मैं आपको एक वीडियो के माध्यम से, देशभर की खुशियों में भागीदार बनाना चाहता हूँ।

आपने जो लोगों के चेहरे पर खुशी देखी है, वो मेरे लिए Rising India है।

आखिर ये बदलाव कैसे आया?

आपको याद होगा 6 साल पहले जुलाई में ग्रीड फेल होने से देश अंधेरे में डूब गया था। जो हुआ वो एक system का, शासनतंत्र का breakdown था।

Silos की ये स्थिति थी कि एक समय ऊर्जा मंत्रालय को नहीं पता होता था कि कोयला मंत्रालय का रोडमैप क्या है। New and Renewable Energy मंत्रालय का Power Ministry के साथ कोई समन्वय नहीं था।

Silos तोड़कर Solution निकालने का ये कार्य देश के Power Sector में भी बहुत व्यापक तरीके से हो रहा है।

आज भारत की ऊर्जा सुरक्षा के best solutions के लिए Power Ministry, Renewable Energy Ministry और Coal Ministry एक unit के रूप में काम कर रहे हैं।

कोयले से हमें energy security मिलती है, तो renewable energy हमारी आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए हमें sustainable energy दे सकती है। यही कारण है कि हम Power Shortage से Power Surplus की तरफ, Network Failure से Net Exporter की तरफ बढ़ रहे हैं। सरकार के प्रयासों से One Nation-One Grid का सपना भी साकार हुआ है।

साथियों, हार-हताशा-निराशा का वातावरण कभी किसी देश को आगे नहीं ले जा सकता। आपने भी देखा है कि पिछले चार वर्षों में देश के लोगों में, देश को चलाने वाली व्यवस्थाओं में किस तरह एक हौसला पैदा हुआ है, एक भरोसा आया है। जो परिवर्तन लोग अपने सामने देख रहे हैं, अपने जीवन में देख रहे हैं, उससे हर भारतीय में ये विश्वास आया है कि 21वीं सदी का भारत अपनी कमजोरियों को छोड़कर, अपने बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ सकता है, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के सपने को सच कर सकता है। लोगों का ये प्रबल विश्वास ही Rising India का आधार है।

भाइयों और बहनों, यही वजह है कि आज पूरा विश्व, भारत के इस उदय को, Rising India को मान दे रहा है, सम्मान दे रहा है। पहले की सरकार के दस वर्षों में जितने राष्ट्राध्यक्ष और राष्ट्रप्रमुख भारत आए, और जितने पिछले चार वर्षों में भारत आए, उसकी तुलना ही अपने आप में काफी कुछ कह जाती है। पहले की सरकार में औसतन एक साल में विश्व के जितने बड़े नेता आते थे, अब उसके तकरीबन दोगुने राष्ट्राध्यक्ष और राष्ट्रप्रमुख प्रतिवर्ष भारत आ रहे हैं।

ये Rising India की एक ऐसी तस्वीर है, जिस पर आप सभी को गर्व होगा।

साथियों, भारत ने सिर्फ अपने ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के विकास को एक नई दिशा दी है। भारत आज पूरे विश्व में सोलर क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। आपने देखा है कि किस तरह पाँच दिन पहले International Solar Alliance का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में लॉन्च किए गए Delhi Solar Agenda को लागू करने के लिए 60 से ज्यादा देशों ने अपनी सहमति जताई है। Climate Change जैसे विषय में भारत का ये प्रयास 21वीं सदी में संपूर्ण मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है।

साथियों, बीते चार वर्षों में जिस तरह अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत का प्रभाव बढ़ा है, उसके लिए एक समझी-बूझी रणनीति के तहत निरंतर कार्य किया गया है। भारत ने दुनिया को संदेश दिया है शांति का, विकास का, sustainable development का।

भारत ने बड़े-बड़े समूहों चाहे संयुक्त राष्ट्र हो या G-20, ऐसे विषय उठाए हैं जो पूरे विश्व को प्रभावित करते हैं। आतंकवाद सिर्फ एक देश या एक क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश के लिए एक चुनौती है, इस बात को भारत ने ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्थापित किया है।

अलग-अलग देशों में कालेधन का प्रवाह और भ्रष्टाचार किस तरह विश्व के विकास में बाधक है, Effective Financial Governance के लिए चुनौती बना हुआ है, ये विषय भी भारत ने ही सबसे पुरजोर तरीके से उठाया है।

साथियों, ये भारत का ही आत्मविश्वास है कि जहां पूरा विश्व 2030 तक TB को खत्म करने के लिए कार्य कर रहा है, हमने उससे भी 5 वर्ष पहले, यानि 2025 तक इस बीमारी से मुक्ति पाने की ठान ली है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत 2025 में पूरी दुनिया को ये लक्ष्य हासिल करके दिखा देगा।

भाइयों और बहनों, दुनिया के लिए आज India Rising सिर्फ दो शब्द नहीं हैं। ये दो शब्द सवा सौ करोड़ भारतीयों की उस ताकत का प्रतीक हैं, जिसे आज पूरी दुनिया नमन कर रही है। यही वजह है कि जिन संस्थाओं की सदस्यता के लिए भारत बरसों से प्रयास कर रहा था, वो उसे अब हासिल होने लगी है।

Missile Technology Control Regime में शामिल होने के बाद भारत 'वासेनार अरेंजमेंट' और 'ऑस्ट्रेलिया ग्रुप' में भी शामिल हो चुका है। International Tribunal for the Law of the Sea के चुनाव में, International Maritime Organization के चुनाव में, United Nations Economic and Social Council के चुनाव में भारत को विजय प्राप्त हुई है। International Court of Justice में जिस तरह भारत को जीत मिली, उसकी तो दुनिया भर में चर्चा हुई है।

साथियों, ये भारत के बढ़ते प्रभाव का ही असर है कि जब यमन में संकट आता है, भारत अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाल रहा होता है, तो अन्य देश भी भारत से मदद के लिए अपील करते हैं। आपको गर्व होगा सुनकर कि उस संकट के दौरान भारत ने 48 देशों के लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला था।

डिप्लोमेसी में मानवीय मूल्यों को सबसे ज्यादा महत्व देने वाली हमारी नीति ने दुनिया को ये एहसास कराया है कि भारत सिर्फ अपने हित के लिए ही नहीं बल्कि वैश्विक हित के लिए काम कर रहा है। सबका साथ-सबका विकास का हमारा मंत्र देश की सीमाओं के दायरे में बंधा हुआ नहीं है।

आज हम आयुष्मान भारत के लिए ही नहीं, बल्कि आयुष्मान विश्व के लिए भी कार्य कर रहे हैं। योग और आयुर्वेद को लेकर दुनिया भर में जो जागरूकता आ रही है, वो भी Rising India का ही एक प्रतिबिंब है।

साथियों, अगर अर्थव्यवस्था की बात करूं तो पिछले तीन-चार वर्षों में भारत ने अपने साथ ही पूरी दुनिया की economic growth को मजबूती दी है। जो देश World GDP का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है, वो आज World economy की ग्रोथ में 7 गुना ज्यादा कंट्रीब्यूट कर रहा है।

जितने भी Macro-Economic पैरामीटर हैं- Inflation, Current Account Deficit, Fiscal Deficit, GDP Growth, Interest rate, FDI Inflow, भारत सभी में अच्छा Perform कर रहा है।

आज विश्व में भारत के संदर्भ में जो बातें होती हैं, वो आशा और विश्वास के साथ होती हैं, पूरे भरोसे के साथ होती हैं। यही वजह है कि तमाम रेटिंग एजेंसियां भारत की रेटिंग में सुधार कर रही हैं।

- आज दुनिया की Top three prospective host economies में भी भारत का नाम लिया जाता है।
- FDI Confidence Index में भारत को Top two emerging market performers में से एक बताया जाता है।
- अंकटाडकी World Investment Report में भी भारत को दुनिया के favourite FDI destinations में से एक बताया गया है।
- World Bank की Ease of Doing Business की रैंकिंग में भी हमने सिर्फ तीन साल में 42 अंकों का सुधार किया है।
- वर्ष 2017-18 के तीसरे क्वार्टर में भारत ने 7.2 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। अर्थव्यवस्था के जानकार कह रहे हैं कि ये रफ्तार अभी और बढ़ेगी।

साथियों, 2014 के पहले देश के Tax System की पहचान थी, investors के लिए Unfriendly, Unpredictable और Non-Transparent. अब इस स्थिति में परिवर्तन आ रहा है। GST ने भारत को दुनिया के सबसे बड़े economic Markets में से एक के तौर पर स्थापित किया है।

साथियों, सरकार गरीब, निम्न मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग की Aspirations को समझते हुए holistic approach के साथ काम कर रही है।

- इस बजट में हमने Revitalising Infrastructure and Systems in Education यानि RISE नाम से एक नई योजना शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत हमारी सरकार अगले चार साल में देश के Education System को सुधारने के लिए 1 लाख करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है।
- सरकार देश में वर्ल्ड क्लास 20 Institute Of Eminence बनाने पर भी काम कर रही है। Higher Education से जुड़े प्राइवेट और पब्लिक Institutes के साथ हम मिलकर काम कर रहे हैं। इस मिशन के तहत Public Sector के चुने हुए 10 संस्थानों को 10 हजार करोड़ रुपए की आर्थिक मदद भी दी जाएगी।
- इसी तरह देश के नौजवानों में Self Employment और विशेषकर MSME सेक्टर में काम कर रहे उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए हम स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया मिशन जैसे कार्यक्रम चला रहे हैं।
- विशेषकर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना नौजवानों और महिलाओं के सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बन रही है। जब से ये योजना शुरू हुई है, तब से लेकर अब तक 11 करोड़ से ज्यादा लोन हमारी सरकार ने स्वीकृत किए हैं। लोगों को बिना गारंटी 5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया गया है। इस वर्ष के बजट में भी हमने 3 लाख करोड़ रुपए का मुद्रा लोन देना तय किया है।

अगर इन सारे प्रयासों को एक बुके के तौर पर देखें, तो ये कार्य Middle Class और Urban Youth की Aspirations को पूरा करने वाले और रोजगार के नए अवसर बनाने वाले साबित हो रहे हैं।

मुझे उम्मीद है कि विकास की मुख्यधारा में पीछे छूट गया चाहे कोई व्यक्ति हो या क्षेत्र, जब वो तेज गति से आगे बढ़ेगा, उसकी शक्तियों, उसके संसाधनों के साथ न्याय होगा, तो Rising India की Story भी और सशक्त होगी।

आखिर में, मैं आपके मीडिया समूह को 2022 और संकल्प से सिद्धि की यात्रा के बारे में फिर याद दिलाना चाहता हूं। क्या आपके ग्रुप ने कोई संकल्प लिया? क्या कोई रोडमैप तैयार किया? क्या इस बारे में सोचा कि हम ऐसा क्या करें जो 2022 में न्यू इंडिया के सपने को पूरा करने में मदद करेगा?

मुझे बहुत खुशी होगी अगर आपका ग्रुप कोई चैलेन्ज स्वीकारे, अपने संकल्प को अपने चैनलों पर प्रमोट करे, उसका follow-up भी दिखाए।

साथियों, सवा सौ करोड़ देशवासी, ईश्वर का ही रूप हैं। और देश की प्रत्येक संस्था को, प्रत्येक इकाई को राष्ट्र कल्याण के लिए, राष्ट्र निर्माण के लिए, विकास की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प बद्ध होकर काम करने की आवश्यकता है।

आपके जो भी संकल्प हों, उसके लिए मेरी अनेक-अनेक शुभकामनाएं हैं।

एक बार फिर आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद !!!

AKT/SH

(रिलीज़ आईडी: 1524949) आगंतुक पटल : 1073

प्रधानमंत्री कार्यालय

सीपीएसई सम्मेलन 2018 में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 09 APR 2018 10:00PM by PIB Delhi

Heavy Industries और Public Enterprise के मेरे साथी मंत्री श्रीमान अनंत गीते जी, राज्यमंत्री श्रीमान बाबुल सुप्रीयो जी, मेरे सहयोगी श्रीमान पी.के. मिश्रा जी, श्री पी. के. सिन्हा जी, देश भर से आए Central Public Sector Enterprise के वरिष्ठ अधिकारीगण, यहां उपस्थिति अन्य महानुभव, देवियों और सज्जनों।

हमारे अनंत गीते जी गाते नहीं हैं और बाबुल जी गाते हैं। Public Sector ये हमारी जो छोटी सी दुनिया है इसमें एक नई शुरुआत है। और मैं आप सभी का CPSE Conclave में स्वागत करता हूं। आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पिछले एक-डेढ़ घंटे में जो Presentation यहां दिए गए उसमें आपका परिश्रम, आपका उत्साह और by and large मैं ये कह सकता हूं clarity of thoughts, ये मैं साफ-साफ देख रहा था। Corporate Governance से लेकर innovations, technology और New India पर आपका vision, आपके विचार भी जानने का अवसर मुझे मिला। शायद ऐसा सौभाग्य पहले किसी प्रधानमंत्री को मिला है या नहीं ये मुझे मालूम नहीं, मुझे मिला।

Presentation से जो टीम में जुड़ी, इसके साथ जुड़ी रहीं जिन्होंने चर्चाएं की, उन सबको भी मैं बधाई देता हूं ताकि उन्होंने काफी मंथन किया होगा और काफी References भी इकट्ठे किए होंगे। और अपने रोजमर्रा के कार्य से थोड़ा बाहर निकल कर भी उनको सोचने का अवसर मिला होगा।

अब मुझे बताया गया है कि बीते महीनों में आप सभी में एक मंथन का लंबा दौर चला है। अपने-अपने संबंधित सेक्टरों में कैसे-कैसे transformative change लाना है। इस बारे में आपने गहरा विचार-विमर्श किया है और आपकी जानकारी के लिए आप वहां कुछ कर रहे तो आप के विषय पर मैं भी करता रहता था आपके अफसरों को बुला-बुला के, क्योंकि मैं चाहता था कि मेरी भी विचार प्रक्रिया का तालमेल आपके साथ जुड़ना चाहिए। तो एक प्रकार से हर किसी ने अपने-अपने स्थान पर एक मंथन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है।

और मेरे ध्यान में ऐसी तमाम मुश्किलों को लाया गया है। जैसे सामान्य तौर पर आप लोग रोजमर्रा की जिंदगी में face करते हैं। सरकार इन दिक्कतों को दूर करने के लिए लगातार काम भी कर रही है। बीते चार सालों में सरकार ने भी Public Sector से जुड़े संस्थानों को Operational Freedom दे दी है ताकि वो बेहतर प्रदर्शन कर सके।

साथियों, स्वतंत्रता के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने राष्ट्र निर्माण में देश की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जब भारत को fund की जरूरत थी, नई technology चाहिए थी, अलग-अलग सेक्टर में investment चाहिए था, और ये सभी कुछ मिलना आसान नहीं था। उस समय Public Sector Enterprise ने देश से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मोर्चा संभाला था। एक से एक brand स्थापित किए थे। Power का production, power से जुड़े equipment की designing, steel का production, oil, mineral, coal अनेक सेंटरों में आपने अपना वर्चस्व स्थापित किया। आपने उस समय भारत की अर्थव्यवस्था को गति दी जब प्राइवेट सेक्टर की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण नहीं थी। आज भी आपके संस्थान भारत की अर्थव्यवस्था को न सिर्फ मजबूती दे रहे हैं बल्कि industrial activities में catalyst का भी काम कर रहे हैं।

साथियों, प्राइवेट सेक्टर में जब हम एक CEO की बात करते हैं तो उसका assessment इस बात से होता है कि शेयर होल्डर्स के लिए उसने कितना profit कमाया। Profit Public Sector Enterprise के लिए भी अहम है। लेकिन इसके साथ-साथ उनके लिए ये भी एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी होती है, उनको ध्यान रखना पड़ता है कि समाज जीवन के लिए society का कैसे और कितना भला हुआ।

हम सिर्फ सौर तक सीमित नहीं रह सकते। हमें पूरे समाज के दायरे को देखना पड़ता है। एक प्रकार से PSE का सही मायनों में अर्थ होता है Profit and social Benefit Generating Enterprises। यानी न सिर्फ शेयर होल्डर्स के लिए profit लेकिन society के लिए benefit भी generate करे।

जब हम social benefit की बात करते हैं, तब आप सभी अधिकारियों और पूरे PSE staff के प्रयास और त्याग को कैसे भूल सकते हैं। दूर-सदूर मुश्किल जगहों पर जहां सुविधाओं का अभाव है और कई बार कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, कई दिक्कतें हैं, लेकिन आप सब डटे हुए हैं। देश के लिए हर मुश्किल को, हर परेशानी को आप भी सह रहे हैं।

आप के ही साहस का नतीजा है कि सरकार बड़े-बड़े फैसले लेने में आज सक्षम है और निर्णय कर रही है। फिर वो चाहे देश के हर गांव में बिजली पहुंचाने की बात हो या फिर देश की हर गरीब माता-बहनों की रसोई तक LPG Connection की बात, आपके संस्थानों से जुड़े लाखों कर्मचारियों के अथक परिश्रम के बिना ये संभव नहीं था। और हमने इस फिल्म में भी देखा, आपकी presentation में भी देखा, इसमें कितना बड़ा दायरा और कितने समय-सीमा में इसको कवर किया है।

साथियों, सिर्फ इतिहास अच्छा हो, समृद्ध हो, आज के युग में बात वहां समाप्त नहीं होती है। इससे काम नहीं चलता है। वर्तमान की चुनौतियों के मुताबिक बदलाव की भी जरूरत अनिवार्य होती है। और मैं मानता हूं कि economic decision making में idealism और ideology ये काफी नहीं है। इसकी

जगह pragmatism and practicability उसको भी स्थान होना चाहिए। सेक्टर चाहे कोई भी हो लेकिन जब 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की बात करते हैं तब enterprise and innovation वो मंत्र होना चाहिए, जो हम सभी को guide करे, हमारा driving force हो।

Private Sector हो या Public Sector, success के लिए अलग-अलग मंत्र नहीं होते। सफलता के मंत्र की जब मैं बात करता हूँ तब 3 I की एक सोच सामने आती है। और ये 3 I यानी Incentives, Imagination and Institutional building. Incentives जब हम कहते हैं तब Economist बताते हैं कि human behavior में बदलाव लाने वाला सबसे बड़ा tool है। बिजनेस में ही क्यों, जिंदगी में भी अक्सर हम देखते हैं कि जब भी किसी व्यक्ति से उसकी क्षमता के मुताबिक हमें काम करवाना होता है तो उसे हम निरंतर प्रोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको भी Unique Incentive Models के साथ सामने आना होगा, ताकि ठहराव और निष्क्रियता की स्थिति से बचा जा सके। लेकिन जब हम Incentives की बात करते हैं तो ये सिर्फ Financial हों ये जरूरी नहीं है। कई बार बेहतर Perform करने वाले की फोटो बुलेटिन बोर्ड में लगाने भर से या फिर चेयरमैन की तरफ से पीठ पर जरा थपकी लगा दें, छोटी बात होती है। सैकड़ों कर्मचारियों को Motivate कर सकती हैं।

मुझे बराबर याद है मैं बड़ोदा में एक Pharmaceutical कंपनी में गया। वो कोई product बताते हैं तो उसका बड़ा वर्णन वो पब्लिक करते थे अपने कर्मचारियों के बीच में अब उनको कहते थे कि इस दवाई का नाम आप तय करो। और बड़ी competition होती थी उनके अंदर। हो सकता है कि वो scientist नहीं था, छोटा सा मुलाजिम था लेकिन वो दवाई का नाम शब्द ढूंढता था, जिस काम के लिए, और फिर उसको इनाम देते थे, बड़ा function होता था। जितनी value उन scientists की थी उतना ही सबने मिलकर के जो नाम चुना है, उसकी भी रहती थी। यानी कैसे Incentive दिया जाता है। किस प्रकार से उसको पुरस्कृत किया जाता है। ये मैं समझता हूँ कि परिवार वाले जो यहां आए हैं उनको भी पता है इन चीजों का परिवार में भी कितना उपयोग होता है। इस परिवार भाव से हम इसको कैसे आगे बढ़ाएं।

दूसरा विषय मैंने कहा Imagination। अगर Imagination की बात करते हैं तो आज इसके मायने वैसे नहीं रहे जैसे उस वक्त थे ज्यादातर PSEs बनाए गए थे। आज इसका अलग ही स्वरूप है। आज स्थिति ये है कि कई कामयाब प्राइवेट कंपनियां दो दशक से ज्यादा नहीं टिक पातीं। ये सच्चाई है। इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण है भविष्य में आने वाले बदलाव, विशेषरूप टेक्नोलॉजी में होने वाले changes के हिसाब से खुद को ना ढाल पाना। यहीं पर Leadership की Imagination काम आती है। मैं अहमदाबाद में काफी साल रहा, एक जमाना था वहां मिल के बड़े-बड़े चिमनियां, वो शान हुआ करती थी। लेकिन Technology को न लाने के कारण वो सारी दुनिया बिखर गई। आज एक भी चिमनी से धुंआ नहीं निकलता। क्यों? Imagination का अभाव था। बनी-बनी चीजों पर गुजारा करने की आदत हो गई थी। और जो समयानुकूल बदलाव नहीं लाते, परिवर्तन नहीं लाते, दूर का देख नहीं पाते, सोच नहीं पाते, निर्णय नहीं कर पाते वो वहीं का वहीं ठहर जाते हैं। और धीरे-धीरे उनका नष्ट होना निर्धारित हो जाता है। और आज की दुनिया में Diversification and Disruption, इसकी अहमियत बढ़ गई है।

और तीसरा I यानी Institution building, ये संभवतः Leadership का सबसे अहम Test है। और मैं Leadership यानि Political Leadership नहीं कह रहा हूँ। हम सब लोग यहां बैठे हैं वो अपने-आप में, अपने कार्यक्षेत्र की Leadership उनके पास है। जिस क्षेत्र में काम कर रहे हैं उस पूरे जगत के क्षेत्र के अंदर भी उनको Leadership provide करनी है। एक ऐसी team का formation जो व्यवस्था केंद्रित हो। व्यक्ति केंद्रित और व्यक्ति आधारित व्यवस्थाएं लंबे समय तक नहीं चल पातीं।

साथियों, आज तक हम PSEs को नवरत्न के रूप में Classify करते रहे हैं। लेकिन अब वक्त आ गया है जब हम इससे भी आगे की सोचें। क्या हम New India रत्न बनाने के बारे में नहीं सोच सकते? जो New India बनाने में मदद कर सके? क्या आप तकनीक और प्रक्रियाओं में बदलाव के जरिए New India रत्न बनने और बनाने के लिए तैयार हैं?

मैं समझता हूँ कि New India के निर्माण में आपकी सहभागिता 5 P फॉर्मूले पर चलते हुए और ज्यादा हो सकती है। **ये 5 P हैं- Performance, Process, Persona, Procurement और Prepare.**

साथियों, आप सभी को अपने संस्थानों की Operational और Financial Performance का benchmark और ऊपर ले जाना होगा। अपने-अपने सेक्टरों में दुनिया में जो सबसे बेहतरीन है, उसके साथ compete करने के लिए खुद को तैयार करना होगा।

आज दुनिया भर में चर्चा है कि भारत कुछ ही वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर economy में बदल जाएगा। इसे प्राप्त करने के लिए GDP में जो growth चाहिए, वो हासिल करने में भारतीय Public Sector Enterprises की बहुत बड़ी भूमिका है।

साथियों, मुझे बताया गया है कि वर्ष 2017-18 में PSU's की तरफ से GDP में Net value Addition की करीब 5 प्रतिशत का था। समय की मांग है कि इसे बढ़ाकर दोगुना किया जाए। आप सभी का collective effort इस दिशा में होना चाहिए कि PSUs डायरेक्ट और इन्डायरेक्ट टैक्स के बाद देश में Revenue generation का Third Arm बनें।

हमारे यहां कहा भी गया है- **'उद्योगसम्पन्नं समुपैति लक्ष्मीः'** यानी उद्योग संपन्न मानव के पास लक्ष्मी आती है।

राष्ट्र के हित के लिए भी जरूरी है कि उद्योग, हमारे PSUs संपन्न रहें, और वो राष्ट्र को संपन्न करें।

आज, अगर हम भारत सरकार के सारे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को एक entity के तौर पर देखें, तो Return on Equity लगभग 11 प्रतिशत होता है। ये प्राइवेट सेक्टर की तुलना में और एक अच्छे बिजनेस वेंचर के हिसाब से कम है, मेरे हिसाब से काफी कम है और इसलिए मैं चाहूंगा कि CPSE मैनेजमेंट इस ओर ध्यान दे और एक तय रणनीति के साथ इसे बढ़ाने का फैसला करें।

इसी तरह दूसरे P यानी Process की बात करें तो Process ऐसे होने चाहिए, जिससे transparency बढ़े, accountability बढ़े और वो वैश्विक स्तर पर और बेहतर तरीके से deliver कर पाएं।

हमें खुद से ये सवाल भी पूछना होगा कि न्यू इंडिया में भारतीय PSUs किस तरह अगले 5 या 10 साल में Global Greatness को हासिल कर पाएंगे। कैसे उसमें ज्यादा से ज्यादा innovation हो, GDP को बढ़ाने के लिए कैसे वो खुद को redefine करें, प्रक्रियाओं और नीतियों में ऐसा कौन सा सुधार करें जिससे Tax Revenue तो बढ़े ही Employment Generation के भी नए अवसर बनें। इन सारी दिशाओं में, मैं समझता हूँ सोचने की आवश्यकता है।

पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का global scenario में competitive होना बहुत ही आवश्यक है। आप यूरोप के कई देशों में देखेंगे कि पब्लिक सेक्टर की कंपनियां पावर सेक्टर में, एटोमिक-सोलर सेक्टर में बहुत अच्छा काम कर रही हैं। उनके working model से भी हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

साथियों, जिस प्रकार से बिजनेस environment में globally एक परिवर्तन आया है, उसको देखते हुए decision making में तेज़ी के साथ-साथ flexibility भी समय की मांग है। बीते कुछ समय में दुनिया में ऐसे कई उद्धारण सामने आए हैं जहां रिस्क ना लेने की सोच की वजह से सरकारी enterprises को नुकसान झेलना पड़ा है। ऐसे में जरूरत है कि हर स्तर पर decision making को streamline किया जाए। इसलिए तीसरा P यानी Persona और महत्वपूर्ण हो जाता है।

बेहतर Decision Making तभी काम आ सकती है अगर हमारे पास talent pool हो। हमें ध्यान में रखना होगा कि क्या सही talent को हम आगे ला पा रहे हैं, क्या हम bench strength बना पा रहे हैं।

Flexible decision making, अच्छा टैलेंट और टेक्नॉलॉजी- ये तीन बातें किसी संस्थान से जुड़ जाएं तो उसकी तरक्की को कोई नहीं रोक सकता। और मुझे बताया गया है कि टेक्नॉलॉजी के क्षेत्र में Innovation को बढ़ावा देने के लिए आपने अभी जो presentation में बताया, Tech Up India मिशन को प्राथमिकता देने का भी फैसला लिया है। मैं इस पहल की प्रशंसा करता हूँ और इसकी सफलता की कामना करता हूँ।

एक और विषय बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है- Procurement- साथियों, आपके संस्थानों में procurement की नीतियों में परिवर्तन देश के Micro, Small & Medium Enterprises- MSME सेक्टर को और मजबूत कर सकती है। मैं आपके सामने एक तथ्य रखना चाहता हूँ। वर्ष 2016 में PSUs ने 1 लाख 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का procurement किया था। इसमें से लगभग 25 हजार करोड़ का सामान ही, सिर्फ और सिर्फ 25 हजार करोड़ का सामान ही MSME सेक्टर से लिया गया।

क्या आप सभी मिलकर कोई ऐसा मैकेनिज्म नहीं बना सकते, ऐसा कोई framework नहीं बना सकते, जिससे देश के लघु और छोटे उद्योगों से ज्यादा से ज्यादा सामान खरीदा जाए। विशेषकर देश के पिछड़े इलाकों में जो उद्योग हैं, उनकी hand holding आपके द्वारा की जा सकती है।

आपकी जानकारी में होगा और आपने एक presentation में उल्लेख भी किया कि भारत सरकार ने Government e Market -GeM नाम से एक पोर्टल बनाया। एक अच्छी व्यवस्था खड़ी हुई है।

उसने MSME सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ी नई ऊर्जा का काम किया है। बहुत कम समय में इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लगभग साढ़े 6 हजार करोड़ रुपए का कारोबार हो चुका है। आपके संस्थान भी इसका ज्यादा उपयोग करेंगे तो transparency भी आएगी और MSME सेक्टर को भी लाभ मिलेगा।

जब आप ज्यादा से ज्यादा सामान अपने देश के छोटे उद्यमियों से खरीदेंगे तो दूर-दराज के इलाकों में भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

इसके अलावा आपके संस्थानों द्वारा MSME's को Fund Allocation और technical assistance जितना ज्यादा मिलेगा, उतना ही वो मजबूत होंगे। MSME सेक्टर की capacity building आपके लक्ष्यों में से एक होना चाहिए। और जो आज शायद आपके संकल्प में उसका उल्लेख भी किया है। आप अपने अनुभव छोटे उद्योगों को जितना पहुंचाएंगे, उतना ही देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम और अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगा।

मेरा एक आग्रह आपसे ये भी है कि आप इस बात का भी हमेशा ध्यान रखेंगे कि MSME's को भुगतान में देरी न हो। Payment late होने पर छोटे उद्यमियों को जिस तरह की दिक्कतें आती हैं, उसकी जानकारी आप सभी को है।

देश के Manufacturing Sectors को Central Public Sector Enterprises से बड़ी ताकत मिल सकती है। Rural Housing, Renewable Energy, Solar, Textile, Pharma, Tourism ऐसे अनेक सेक्टरों का कायाकल्प करने में आपका सक्रिय योगदान हो सकता है।

मैं कभी-कभी आप लोगों से आग्रह करूंगा, आपकी general body meeting होती है क्या मिलकर के तय कर सकते हैं कि भारत के लिए जो महत्वपूर्ण tourist destination होंगे - नए, आगरा नहीं, जो known हैं नहीं, लेकिन हम साल में एक बड़ी मीटिंग हम ऐसे tourist destination वाले place पर करेंगे। उसकी हवा बनेगी, और लोग भी आएंगे, देखेंगे। Natural course में वो tourist destination develop होगा। अगर मान लीजिए देश में एक साल में 25 destination तय किए, और आपकी तीन सौ कंपनियां हैं। अगर आप वहां अपनी general body meeting शुरू करेंगे तो हर स्थान पर, मैं समझता हूं हर महीने एक दो, एक दो मीटिंग होंगी ही होंगी। मुझे बताइए वहां की economy आगे बढ़ेगी कि नहीं बढ़ेगी? वहां Infrastructure आएगा कि नहीं आएगा? यानी आप तो अपनी मीटिंग करते ही हैं, मुंबई में करते होंगे, बंगलौर में करते होंगे, चैन्नई में करते होंगे, 5 स्टार होटल में करते होंगे, लेकिन क्या कभी ऐसे destination में रह के कर सकते हैं। आप देखिए, आपका वो routine काम है लेकिन by product देश के tourism को बल मिल रहा है। यानी extra कुछ न करते हुए ये तब होगा कि देश का विजन और आपका विजन एक साथ चलता है, तब होगा। और इसलिए मैं आग्रह करूंगा कि आप ऐसी कोई नई-नई चीजें जो राष्ट्र निर्माण की जो हमारी प्रक्रियाएं हैं और मैं मानता हूं कि भारत को tourism में बहुत बढ़ावा मिलना चाहिए। कम-से-कम पूंजी निवेश से सबसे ज्यादा रोजगार देने की संभावना वाला क्षेत्र है और दुनिया के पास जो नहीं है, वो देने की, दिखाने का सामर्थ्य इस धरती में है। लेकिन हमने कभी उसको उस बात को पहुंचाया नहीं है। हम कैसे पहुंचाए।

साथियों, भविष्य के लिए हमारी तैयारी ही हमें पांचवे P की तरफ ले जाती है और वो पांचवां P है- Prepare. भारतीय PSUs को technological disruptions जैसे Artificial Intelligence, Quantum Computing, Electric Vehicles, Robotics को ध्यान में रखते हुए खुद को तैयार करना होगा।

एक अनुमान है कि 2020 तक Global Internet of Things मार्केट में भारत की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत तक होगी। ये लगभग 20 लाख करोड़ रुपए का बाजार है। अनुमान ये भी है कि Industrial Manufacturing में Internet of Things की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत की होगी। क्या भारतीय PSUs इसे ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति बना रहे हैं? क्या आप Data Analysis कर रहे हैं?

साथियों, आपके इन प्रयासों में digitization, analytics, e-mobility और block-chain जैसी नई टेक्नॉलॉजी आपकी मदद करने वाली है। ये तकनीक नए बिजनेस में आपके लिए अवसर पैदा कर सकती है।

आज की तारीख में financial market में जो नए innovations हो रहे हैं, निवेश के लिए जो एक बड़ा कैपिटल पूल आज उपलब्ध है, इसका भी लाभ उठाया जा सकता है।

साथियों, जब आप देश की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के साथ ताल से ताल मिलाकर चलते हैं तो बेहतर परिणाम मिलना सुनिश्चित हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे देश के PSUs में न्यू इंडिया का Change Agent बनने की पूरी क्षमता है।

आज यहां इस अवसर पर मैं आपके सामने 5 सवालों के तौर पर 5 Challenge रखना चाहता हूँ। आपने यहां जो रखी हैं उससे बाहर कुछ नहीं कहूंगा। जो आपने कहा है उसी में से मैं अपने तरीके से पेश करना चाहूंगा। और मुझे विश्वास है कि आप इन चीजों को कर पाएंगे। ये 5 Challenge New India में आपके role को redefine करेंगे। मैं बहुत बारीकियों में नहीं जाऊंगा लेकिन इन सवालों के माध्यम से एक मोटा-मोटा खाका आपके सामने रख रहा हूँ।

मेरा पहला सवाल : 2022, आजादी के 75 साल होंगे। 2022 तक भारतीय PSUs अपनी Geo-Strategic Reach ज्यादा से ज्यादा बढ़ा पाएंगे क्या? और बढ़ा पाएंगे तो कैसे बढ़ाएंगे।

मेरा दूसरा सवाल: 2022 तक भारतीय PSUs देश का Import Bill कम करने में कैसे मदद करेंगे? आपको लगता होगा कि ये काम किसका है। मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूँ। मैं हरियाणा के किसान के यहां खेत में गया था। 30 साल पहले की बात करता हूँ, 25 साल पहले की। छोटा सा उसका खेत था बड़ा आग्रह करता था मुझे, आईए-आईए मैंने कुछ नया किया है। 30-35 साल की आयु थी लेकिन बड़ा जज्बा था। उसने तय किया कि दिल्ली के 5 स्टार होटल में जो विशिष्ट प्रकार की सब्जियां import होती हैं, छोटा corn होता है, छोटा टमाटर आता है। उसने तय किया कि मैं दिल्ली में ये agriculture sector का import बंद कराके रहूंगा। और उसने अपने छोटे से खेत में control environment में उन चीजों का उत्पादन किया और उसने दिल्ली के 5 स्टार होटलों को सप्लाई करना शुरू किया और खुशी की बात है कि तीन साल के भीतर-भीतर उसने उस import को बंद करवा दिया था। एक किसान का बेटा मन में ठान ले क्या कर सकता है इतने बड़े PSUs एक आत्मनिर्भर स्वाभिमानी अपने पैरों पर खड़ा हुआ हिन्दुस्तान देश को यहां तक पहुंचाने में आपका योगदान रहा है। अब वक्त है Global Economy में हमने अपने आपको ताकत बनाने के लिए इस एक पहलू पर बल देने की आवश्यकता है। और इसलिए मैं कहूंगा कि आपने अपने Presentation में इस बात का उल्लेख किया है। लेकिन मैं इसको बल देना चाहता हूँ। कि हम ऐसी कौन सी चीजें लाएं, हम ऐसी कौन सी alternate technology दें, हम ऐसी कौन सी equipment दें कि जिसके कारण मेरे देश का import भी कम करने में मेरी सक्रिय भूमिका हो।

मेरा तीसरा सवाल: 2022 तक भारतीय PSUs कैसे आपस में, क्योंकि ये बहुत बड़ी बात है, आपस में Innovation और Research का integration करेंगे? आज हम अपनी-अपनी जगह पर हैं, अलग-अलग काम कर रहे हैं। उसके कारण हमारा human resource भी waste जा रहा है। किसी ने एक काम किया है दूसरा वही काम zero से शुरू करता है। अगर ये हमारा co-ordination होगा तो आप कल्पना कर सकते हैं एक साथ कितना बड़ा jump लगा सकते हैं और इसलिए मैंने integration की बात कही है।

मेरा चौथा सवाल: New India के ड्रीम के अनुसार देश का जो फोकस है, देश को हम जिन समस्याओं से मुक्त करना चाहते हैं, क्या हमारा CSR Fund का utilisation उस आधार पर हो, उसका roadmap क्या होगा? और हम collectively इसको कैसे करें। जैसे आपने दो प्रयोग बताए कि टायलेट में हम जुड़ गए, हमने इतना बड़ा contribution कर दिया और एक बदलाव दिखा देश में। और इसलिए आवश्यक है कि हम एक चीज पकड़ें और उसी को पार करने के लिए कर सकते हैं क्या?

और मेरा पाँचवाँ सवाल: 2022 तक भारतीय PSUs, देश को development के कौन से नए model देंगे? वो कौन-सा नया model हम दें पाएंगे। हम घिसी-पिटी व्यवस्था को चलाएंगे कि कुछ नया लेकर कर आएंगे।

मैं ये Challenge सवालों के माध्यम से इसलिए रख रहा हूँ क्योंकि निर्णय आपको करना है, नीति आपको बनानी है, रणनीति आपको तय करनी है और उस रणनीति को लागू भी आप ही को करना है। राष्ट्र निर्माण के बड़े लक्ष्य के साथ जब आप अपने-अपने संस्थानों की बोर्ड मीटिंग्स में इन सवालों पर

मंथन करेंगे, तो नए रास्ते खुलेंगे, नई दिशा मिलेगी।

साथियों, New World Order में भारत की Geo-Strategic Reach बढ़ाने में आपका योगदान बढ़ना आवश्यक है। आज opportunity है आप भी दुनिया में जाते हैं, दुनिया को लोगों से मिलते हैं। ऐसा अवसर पहले बहुत कम आए होंगे। इस अवसर को हम जाने न दें। और आवश्यक है कि इससे भी आप भली-भांति परिचित हैं कि कैसे कुछ देशों ने अपने PSU's का इस्तेमाल दूसरे देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए किया है।

ये भी एक तथ्य है कि दुनिया की 500 बड़ी कंपनियों में से एक चौथाई, किसी न किसी देश की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां ही हैं। ये कंपनियां, अपने-अपने देशों में निवेश का भी बड़ा माध्यम बनती हैं। इसलिए आपके संस्थान, अपना विस्तार ज्यादा से ज्यादा कैसे बढ़ाएं, इस पर भी निरंतर सोचना होगा। जैसे आज के दौर में Government to Government Contact बढ़ रहे हैं, आपके लिए बेहतरीन अवसर है PSU to PSU contact बढ़ाने का।

आज भारत के PSU's ब्राजील से लेकर मोजाम्बीक, रूस से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक में अपना परचम लहरा रहे हैं। लेकिन अब समय की ये भी मांग ये भी है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां overseas investment के लिए और comprehensive strategy बनाकर काम करें। Strategy बनाते समय आपको ये भी ध्यान रखना होगा कि आपकी कंपनी का Return on Investment भी ज्यादा हो और ये देश की Geo-Strategic Reach को भी बढ़ाना वाला हो।

इस सरकार के आने के बाद दूसरे देशों के प्रमुख शहरों के साथ दर्जनों MoU's पर sign किया गया है। अनेक Sister Cities पर काम हो रहा है। क्या हमारे PSUs उन शहरों की Industry Bodies के साथ, वहां की संस्थाओं के साथ systematic और planned तरीके से Make In India को प्रमोट नहीं कर सकते?

होता क्या है। एक स्टेट दूसरी स्टेट के साथ दुनिया में कई sister state बन जाती है एक city दूसरी city के साथ sister city बन जाते हैं लेकिन बाकी हमारी ईकाइयां हैं उसने भी वहीं पर जाकर के जुड़ना चाहिए। और अधिकतम pillar wise इस दोस्ती को खड़ा करना चाहिए, वो छोड़ देते हैं। एक MoU हो गया, government governable जाना है, तो फंक्शन कर लेगा बस छुट्टी जी नहीं, हमने इसको maximum ऐसे 50-100 कितने areas हैं जहां वो शहर के साथ हम जुड़ जाते हैं। और इसलिए मैं आग्रह करूंगा कि इसलिए नये strategic view जरूरत है। इसी तरह हम सभी के सामने एक बड़ा challenge है import bill को लेकर। कई ऐसे Products हैं, जो अभी हम Import करते हैं लेकिन इस Import को कम किया जा सकता है। कुछ सेक्टरों में सरकार Import bill कम करने में सफल हुई है लेकिन अभी करने के लिए बहुत कुछ बाकी है। ऐसे में आप के लिए इस क्षेत्र में भी बहुत बड़ा अवसर है। और ये कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। सिर्फ आपको प्रयास करना है। आप देखिए बदलाव आ जाएगा।

आपकी तरफ से एक समय सीमा तय करके, इस ओर कार्य किया जा सकता है कि आने वाले दो-तीन वर्षों में किस Product का Import, दस-पंद्रह-बीस प्रतिशत, जितना आपको उचित लगे, उतना कम करेंगे।

- यदि हम Price Competitive हों और Quality Sensitive हों, और ऐसे Products पर फोकस करें जिनके आयात की बाध्यता है और जिन्हें हम नए innovations के जरिए Replace कर सकते हैं, तो import bill में महत्वपूर्ण कमी आ सकती है।

- साथियों, मैं आपको Defence सेक्टर का उदाहरण देना चाहता हूँ। पिछले 60-70 वर्षों से भारत दुनिया के सबसे बड़े arms import करने वाले देशों में से एक रहा है। इतिहास में क्या नीतियां रहीं, मैं इस पर नहीं जाना चाहता। तब तो कोई ये सोच भी नहीं सकता था कि भारत में कोई सरकार रक्षा क्षेत्र में भी Foreign Direct Investment के लिए रास्ते खोल सकती है।
- मैं मानता हूँ कि हमारे जो Defense Sector के PSUs हैं, उन्हें आज के इस समय को एक बड़े अवसर के रूप में लेना चाहिए। हमारे PSUs जितना ज्यादा Technology Transfer पर जोर देंगे, Joint Ventures की तरफ जाएंगे, उतना ही Make in India मजबूत होगा और देश का Defense सेक्टर भी आत्मनिर्भर बनेगा।
- आज भारत तेजस जैसे लड़ाकू विमान बना रहा है, वर्ल्ड क्लास सबमरीन बना रहा है, Warships बना रहा है। हम तकनीकी रूप से सक्षम भी हैं और समर्थ भी। ऐसे में घरेलू जरूरतों के साथ ही विदेशी बाजार पर भी हमें नजर रखनी होगी।

एक और महत्वपूर्ण पहलू है, Innovation और Research का integration.

- हमारे वैज्ञानिक संस्थानों जैसे Council of Scientific and Industrial Research, Indian Council of Medical Research, Indian Council of Agricultural Research में देश का Best R and D Infrastructure है। CPSEs के पास भी अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित रिसर्च का आधुनिक Infrastructure है।
- आपने कई तकनीकें और Innovative Products भी विकसित किए हैं। लेकिन अक्सर ये भी देखा जाता है कि विभिन्न एजेंसियों की laboratories में जो innovation हो रहा है, वो वहीं तक सीमित हो कर रह जाता है। इस स्थिति को बदलकर 2022 तक कैसे Innovation और Research का एक integrated infrastructure आप तैयार कर सकते हैं, उस बारे में भी सोचे जाने की मैं समझता हूँ समय की मांग है।
- जब CPSEs और Government Departments के बीच information sharing बढ़ेगी, नई रिसर्च और innovation की जानकारी एक दूसरे को बेहतर तरीके से दी जाएगी, तो रिसर्च की लागत तो कम होगी ही, सिस्टम भी और efficient बनेगा। ये sharing, सिर्फ infrastructure ही नहीं, बल्कि Skill pool, Modern equipments का इस्तेमाल, technologies, हर स्तर पर हो सकती है।

साथियों, बीते कुछ सालों में पब्लिक सेक्टर ने अपनी Balance Sheet के हिसाब से काफी बेहतर काम किया है। पिछले साल CPSEs का नेट Profit सवा लाख करोड़ से ज्यादा रहा। इसका 2 प्रतिशत यानी लगभग 2500 करोड़ रुपए CSR यानी Corporate Social Responsibility के तौर पर खर्च हो सकता है।

- इस राशि का देश की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए कैसे उचित उपयोग हो, इसके बारे में सोचना होगा। आपको याद होगा 2014-15 में, और जो अभी हमें फिल्म में भी बताया है। आपने स्कूलों में शौचालय बनाने के लिए CSR Fund डोनेट किया था, जिसके परिणाम आज सबके सामने हैं। मेरा सुझाव है कि जैसे 2014 में स्कूल शौचालयों के निर्माण को चुना गया ऐसी ही एक थीम हर साल चुनी जाए और CSR का एक बड़ा अंश सिर्फ उसी एक काम में लगाया जाए।
- आपकी जानकारी में होगा कि नीति आयोग ने देश के 115 district जो देश development में बाकी मानकों में पहुंच नहीं पाए हैं। ऐसी जिलों की पहचान क्या है, और उसको मैंने Aspirational Districts के रूप से पहचानना तय किया है। Backward district day, Aspirational Districts क्या इन जिलों का विकास आप लोगों के लिए इस वर्ष की थीम हो सकता है क्या?

- आपके संस्थान अपनी Corporate Social Responsibility को निभाते हुए Skill Development के कार्यों को भी हाथ में ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों-कॉलेजों के साथ जुड़कर, ITI's के साथ काम करके आप अपने संस्थाओं को Skill Development के बड़े अभियान से भी जोड़ सकते हैं।
- इसके अलावा नेशनल अप्रेंटिसशिप स्कीम को जितना ज्यादा आपसे समर्थन मिलेगा, उतना ही देश के जवानों का फायदा होगा। और मैं चाहूंगा कि आप जाकर करके तुरंत भारत सरकार की योजना का अध्ययन करवाइए, टीम बनाइए और उसको implement करने की दिशा में कुछ कदम उठाइए। आपके संस्थानों जैसे साधन और संसाधन मिलने पर, युवा भी दोगुने जोश से सीखने के लिए आगे आएंगे। इसके अलावा ये आपके लिए Talent Pool का भी काम करेंगे।
- इसके लिए आपको ज्यादा से ज्यादा Incubators और Tinkering labs बनाने होंगे, ताकि कम उम्र में ही Innovative Ideas हम तक पहुंच सकें और उनका उपयोग किया जा सके। Youth की शक्ति को Tap करने की आवश्यकता है, कई बार Youth हमें ऐसे Solutions दे जाते हैं जो हमारा मौजूदा सिस्टम नहीं दे पाता।

साथियों, आपके अनुभवी और संसाधन से भरपूर संस्थान देश को विकास के नए मॉडल भी दे सकते हैं। देश के दूर-दराज वाले इलाकों में भी मौजूद आपके संस्थान, ऊर्जा के वो केंद्र बन सकते हैं जो अपने आसपास के पूरे क्षेत्र को प्रकाशमय कर सकते हैं।

- आप सभी ठान लें तो देश को अगले एक डेढ़ साल में सैकड़ों नए मॉडल smart - cities मिल सकते हैं।
- Paperless Work-Culture, Cashless Transactions, Waste management, ऐसे कितने ही विषय हैं जहां आपकी संस्थाएं रोल मॉडल की तरह काम कर सकती हैं।
- आपके पास Reach है, Resources हैं, इन तमाम प्रयासों के लिए R&D कीजिए और Result लाकर के दिखाइए। ये समाज और देश की बहुत बड़ी सेवा होगी।

और मेरा आग्रह है कि ज्यादा से ज्यादा Efficiency पर फोकस हो, Corporate Governance पर जोर हो और Resources का सही उपयोग किया जाए।

साथियों, अपने संसाधन और सामर्थ्य पर भरोसा किए बिना न ही कोई व्यक्ति आगे बढ़ सकता है, न ही कोई संस्था और न ही कोई देश। भारत में न संसाधनों की कमी है न ही भारत में सामर्थ्य की कमी है। हम में इच्छाशक्ति और खुद पर भरोसा भी। पिछले चार साल में आपने देखा होगा एक बार भी सरकार की तरफ आपको ये स्वर नहीं सुनाई होगा कि ये कठिनाई है, ठिगनी कठिनाई है, वगैरह, हर चुनौतियों को चुनौती देने वाले स्वभाव के व्यक्ति हैं। और मैं मानता हूं कि हम इसी देश को, हम देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। ये सरकार का मादा है जी, और इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं। देश में कोई साधन संसाधन की कमी नहीं है। आओ हम मिल बैठ कर के आगे बढ़ें।

मुझे विश्वास है कि ये Initiative जो आपने लिया है, वो आगे भी जारी रहेगा। और इस मंथन से जो Ideas निकले हैं और नए निकलेंगे उन्हें ना सिर्फ Implement किया जाएगा बल्कि Monitoring की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

मैं मानता हूं कि Energy और Experience, Enterprise और Enthusiasm के संगम से अभूतपूर्व नतीजे मिलेंगे।

मेरे लिए PSU's यानी Pragati-Seva और Urja. और उसके सेंटर में है S, सेवा सेंटर में है।

New India का सपना लेकर, नई ऊर्जा से युक्त, सेवाभाव से प्रेरित आपका कार्य, राष्ट्र को प्रगति की ओर लेकर ही जाएगा। ये मेरा विश्वास है।

भविष्य से जुड़ी आपकी नीतियां-निर्णय सफल हों, New India के संकल्प को सिद्ध करने में आपका ज्यादा से ज्यादा Participation हो, इसी कामना के साथ अपनी बात समाप्त करने से पहले मैं आग्रह करूंगा कि क्या हम सौ दिन के बाद आपमें से जो प्रमुख लोग हों उनके साथ क्या मैं बैठ सकता हूं क्या? 100 days के बाद और आज जो कहा है, आज जो सुना है, आज जो दिखाया है। उसको date wise कौन देखेगा, कैसे देखेगा, कैसे पूरा करेंगे। इसका पूरा खाका अगर मुझे आप educate करें तो मुझे अच्छा लगेगा। क्योंकि मुझे भी आपसे बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं आप लोगों के साथ कुछ ज्यादा समय बिताऊंगा तो जो सीखूंगा वो मैं सरकार में लाऊंगा। तो मैं आशा करता हूं कि ठीक 100 days के बाद जो-जो बातें आज आपने बताई हैं उसका पक्का रौडमैप लेकर के responsibility तय करके और ऐसा नहीं, भविष्य उज्ज्वल है, माहौल बहुत अच्छा है, लोग उत्साहित है, परिणाम निश्चित है, ऐसा नहीं है। सौ कदम जाना है इस दिशा में जाना है। इस तारीख तक दस कदम, इस तारीख तक बीस कदम, इसको हम यहां achieve करेंगे, ये हमारे संसाधन होंगे, हमारी टीम होगी। आप तो इस corporate word के हैं आपको तो सीखाना नहीं पड़ता है। और आप तो बहुत बड़ी फीस देकर मैनेजमेंट पढ़ने भी जाते होंगे। आपके नौजवान सारे। खैर मुझे मालूम नहीं लेकिन जाते तो होंगे और पढ़ते भी होंगे तो लागू कर पाते होंगे कि नहीं, भगवान जाने। लेकिन जो करते होंगे मुझे उसकी बारीकी में जाने की जरूरत नहीं लेकिन आज के मंथन के बाद शायद उसमें भी आप चिंतन करेंगे। लेकिन क्या हम इन चीजों का फायदा उठा सकते हैं क्या? Presentation specific थे। अब मुझे रौडमैप चाहिए, टारगेट चाहिए और सारे टारगेट measurable होने चाहिए। समंदर के वेहल जैसे नहीं होने चाहिए। वो measurable होने चाहिए। और आप देखें बदलाव तुरंत शुरू होगा।

मेरी तरफ से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी/ अभिनव/ वंदना/ हिमांशु/ममता

(रिलीज़ आईडी: 1528461) आगंतुक पटल : 122

प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री ने स्वीडन में भारतीय समुदाय को संबोधित किया

प्रविष्टि तिथि: 17 APR 2018 11:58PM by PIB Delhi

मेरे मित्र स्वीडन के सम्माननीय प्रधानमंत्री श्री लवैन,
भारतीय मूल के मेरे ऊर्जावान सभी दोस्तों,
स्वीडन-निवासी अन्य सभी मित्रगण,

Good Evening!

आप सभी भाइयों और बहनों को मेरा नमस्कार।

स्वीडन में मेरे और मेरे डेलीगेशन के स्वागत-सत्कार के लिए यहां की जनता और सरकार का, विशेष रूप से His Majesty King of Sweden और स्वीडन के प्रधानमंत्री श्रीमान लवैन का, मैं हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।

प्रधानमंत्री लवैन जी ने अभी अपने संबोधन में जो गर्मजोशी भरे शब्द कहे, उन्होंने मेरे मन को छू लिया। कल रात उन्होंने स्वयं airport आ कर मेरा स्वागत किया। इतना ही नहीं मुझे hotel तक छोड़ने भी आए।

ये सिर्फ मेरा नहीं, आप सबका, और सवा सौ करोड़ भारतीयों का भी सम्मान है। इन्हीं भावनाओं के चलते वे 2016 में Make in India कार्यक्रम में भाग लेने भारत आए थे। और पिछले वर्ष स्वीडन में उसी तरह के आयोजन में स्वयं हिस्सा लिया।

स्वीडन में बसने वाले भारतीयों के लिए उनके मन में जो स्नेह है, और भारत के प्रति उनके प्यार और passion के लिए, मैं उनका कोटि-कोटि अभिनन्दन करता हूँ।

मैं आप सब से आग्रह करता हूँ स्वीडेन के प्रधानमंत्री के लिए खड़े होकर के उनका सम्मान करें तालियों के साथ।

साथियों, अपनी Innovative Skills से, Professional Attitude से, Cultural Integration की भावना से और Indian Values के माध्यम से आपने यहां एक अलग पहचान बनाई है।

भारत के बाहर रहते हुए भी आपने जिस प्रकार भारतीयता को, भारत की आत्मा को अपने भीतर संजो कर रखा है, उसके लिए मैं आपका बहुत बहुत अभिनन्दन करता हूँ।

आप में से कोई तमिल बोलता है, कोई तेलगु। कोई कन्नड़ में बात करता है तो कोई मलयालम में। कोई बांगला में तो कोई मराठी में। भारत में करीब करीब 100 भाषाये हैं 1700 बोलियाँ हैं अगर मैं सब की सूची बोलने लगूंगा तो शायद सुबह तक मेरा भाषण ही शुरू नहीं होगा।

भाषा अलग हो सकती है, स्थितियां-परिस्थितियां अलग हो सकती हैं, लेकिन एक बात है जो हम सभी को एक सूत्र में पिरोती है। और वो बात है भारतीय होने का गर्व।

यही वो भावना है, जो हमें एक दूसरे से बांधती है, जोड़ती है, मुश्किल समय में साथ खड़े होने की प्रेरणा देती है, नयी ऊर्जा देती है, नया संकल्प देती है।

यही वो भावना है, जिसके चलते जब कहीं से भी वंदे मातरम और भारत माता की जय का उद्घोष कानों में पड़ता है, हम सब के सब उठ खड़े होते हैं।

यही वो भावना है जिसकी वजह से भारत की हर सफलता पर, Mary Kom और Saina Nehwal जैसे भारतीयों की सफलता पर हर भारतीय का सीना गर्व से फूल जाता है।

साथियों, आज देश परिवर्तन के बड़े दौर से गुजर रहा है। आज भारत में एक ऐसी सरकार है जो भारत की साख के लिए, भारत के स्वाभिमान के लिए, भारत को 21वीं सदी में नई ऊँचाई पर पहुंचाने के लिए दिन रात एक कर रही है।

चार साल पहले भारत की जनता ने हमें 'सबका साथ सबका विकास' का अभूतपूर्व मैंडेट दिया था।

पिछले चार वर्षों में हमने विकसित और समावेशी भारत के निर्माण के लिए, न्यू इंडिया के निर्माण के लिए पूरा प्रयास किया है। हमने स्वतन्त्र भारत के 75 साल होने तक, यानी सन 2022 तक, 'संकल्प से सिद्धि' का व्रत लिया है।

साथ ही हमने विश्व में भारत की समृद्ध परंपरा के लिए, और भारतीयता के लिए सम्मान बढ़ाया है। चाहे अंतराष्ट्रीय योग दिवस हो या आयुर्वेद। चाहे 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का प्राचीन भारतीय विज्ञ हो, या प्रकृति के साथ संतुलन और समन्वय का दर्शन। हमारे प्रयास और आपका सहयोग भारत को फिर से विश्व में एक 'Thought Leader' के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

साथियों, यही नहीं, अफ्रीका हो या Pacific Ocean के छोटे देश, या फिर आसियान या यूरोप या एशिया, सभी आज भारत को एक विश्वसनीय साथी, एक भरोसेमंद मित्र के रूप में देख रहे हैं।

नेपाल में भूकंप हो या श्री लंका में बाढ़ - जब संकट आता है तो मानवता भारत की ओर देखती है। यमन में युद्ध के बीच से हमने ना सिर्फ चार हज़ार से अधिक भारतीयों को, बल्कि लगभग दो हज़ार विदेशियों को भी सुरक्षित निकाला।

पिछले 4 वर्षों में हमारे द्वारा एक के बाद एक ऐसे कदम उठाए गए हैं, जिनसे भारत में दुनिया की आशा और विश्वास बढ़े हैं।

कुछ दिन पहले आपने देखा होगा कि दिल्ली में International Solar Alliance Summit का आयोजन किया गया। Green Earth के लिए भारत के इस बड़े Initiative से छोटे से समय में 60 से अधिक देश जुड़ चुके हैं।

Missile Technology Control Regime हो, Australia Group हो, या फिर Wassenaar Arrangement, इन तीनों Regimes में भारत की सदस्यता अंतराष्ट्रीय समुदाय में भारत के बढ़ते प्रभाव और स्वीकार्यता का संकेत है।

साथियों, हमारी Technological Capability का दुनिया लोहा मान रही है। भारत का Space Program दुनिया के Top 5 Exploration Programs में से एक है। भारत का Space Program उच्चतम quality का तो है ही cost effective भी है। यही वजह है कि हम दुनिया के कई ऐसे देशों की उम्मीद भी बन गए हैं जिनका अपना Space Program नहीं है। पिछले वर्ष ही हमने South Asia Satellite को Launch किया, जो हमारे पड़ोसी मित्र देशों के काम आ रहा है।

साथियों, देश के भीतर हम Technology का प्रयोग Accountability और Transparency सुनिश्चित करने के लिए कर रहे हैं।

Digital Infrastructure से अब सरकार और Citizens के बीच Engagement का तरीका बदल गया है। सरकार तक पहुंच अब Privilege नहीं बल्कि Practice हो गई है। सामान्य से सामान्य व्यक्ति भी सीधे सरकार से संवाद कर रहा है।

सरकार के काम करने के तरीकों की जो तस्वीर पहले आपके दिमाग में थी वो अब बदल चुकी है। अब सरकारी दफ्तरों में File रोककर रखने का Culture नहीं है, बल्कि जो काम सालों से अटका पड़ा है, उसे पूरा करने पर जोर है।

आज भारत में Business करना आसान हो गया है। 42 ranks की छलांग लगा कर भारत Ease of Doing Business में पहली बार Top 100 में आया है।

देश की Indirect Tax Regime में किए गए ऐतिहासिक Reform – GST को उद्योग जगत अपने जीवन का हिस्सा बना रहा है। देश के Tax Base में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है, और Businessmen जो पहले तरह-तरह के चेक-नाकों से परेशान रहते थे, अब Tension Free हो गए हैं।

Social Welfare के लिए JAM, यानि जनधन का बैंक खाता, आधार की पहचान और मोबाइल technology की व्यवस्था के बारे में आपने सुना होगा। इन तीनों को मिलाकर Direct Benefit Transfer व्यवस्था बनाई गई है।

इससे Welfare Schemes का सीधा लाभ उनको मिल रहा है जिनको मिलना चाहिए। इससे सरकार ने गरीबों के हक के ये आप को जान कर के खुशी होगी पहले जमाना था ऐसा, कभी कभी जो बेटी पैदा नहीं हुई वो विडो जो जाती थी और विडो का पेंशन निकलता था समझ गए क्या लेकिन आज स्थिति बदली है और गरीबों के हक का पैसा उनको सीधा मिल रहा है और जो ये घोटें थे इनके नाम निकल जाने से आप को जान कर के खुशी होगी इस एक मात्र योजना से लगभग 83 हजार करोड़ रूपए, यानि 12 billion dollars से भी ज्यादा, गलत हाथों में जाने से बचाए हैं।

साथियों, गरीबी हटाने की जो पहले सिर्फ बातें और नारे होते थे, अब उस Culture को भी हम पीछे छोड़ आए हैं। देश के गरीब का जीवन ऊपर उठाने के लिए Empowerment को Tool बनाया गया है।

Empowerment चाहे Society के Weaker Section का हो या फिर महिलाओं का, 'सबका साथ-सबका विकास' का मूल मंत्र सच्चाई में बदल रहा है।

उज्ज्वला योजना के अंतर्गत हम देश भर में गरीब महिलाओं को मुफ्त gas सिलेंडर दे रहे हैं। हमने 2020 तक 80 million connections का target रखा है, और 2 साल से भी कम समय में लगभग 36 million connections दे भी दिए हैं।

हमारी माताओं और बहनों को जहाँ पहले खाना पकाते हुए दिनभर में 400 सिगरेट का धुआं फूंकना पड़ता था, आज उन्हें clean cooking fuel मिल रहा है।

Cooking gas की उपलब्धता भी सुधर गई है। आपमें से कई लोग कई वर्षों पहले भारत से निकले होंगे। आपको याद होगा उस समय gas सिलेंडर तक black market में मिलता था। उसके लिए भी मिन्नतें करनी पड़ती थी। या फिर पड़ोसियों से सिलेंडर मांगने पड़ते थे। तब जा कर घर में खाना पकता था। आज ये हाल है, कि gas agency वाला आपके mobile पर कॉल करके बोलता है. “बहुत time हो गया, सिलेंडर ले आऊँ क्या?”

MUDRA जैसी Micro-finance Scheme के माध्यम से देश के कोने-कोने में Entrepreneurs को नए अवसर दिए जा रहे हैं। जिन लोगों को कोई लोन नहीं देता था, जिनके छोटे-छोटे business plans के लिए कोई financial support नहीं था, उनके लिए हमने मुद्रा योजना बनाई। और परिणाम यह है कि इस योजना से अब तक कुल मिला कर लगभग 5.3 लाख करोड़ रूपए, यानि लगभग 90 billion dollars, के 12 करोड़ (120 million) लोन दिए जा चुके हैं। ये 120 million लोन नहीं है, ये 120 million सपने हैं, जिन्हें साकार करने के लिए हमने व्यवस्था खड़ी की है। ये Job Creation का भी बड़ा ज़रिया साबित हो रहा है। इन Entrepreneurs में से 74 प्रतिशत महिलाएं हैं।

Atal Innovation Mission, Skill India और Start Up India के माध्यम से भविष्य की आर्थिक प्रगति के लिए ecosystem तैयार किया जा रहा है।

इस साल Smart India Hackathon में एक लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। और हजारों की संख्या में उन्होंने देश के सामने की चुनौतियों के बारे में अपने सुझाव दिए। मैंने भी video conference के माध्यम से देश भर की इन युवा प्रतिभाओं के साथ समय बिताया।

इस प्रकार के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए हम international partnerships भी create कर रहे हैं। आज हमने स्वीडन के साथ Innovation Partnership की है। January में Israel के साथ इनोवेशन और entrepreneurship के लिए iCreate Centre का उद्घाटन किया।

Innovation हो, Skill Development हो या फिर Entrepreneurship हो, ये सभी काम आते हैं जब देश के नागरिक का जीवन स्तर अच्छा हो।

आज सरकार का Focus Ease Of Living पर है। कुछ दिन पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर एश्योरेंस स्कीम – ‘आयुष्मान भारत’ शुरू करने का ऐलान किया गया है। और ये दुनियाँ की सबसे बड़ी स्कीम है दोस्तों इसकी बराबरी दुनियाँ में कहीं न कहीं संभव ही नहीं है और अभी इसके एक चरण को लॉन्च किया गया है।

इसके दो Components हैं। पहला देशभर में Health and Wellness centers का जाल बिछाना और दूसरा देश की 40 प्रतिशत सबसे गरीब आबादी को 5 लाख रुपए का Health Insurance Cover देना।

भाइयों-बहनों, यह सब महज़ reform नहीं है। यह transformation है। और हमारा संकल्प है कि हम भारत को ट्रांसफॉर्म करके रहेंगे।

साथियों, इस साल 2 अक्टूबर से भारत ही नहीं बल्कि विश्व महात्मा गाँधी के जन्म का 150-वाँ साल मनायेगा। हमने तय किया है कि हम इस महामानव को सच्ची श्रद्धांजलि के तौर पर भारत के ट्रांसफॉर्मेशन का महायज्ञ रचेंगे। हमारे आगे रास्ता लंबा भले हो, लेकिन हमारी राह सही है, और मंज़िल पर पहुँचाने का हमारा संकल्प अडिग है।

Friends, इस transformed India, New India के निर्माण के लिए स्वीडन के साथ अपनी मजबूत साझेदारी को भी हम बहुत अहम मानते हैं। स्वीडन ही नहीं, दूसरी Nordic Countries के साथ भी अपनी साझेदारी को हम नए स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

स्वीडन के अलावा आज मुझे डेनमार्क, नॉर्वे, आइसलैंड और फ़िनलैंड के प्रधानमंत्रियों के साथ भी विचार-विमर्श का अवसर मिला। द्विपक्षीय बातचीत के अलावा पहली बार Nordic देशों और भारत के नेताओं के बीच India-Nordic Summit अभी कुछ देर पहले संपन्न हुआ। Innovation, Skills और Technological Cooperation के लिए हमने आपसी साझेदारी को और मजबूती से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

Friends, India की Growth Story और International Standing में आपका भी बहुत बड़ा योगदान है। स्वीडन में हमारी Embassy भले ही एक है, लेकिन हमारे Ambassador एक अकेले नहीं हैं - आप सभी भारत के Ambassadors हैं।

लेकिन आज मैं यहां आप से एक आग्रह करना चाहता हूँ। आप भारत के साथ सिर्फ Emotional Connect तक सीमित न रहें। आप में से जो Innovate, Trade और Invest करना चाहते हैं उनके लिए आज उभरते हुए New India में अवसरों का भंडार है।

New India आपका इंतजार कर रहा है। और अब तो भारत और स्वीडन की direct flight भी शुरू हो गई है। तो फिर देर किस बात की?

भाइयों-बहनों, समय की कमी है, मुझे आगे के कार्यक्रम के लिए London पहुँचना है। लेकिन इतने कम समय में भी आपने मुझे अपने साथ जुड़ने का, आपसे बातचीत करने का अवसर दिया, मुझे बहुत अच्छा लगा, बहुत आनंद आया।

आप यहां आए, New India की बात बताने का मौका मुझे दिया। आपके सत्कार और आशीर्वाद के लिए एक बार फिर बहुत-बहुत आभार। मैं प्रधानमंत्री जी का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ के भारतीय समुदाय के प्रति जो उनका प्रेम है भारत के प्रति उनका प्रेम है आज रूबरू हमारे बीच आकर के उस अटूट नाते को उन्होंने प्रकट किया और इसलिए मैं प्रधानमंत्री जी का भी हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद करता हूँ।

Thank you!

अतुल कुमार तिवारी/शाहबाज़ हसीबी/सतीश शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1529611) आगंतुक पटल : 116

प्रधानमंत्री कार्यालय

देश भर के किसानों के साथ संवाद के दौरान प्रधानमंत्री का संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 20 JUN 2018 7:55PM by PIB Delhi

नमस्ते, मेरे किसान भाई-बहनों। नमस्ते-नमस्ते।

मेरे लिए खुशी की बात है कि आज मुझे देशभर के 600 जिलों के कृषि विज्ञान केंद्र, के.वी.के, एवं देश के विभिन्न गांवों में स्थित 2 लाख कॉमन सर्विस सेंटर पर जो हमारे किसान भाई-बहन मौजूद हैं, जो आज हमारे साथ जुड़े हुए हैं, उनसे उनके अनुभव जानने का, उनकी बातें सीधे-सीधे सुनने का एक दुर्लभ अवसर आज मुझे प्राप्त हुआ है।

आप समय निकाल करके आए, एक उत्सव का माहौल बना करके बैठे हैं और मैं यहां मेरे टीवी स्क्रीन पर देख रहा हूं आपके चेहरे की मुस्कान, आपका उमंग-उत्साह; मेरे लिए बहुत ही खुशी का दिवस है आज। किसान हमारे अन्नदाता हैं- वे लोगों को भोजन देते हैं, पशुओं को चारा देते हैं, सारे उद्योगों को कच्ची सामग्री देते हैं, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा श्रेय हमारे किसान भाइयों और बहनों को जाता है।

भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हो, इसके लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों ने अपना खून-पसीना एक कर दिया, लेकिन समय के साथ किसान का अपना विकास धीरे-धीरे सिकुड़ता चला गया। शुरू से ही देश के किसानों को उनके नसीब पर छोड़ दिया गया। हर सोच को बदलने के लिए एक निरंतर प्रयास की जरूरत थी, वैज्ञानिक प्रयास की जरूरत थी। प्रगतिशील किसानों को आगे ला करके किसानों के बीच में बदलते हुए युग के अनुसार बदलाव के लिए प्रयास करने की जरूरत थी, लेकिन उस काम में हमने बहुत साल विलंब कर दिया है। पिछले चार सालों में हमने जमीन के रख-रखाव से ले करके उत्तम क्वालिटी के, अच्छी क्वालिटी के बीज तैयार हों, किसानों के लिए प्राप्त हों, बिजली-पानी से ले करके बाजार उपलब्ध कराने तक एक संतुलित और व्यापक योजना के तहत कार्य करने का हमने भरसक प्रयास किया है। और हमने तय किया कि 2022 तक देश के किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य ले करके आगे बढ़ना है। किसानों को साथ ले करके आगे बढ़ना है। सरकार की पुरानी नीतियों को बदल करके आगे चलना है। जहां-जहां कठिनाई है, उन्हें दूर कर-करके आगे बढ़ना है। जहां-जहां पर रुकावटें हैं उसको खत्म करके आगे बढ़ना है।

और जब हमने किसानों की आय दोगुनी करने की बात की है तो बहुत लोग ऐसे थे जिन्होंने उसका मजाक उड़ाया- ये तो संभव नहीं है, ये तो मुश्किल है, ये कैसे हो सकता है; निराश करने का एक वातावरण बना दिया, लेकिन हमने तय किया। देश के किसान को मेरा भरोसा था। अगर हमारे देश के किसान के सामने कोई लक्ष्य रखा जाए, आवश्यक वातावरण पैदा किया जाए, बदलाव लाया जाए तो मेरे देश का किसान रिस्क लेने को तैयार है, मेहनत करने को तैयार है, परिणाम लाने को तैयार है और भूतकाल में उसने करके दिखाया है।

हमने इसे पूरा करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया और उस दिशा में आप सबको किसानों को साथ ले करके आगे बढ़ने का निरंतर प्रयास चल रहा है। इस काम को प्राप्त करने के लिए मुख्य रूप से चार बिन्दुओं पर बल दिया गया है। पहला है- किसान को जो लागत आती है, कच्चे माल की लागत आती

है; वो कम से कम कैसे हो। दूसरा- वो जब पैदा करता है, जो उपज करता है, उसका उचित मूल्य मिले। तीसरा- किसान जो पैदा करता है, जो उपज करता है उसकी बर्बादी रुक जाए, और चौथा किसानों के उपरांत आमदनी के लिए वैकल्पिक स्रोत तैयार हो।

देश के किसानों को फसलों की उचित कीमत मिले- इसके लिए इस बार के बजट में सरकार ने एक बहुत बड़ा फैसला किया है। सरकार ने तय किया कि अधिसूचित फसलों के लिए एमएसपी उनकी लागत का कम से कम डेढ़ गुना घोषित किया जाएगा। इसमें बहुत सारी चीजों का समावेश किया गया है। और मैं आपको बताता हूँ एमएसपी के लिए जो लागत जोड़ी जाएगी उसमें दूसरे श्रमिकों के परिश्रम का मूल्य जोड़ा जाएगा, मवेशी और मशीन पर जो खर्च किया जाएगा वो भी जोड़ा जाएगा, बीज और खाद का जो खर्च होगा वो भी जोड़ा जाएगा, सिंचाई का खर्च भी जोड़ा जाएगा, राज्य सरकार जो-जो रेवन्यू देते हैं वो भी जोड़ा जाएगा, वर्किंग कैपिटल पर जो ब्याज देना पड़ता है वो भी जोड़ा जाएगा, लीज ली गई जमीन के लिए दिया गया किराया भी उसमें जोड़ा जाएगा; ये सब एमएसपी में शामिल है। इतना ही नहीं, किसान जो अपनी मेहनत करता है और उसके परिवार के सदस्य जो मेहनत करते हैं, उस मेहनत का भी मूल्य निर्धारित करके लागत के अंदर उसको भी जोड़ा जाएगा; और उसके आधार पर एमएसपी तय किया जाएगा।

कृषि के लिए सरकार बजट में एक निश्चित फंड आवंटित करती है। पिछली सरकार के पांच वर्षों में कृषि के लिए बजट आवंटन एक लाख 21 हजार करोड़ रुपये का था जिसे 2014 से 19 के लिए बढ़ाकर करीब-करीब हमने इस पांच साल के लिए इसको 2 लाख 12 हजार करोड़ कर दिया। यानी करीब-करीब कृषि के लिए बजट डबल कर दिया। यह किसानों के कल्याण के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को साफ-साफ दिखाता है।

आज देश में न सिर्फ अनाज का बल्कि फल, सब्जियां और दूध का रिकॉर्ड उत्पादन हो रहा है। हमारे किसान भाइयों ने पिछले 70 साल के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। पिछले 48 महीनों में कृषि के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2017-18 में खाद्यान्न उत्पादन करीब-करीब 280 मिलियन टन से अधिक हुआ है, जबकि 2010 से 2014 तक पिछली सरकार के दरम्यान एवरेज औसत वो ढाई सौ मिलियन टन के आसपास रहा था। इसी तरह दलहन के क्षेत्र में भी औसत उत्पादन में 10.5 प्रतिशत ten point five percent एवं बागवानी के क्षेत्र में 15 प्रतिशत यानी कि fifteen percent की वृद्धि दर्ज की गई।

Blue revolution या नीली क्रांति के अंतर्गत मछली पालन के क्षेत्र में 26 प्रतिशत, twenty six percent, वृद्धि हुई है तो दूसरी ओर पशुपालन व दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में करीब 24 प्रतिशत, twenty four percent की वृद्धि हुई है। हमारा प्रयास है कि किसानों को खेती की पूरी प्रक्रिया में हर कदम पर मदद मिले यानी बुवाई से पहले और बुवाई के बाद भी और फसल कटाई के बाद भी। सीधे तौर पर कहें तो फसलों के तैयार होने से लेकर बाजार में उसकी बिक्री तक यानी बीज से लेकर बाजार तक सरकार कैसे मदद रूप हो सकती है, कैसे सुविधा बढ़ा सकती है, कैसे किसान को न्याय दिला सकती है; इसके लिए निर्णय किए जा रहे हैं, योजनाएं बनाई जा रही हैं।

किसान कल्याण के लिए एक पूरी व्यवस्था बनी रहे, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। बुवाई से पहले किसान ये जान पाए कि किस मिट्टी पर कौन सी फसल उगानी चाहिए, उसके लिए soil health card शुरू किया गया। एक बार जब ये पता चल जाए कि क्या उगाना है तो फिर किसानों को अच्छी क्वालिटी के बीज मिलें और पूंजी की समस्या से गुजरना न पड़े, इसके लिए किसान ऋण व्यवस्था की गई, किसान क्रेडिट कार्ड का दायरा बढ़ाया गया।

पहले खाद के लिए लम्बी-लम्बी कतारें हुआ करती थीं, लेकिन अब किसानों को यूरिया और अतिरिक्त खाद लेने के लिए, वो आसानी से प्राप्त हो रहा है, कालेबाजारी नहीं करनी पड़ रही है। आज किसानों के लिए 100 प्रतिशत-शत-प्रतिशत- hundred percent नीम कोटिंग वाला यूरिया देश में उपलब्ध है।

बुवाई के बाद जरूरत होती है सिंचाई की। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत आज देशभर में करीब-करीब 100 सिंचाई परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। हर खेत को पानी मिले- इस लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। किसानों को फसल में किसी भी तरह का जोखिम न हो, इसके लिए आज फसल बीमा योजना है। फसल कटाई के बाद जब किसान का उत्पाद बाजार में पहुंचता है, उसमें उसे अपनी उपज की सही कीमत मिले- इसके लिए online platform ई-नाम शुरू किया गया है, ताकि किसानों को अपनी उपज का पूरा पैसा मिल सके। और सबसे बड़ी बात कि अब बिचौलिए किसानों का प्रॉफिट हजम नहीं कर सकते, मार नहीं खा सकते, कटिंग नहीं कर सकते। आइए देखते हैं इन योजनाओं से हमारे किसान भाई-बहनों को क्या लाभ मिला, उनके जीवन में क्या बदलाव आया और उन्हीं के मुंह से सुनेंगे, उन्हीं के अपने अनुभव से सुनेंगे तो शायद और देश के किसानों को भी एक अवसर मिलेगा कि हां, अगर वहां का किसान ये कर सकता है तो मैं भी कर सकता हूं।

मेरे प्यारे भाइयो-बहनों, आज जो लोग ये पूरा संवाद देख रहे हैं उन्हें बहुत गर्व होता होगा हमारे इन किसानों पर, उनकी मेहनत पर, उनकी प्रगति पर और उनके नए प्रयोगों पर। मैं मानता हूं कि जब देश के गांव का, किसानों का उदय होगा तभी भारत का भी उदय होगा। जब हमारा किसान सशक्त होगा तभी देश सशक्त होगा।

मेरे किसान भाइयो-बहनों, मैं लगातार इस टैक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए देश के अलग-अलग लोगों से बात करता हूं। आज भी लाखों लोग लाखों किसान मेरे साथ जुड़े हुए हैं। आपकी बात सिर्फ मैं नहीं पूरा हिन्दुस्तान सुन रहा है, हर किसान सुन रहा है, आपसे वो सीख भी रहा है। सरकार में बैठे हुए लोग भी सुन रहे हैं। आपकी बातें वो भी रजिस्टर कर रहे हैं। आपके प्रयोगों की वो भी चर्चा करेंगे। इन चीजों को आगे लागू करने के लिए प्रयास करेंगे। और ये मेरा क्रम चलता रहेगा क्योंकि मेरे लिए ये कार्यक्रम एक यूनिवर्सिटी बन गया है जो मुझे हर हफ्ते कुछ न कुछ सिखाता है। देशवासियों से सिखाता है, हिन्दुस्तान के दूर-दराज के लोगों से मिलने का मौका देता है, बातचीत का मौका मिलता है। टैक्नोलॉजी के माध्यम से मैं आपसे बहुत कुछ सीख रहा हूं, समझ रहा हूं और देश के भिन्न-भिन्न भागों में क्या-क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है, उसकी सीधी जानकारी मुझे आपके माध्यम से मिल रही है।

तो मैं अगले बुधवार को फिर मिलने वाला हूं। अगले बुधवार यानी कि 27 जून को। और मैं 27 जून को हमारे गरीब लोग, हमारे निम्न-मध्यम वर्ग के लोग, हमारे मध्यम वर्ग के लोग, हमारे किसान भाई-बहन हमारे कारीगर भाई-बहन, जो सामाजिक सुरक्षा लेकर जो बीमा योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनके बारे में मैं उनसे बात करूंगा। सुरक्षा बीमा योजना से उनको क्या लाभ हुआ है, क्योंकि बहुत बड़े व्यापक तौर पर हमने काम किया है। और मुझे पूरा भरोसा है कि आप सब किसान, मेरी बहनों और भाइयो, इन योजनाओं को अपनाया ही होगा। आपने भी सुरक्षा बीमा का लाभ लिया होगा और मुझे इस बात की खुशी है कि आज मेरे सभी देश के किसानों के दर्शन करने का मुझे मौका मिला, उनके आशीर्वाद प्राप्त करने का मौका मिला, उनके परिश्रम की गाथाएं सुनने का मौका मिला, उनकी लगन, उनकी तपस्या ये आज देश को नई ऊंचाईयों पर ले जा रही हैं।

मैं फिर एक बार मेरे सभी किसान भाइयों-बहनों को नमन करता हूं। आपने समय निकाला, मुझे बहुत कुछ बातें बताईं। मैं बहुत-बहुत आपका आभारी हूं। धन्यवाद।

अतुल तिवारी / अभिनव प्रसून / निर्मल शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1538102) आगंतुक पटल : 59

प्रधानमंत्री कार्यालय

जयपुर, राजस्थान में लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री की बैठक में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूलपाठ

प्रविष्टि तिथि: 07 JUL 2018 10:31PM by PIB Delhi

भारत माता की जय

भारत माता की जय

भारत माता की जय

भारत माता की जय

जय जवान जय किसान

जय जवान जय किसान

मंच पर विराजमान राजस्थान के राज्यपाल श्रीमान कल्याण सिंह जी, यहां की जनप्रिय मुख्यमंत्री बहन वसुंधरा राजे जी, केन्द्रीय मंत्रीपरिषद में मेरे साथी करनल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, अर्जुन राम मेघवाल, सीआर चौधरी, बी.पी. चौधरी, गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान के बीजेपी के अध्यक्ष और वर्षों तक जब मैं भारतीय जनता पार्टी का संगठन का कार्य करता था, तो हमेशा श्रीमान मदन लाल सैनी सिंह जी के साथ दौरा होता था और एक संगठन की बारीकियों में काम करने वाले कार्यकर्ता आज भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में हमारा नेतृत्व कर रहे हैं। विधानसभा के स्पीकर श्रीमान कैलाश मेघवाल जी, राजस्थान सरकार में मंत्री श्रीमान गुलाब सिंह कटारिया जी और राजस्थान के कोने कोने से आये हुए सभी उत्साही मेरे प्यारे भाइयों और बहनों।

राजस्थान अपनी परंपरा के अनुरूप, अपनी संस्कृति के अनुरूप, किस प्रकार स्वागत सम्मान करता है, कैसे सत्कार और अपनापन देता है, इसकी साफ-साफ झलक मैं आज अनुभव कर रहा हूँ। राजस्थान की जमीन की क्या सच्चाई है, जन का क्या मत है, ये इस विशाल मैदान में हर किसी को दिखाई देता है। राजस्थान निरंतर ऐसे ही हम सब पर अपना स्नेह बरसाता रहा है। आपके इस आशीर्वाद के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ और इस वीरों की धरती को नमन करता हूँ।

साथियों, राजस्थान में शक्ति और भक्ति का संगम है। महाराणा प्रताप के साहस, महाराजा सूरजमल के शौर्य, भामाशाह के समर्पण, पन्ना धाय के त्याग, मीराबाई की भक्ति, हाडी रानी के बलिदान, अमृता देवी के आत्मोसर्ग की गाथाएं यहां के जन जीवन का हिस्सा हैं। गगनचुंबी किले, सुनहरे धोरे, रंग-बिरंगी पगड़ियां, मीठी बोली, सुरीले गीत

और मर्यादित रीत यही तो राजस्थान की पहचान है। प्रकृति की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से लोहा लेते हुए अन्न उत्पादन हो, या फिर राष्ट्र रक्षा की चुनौती, राजस्थान सदियों से इस देश को प्रेरणा देता रहा है।

भाइयों और बहनों, बीते चार वर्षों से राजस्थान दोगुनी शक्ति के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र और राजस्थान की सरकारें मिलकर आप सभी के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। 21 सौ करोड़ से अधिक की 13 योजनाओं का शिलान्यास करने का अवसर मिला। उदयपुर, अजमेर, कोटा, ढोलपुर, नागौर, अलवर, जोधपुर, झालावार, चित्तौड़गढ़, किशनगढ़, सुजानगढ़, बीकानेर, भीलवाड़ा, माउंट आबू, बूंदी और बीवर से जुड़े इन प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हुआ है।

ये सारे प्रोजेक्ट राजस्थान के शहरों और कस्बों में बेहतर और Smart सुविधाओं के निर्माण से जुड़े हैं। ट्रैफिक जाम से मुक्ति का समाधान हो या फिर सीवेज की बेहतर व्यवस्था, ये सारे प्रोजेक्ट्स इन सभी शहरों में जीवन को सुगम बनाने वाले हैं।

साथियों, चार वर्ष पहले की स्थिति आप भूले नहीं होंगे। और मैं राजस्थान के लोगों से आग्रह करूंगा चार साल पहले की कौन सी स्थितियाँ थीं किन परिस्थितियों में वसुंधरा जी को कारोबार संभालना पड़ा, पिछली सरकार राजस्थान में कैसे हाल छोड़कर गयी थी, उन बातों को कभी भूलना मत, तब जाकर के पता चलेगा कि आज काम कैसे हो रहा है। किस प्रकार राजस्थान में सिर्फ नेताओं के नाम के पत्थर जड़ने की होड़ मची हुई थी। बाड़मेर में अब जो रिफाइनरी बन रही है, उसके साथ क्या क्या हुआ था, ये राजस्थान का बच्चा-बच्चा जानता है। आज इस रिफाइनरी पर तेज गति से काम चल रहा है। ये इस सरकार के काम करने का तरीका है जिसमें न चीजें अटकती हैं, न लटकती हैं, न भटकती हैं। चाहे केन्द्र की सरकार हो या राज्य की भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमारा एकमात्र एजेंडा रहा है और वो है विकास, विकास और विकास। देश के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को अधिक से अधिक सरल, स्वस्थ, सुरक्षित और सुगम बनाने का काम एक के बाद एक योजनाओं के द्वारा हम करते चले जा रहे हैं। सरकार की योजनाओं का कितना लाभ आप सभी तक पहुंचा है ये जानने और समझने का और उसमें सुधार की कोशिश भी लगातार जारी है, ये हमारा प्रयास है। कुछ समय पहले आपमें से ही कुछ लाभार्थियों ने अपने जीवन में आए बदलाव के बारे में बताया है। यहां न सिर्फ केन्द्रीय योजनाएं बल्कि राज्य सरकार की योजनाओं से जुड़े लाभार्थी भी अपनी बात बता रहे थे। राजश्री योजना के तहत जिन मेधावी बेटियों को स्कूटी मिली है, पालनहार योजना के तहत जिन बच्चों को लाभ हुआ है, जिन बुजुर्गों को तीर्थ योजना का लाभ मिला है, इन सबकी आँखों में जो चमक दिखी, जो विश्वास दिखा, उसे कोई व्यक्ति भूल नहीं सकता है और मैं वसुंधरा जी को इस कल्पना के लिये बधाई देता हूँ।

ये ठीक है, एक वर्ग है जिनको भारतीय जनता पार्टी का नाम सुनते ही उनकी नींद खराब हो जाती है। मोदी का या वसुंधरा जी का नाम सुनते ही उनको बुखार चढ़ जाता है। उनको ऐसे कार्यक्रमों से नफरत होती है, लेकिन इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि जब लाभार्थियों के मुंह से राजस्थान का सामान्य नागरिक जानता है तो उसको भी पता चलता है कहाँ ये योजना है और मैं भी जाकर के इसका लाभ ले सकता हूँ या ले सकती हूँ। एक प्रकार से योजनाएं उसके कारण सिर्फ कागज़ पर अटक नहीं जाती है, वो जन-जन तक पहुंचती है। इसके कारण सरकारी मशीनरी पर एक दबाव पैदा होता है, जनता जनार्दन का दबाव पैदा होता है, लोगों में जागरूकता आती है और उसके कारण किसी क्षेत्र में अगर अफसर ढीला ढीला काम करता होगा तो उसको भी अब दौड़ना पड़ता है और इसलिये इस कार्यक्रम के द्वारा सरकार का प्रचार जितना है उससे ज्यादा लाभार्थियों में जागरूकता का बहुत बड़ा काम हुआ है और मैं चाहूंगा कि लाभार्थी बार-बार सब जगह पर बताएं ताकि और जो छूट गए हैं वो लाभ लेने के लिये आगे आएँ।

साथियों , बीते चार वर्षों में जो भी कार्यक्रम बने हैं, उनके केन्द्र में हमारा गरीब, शोषित , पीड़ित , वंचित, दलित, आदिवासी ,हमारा किसान, हमारी माताएं-बहनें वे इसके केन्द्र बिंदु में हैं। सरकार, 2022 तक जब आजादी के 75 साल होंगे, किसान की आय दोगुना करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है और इसी धरती के संतान मेरे साथी, गजेंद्र सिंह शेखावत ,कृषि विभाग को आगे बढ़ाने के लिये काम कर रहे हैं। मुझे याद है तीन साल पहले जब सॉयल हैल्थ कार्ड स्कीम को शुरू करने का अवसर आया तो इसका शुभारंभ राजस्थान के सूरजगढ़ से हुआ था। तब सरकार ने लक्ष्य रखा था कि इस समय तक 14 करोड़ सॉयल हैल्थ कार्ड बांटने का इरादा था और मुझे खुशी है ये वादा हमने पूरा किया और अब तक देश में 14 करोड़ 50 लाख से ज्यादा सॉयल हैल्थ कार्ड किसानों को दिये जा चुके हैं । राजस्थान में भी करीब-करीब 90 लाख किसानों को ये कार्ड मिले हैं। इन कार्डों की वजह से वैज्ञानिक तरीकों से खेती और आसान हुई है और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ा है। आपने देखा होगा , अनेक वर्षों के बाद देश में बम्पर क्रॉप हुआ है। साथियों ,ये भी सुखद संयोग है कि जब सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागत का डेढ़ गुना करने का अपना वादा पूरा किया है तो भी सबसे पहले मुझे सार्वजनिक कार्यक्रम राजस्थान में करने का अवसर मिला है।

इस बार जो बाजरा, ज्वार या दाल आप उगाएंगे, उसके लिये आपको लागत का डेढ़ गुना मूल्य मिलेगा। साथियों, मैं विशेषकर राजस्थान के किसानों को विस्तार से इस बारे में बताना चाहता हूँ। एक क्विंटल बाजरा की अनुमानित लागत करीब 990 रुपये होती है , अब सरकार ने एमएसपी बढ़ाकर 1950 रुपये कर दिया। पहले 990 लागत और अब 1950 रुपये मिलेगा, यानी करीब-करीब लागत का दोगुना। इसी तरह ज्वार का लागत मूल्य करीब 1620 रुपये है जिसके लिये एमएसपी अब 2430 रुपये का दिया गया है। मक्के के भी लागत प्रति क्विंटल करीब 1130 रुपया आंकी जाती है, इसके लिये भी एमएसपी अब 1700 रुपये कर दिया गया है। मूंग का लागत मूल्य भी 4650 रुपया आंका जाता है, जिसके लिये एमएसपी को बढ़ाकर करीब-करीब 7000 रुपये कर दिया

गया है। इसके अलावा चाहे तूर दाल हो, उड़द हो, सोयोबीन हो, धान हो सभी में सरकार ने लागत का डेढ़ गुना मूल्य सुनिश्चित किया है। इतना ही नहीं केन्द्र सरकार राज्य सरकारों से लगातार संवाद कर ये भी सुनिश्चित कर रही है कि फसलों की खरीदारी के लिये प्रभावी प्रबंध किये जाएं। यहां वसुंधरा जी की सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसान के पसीने की एक-एक बूंद का सम्मान हो। मुझे बताया गया है इस बार लगभग साढ़े ग्यारह हजार करोड़ की उपज सरकार खरीद चुकी है।

साथियों, सरकार बीज से लेकर बाजार तक की पूरी व्यवस्था पर काम कर रही है। किसानों के लिये भी योजनाएं इन चार वर्षों के दौरान बनी हैं। वसुंधरा जी की सरकार उनको भी पूरी क्षमता से लागू करने में जुटी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक यहां किसान भाइयों को ढाई हजार करोड़ से अधिक का क्लेम दिया जा चुका है। साथियों, गरीबी से लड़ने के लिये जो पहले के तौर तरीके थे उनसे हटकर भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने गरीब के सशक्तिकरण और विकास में उसकी भागीदारी का रास्ता अपनाया है। इसके स्पष्ट परिणाम दिखने लगे हैं। दुनिया की एक नामी संस्था की हाल ही में एक रिपोर्ट आई है इसमें कहा गया है कि भारत में बीते दो वर्षों में लगभग पांच करोड़ गरीबी के कुचक्र से बाहर निकल गए हैं। पांच करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए हैं। साथियों गरीबी से मुक्ति के मार्ग पर जो देश अग्रसर हुआ है, उसका कारण है साफ नीयत-सही विकास। आप सभी देश के सवा सौ करोड़ लोगों का सहयोग इस सरकार को मिल रहा है। आपके सहयोग का ही ये परिणाम है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत राजस्थान में लगभग 80 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है।

इस दौरान देश में जो लगभग 32 करोड़ गरीबों के बैंक में जो खाते खुले हैं उनमें से ढाई करोड़ से अधिक जनधन खाते राजस्थान में खुले हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत और पहले की योजनाओं को पूरा करके राजस्थान के 6 लाख से अधिक गरीबों को घर देने का काम भी किया गया है। सिर्फ एक रुपया महीना और 90 पैसे प्रति दिन के प्रीमियम पर राजस्थान के भी 70 लाख लोगों को सुरक्षा बीमा योजना का कवच मिला है।

साथियों, मुद्रा योजना के तहत राजस्थान के 44 लाख से अधिक उद्यमियों को स्वरोजगार के लिये बिना गारंटी कर्ज दिया गया है। इसके अलावा सिर्फ साल भर में राजस्थान के लगभग 3 लाख लोगों को सौभाग्य योजना के तहत मुफ्त में बिजली कनेक्शन दिया जा चुका है। राजस्थान में साढ़े 33 लाख से अधिक माताओं-बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिये गए हैं। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं के जीवन को बदलने का काम किया है। भाइयों और बहनों, हाल ही में इसी योजना की लाभार्थी माता-बहनों के साथ संवाद के दरमियान मुझे एक और बात का पता चला। एक बहन ने बताया कि उज्ज्वला योजना की वजह से धुएं से मुक्ति तो

मिली लेकिन साथ में पानी की भी बचत हुई। पानी की बचत इसलिये हो रही है क्योंकि अब गैस पर खाना बनाने की वजह से बर्तनों में कालिख नहीं लगती। ऐसे में राजस्थान की माताओं को तो ये दोहरा फायदा देनेवाली स्कीम है।

साथियों, मुझे एहसास है कि राजस्थान के लोगों के समय का एक बड़ा हिस्सा पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में चला जाता है। वसुंधरा जी की सरकार ने इस दिशा में भी सराहनीय प्रयास किये हैं। मुझे बताया गया है कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से गांव और शहर में मिलाकर 4 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट पूरे कर दिये गए हैं। साढ़े 12 हजार से अधिक गांव तक पीने के पानी की सुविधा पहुंचाई गई है। भाइयों-बहनों, आपकी लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी ने मुझे बताया है कि राजस्थान सरकार और भारतीय जनता पार्टी के विधायकों द्वारा एक मांग केन्द्र सरकार के सामने रखी गई है। पार्वती-काली सिंध-चम्बल लिंक परियोजना को राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के तौर पर घोषित करें। मुझे जानकारी दी गई है कि इसकी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट जल संसाधन मंत्रालय को भेजी गई है और परियोजना की तकनीकी जांच का काम चल रहा है। इस परियोजना से राजस्थान की दो लाख हैक्टेयर से ज्यादा जमीन को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं इस परियोजना से जयपुर, अलवर, भरतपुर, सवाई माधवपुर, झालावाड़, कोटा, बुंदी ऐसे 13 जिलों में रहने वाली राजस्थान की 40 प्रतिशत आबादी को पीने का पानी उपलब्ध होगा। भाइयों-बहनों, मैं आपको यह आश्वासन देना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार इस मांग के प्रति सकारात्मक रुख रखेगी। राजस्थान का विकास हो, यहां के किसान को पानी आसानी से मिले, लोगों को पीने का पानी मिले, इसके लिये पूरी संवेदनशीलता के साथ फैसला लिया जाएगा।

साथियों, गरीब को सशक्त करने के लिये सरकार स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा के क्षेत्र पर और ज्यादा फोकस कर रही है। पिछली बार जब मैं झुंझुनू आया था तो राष्ट्रीय पोषण मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया था। अब ये कार्यक्रम प्रभावी तरीके से देश भर में चल रहा है। इसके अलावा महिलाओं और शिशुओं के टीकाकरण और विशेषज्ञों के निगरानी में डिलीवरी को जो प्रोत्साहन दिया गया है उससे मातृत्व मृत्यु दर में भी बड़ी गिरावट आई है। मैं राजस्थान की माताओं-बहनों को और राजस्थान की सरकार को विशेष तौर पर बधाई देता हूं कि इस दिशा में आप जो प्रयास कर रहे हैं उसका परिणाम आज जमीन पर दिखने लगा है। निश्चित तौर पर बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ अभियान को राजस्थान बहुत ऊंचे स्तर पर ले जा रहा है। बीमारी को लेकर गरीब की चिंता को समझते हुए आयुष्मान भारत का एक बड़ा संकल्प भी लिया गया है। इसके तहत गंभीर बीमारी की स्थिति में करीब-करीब 50 करोड़ आबादी को सालाना पांच लाख तक मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया जाएगा। इस योजना पर तेजी से काम चल रहा है और बहुत जल्द इसकी शुरुआत होगी।

भाइयों और बहनों, भारतीय जनता पार्टी की सरकारों की हर योजना का लक्ष्य देश का संतुलित विकास और हर व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान का जीवन देना है। इस वक्त देश में एक अभूतपूर्व जनांदोलन चल रहा है, इसका नाम है राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान। गांव में विकास के अलग-अलग पैमानों को ध्यान में रखते हुए नई ऊर्जा के साथ काम किया जा रहा है। गांव में सभी के पास बैंक खाते हों, गैस कनेक्शन हो, घर में बिजली कनेक्शन हो, सभी का टीकाकरण हुआ हो, सभी को सुरक्षा कवच मिला हो, हर घर में एलईडी बल्ब हो, ये सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत इस साल 15 अगस्त तक राजस्थान के भी डेढ़ हजार गांवों को इन योजनाओं का सम्पूर्ण लाभ दिया जाएगा।

साथियों, सबका साथ-सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए देश के हर हिस्से को चाहे गांव हो या शहर सभी जगह विकास की रोशनी पहुंचाने का प्रयास तेज गति से चल रहा है। देश के सौ बड़े शहरों में तेज गति से स्मार्ट व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। इन सौ शहरों में हमारे जयपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर भी शामिल हैं। इन शहरों की सड़कों को, गलियां को, ट्रैफिक, बिजली-पानी और सीवर से लेकर के प्रशासन से जुड़े तमाम पहलुओं को स्मार्ट बनाने का, इसके लिये केन्द्र सरकार ने सात हजार करोड़ से अधिक की मंजूरी दे दी है। राजस्थान सरकार इन परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रही है।

साथियों, आज जो काम हो रहे हैं वो पहले भी हो सकते थे। लेकिन पहले की जो सरकारें रही उन्होंने किस नीयत से काम किया, उससे आप भलीभांति परिचित हैं। इसी नीयत का परिणाम है, कांग्रेस को आजकल कुछ लोग बेलगाड़ी बोलने लगे हैं। बेल गाड़ी नहीं, बेलगाड़ी। आखिर कांग्रेस के दिग्गज कहे जाने वाले करीब-करीब कई नेता और कई पूर्व मंत्री आजकल बेल पर यानी की जमानत पर हैं लेकिन आपने जिस भरोसे के साथ कांग्रेस की संस्कृति को नकारा और भाजपा को जनादेश दिया। उस भरोसे को दिनों-दिन मजबूत करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। हम न्यू इंडिया के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। 2022 में देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने वाले हैं लेकिन उससे पहले अगले वर्ष मार्च में ही राजस्थान के गठन को 70 वर्ष होने वाले हैं। न्यू इंडिया का निर्माण नए राजस्थान के बगैर संभव नहीं है। ऐसे में यहां के मेरे भाइयों-बहनों के लिये भी राष्ट्र निर्माण-राजस्थान निर्माण का ये सुनहरा अवसर है।

साथियों, ये वर्ष देश के लिये सर्वोच्च बलिदान देने वाले परमवीर चक्र विजेता शहीद पीरू सिंह शेखावत का भी जन्मशति वर्ष है। कुछ ही दिन बाद उनके बलिदान के 70 वर्ष भी पूरे होने वाले हैं। इस महान बलिदानी को मेरा शत-शत नमन है। हमारा राष्ट्र ऐसे ही बलिदानियों की वीरता, शौर्य और राष्ट्रभक्ति के दम पर आज दुनिया के सामने सिर उठाकर खड़ा हुआ है। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक विरोधी यहां भी बाज नहीं आए। सरकार तक तो ठीक उन्होंने सेना पर भी, उनकी क्षमता पर भी सवाल उठाने का पाप किया है। ये पहले कभी नहीं हुआ। राजस्थान के लोग, देश के लोग ऐसी राजनीति

करने वालों को कभी माफ नहीं करेंगे। साथियों, जिनको परिवार की , वंशवाद की राजनीति करनी है वो करे लेकिन देश की रक्षा और स्वाभिमान को शिखर पर ले जाने का हमारा निर्णय अटूट है और हमारी नीतियां साफ हैं। यही कारण है जो वन रैंक-वन पेंशन का मुद्दा सालों से अटका हुआ था इस सरकार में उसका भी समाधान किया गया। भाइयों और बहनों देश आज एक नये अहम मोड़ पर खड़ा है ,एक नई दिशा की तरफ हम चल पड़े हैं, कई मुश्किल लक्ष्य हासिल किया जा चुके हैं और कई अभी तय करने के इरादे से हम आगे बढ़ रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी की सक्रिय भागीदारी से अपने हर संकल्प को सिद्ध करने से सरकार को सफलता मिलेगी। आज जिन योजनाओं पर काम शुरू हुआ है उसके लिये मैं राजस्थान के लोगों को एक बार फिर बधाई देते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

मेरे साथ आप सब बोलिये

भारत माता की जय !

भारत माता की जय !

बहुत बहुत धन्यवाद।

अतुल कुमार तिवारी/ कंचन पतियाल / शौकत अली

(रिलीज़ आईडी: 1539225) आगंतुक पटल : 64

प्रधानमंत्री कार्यालय

प्रधानमंत्री के न्यू इंडिया कॉन्क्लेव में संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 16 JUL 2018 11:10PM by PIB Delhi

मंच पर उपस्थित डाल्मिया भारत ग्रुप के एमडी भाई डाल्मिया, Youth for Development के mentor मृत्युंजय सिंह जी, अध्यक्ष भाई प्रफुल निगम जी, Rural Achiever श्री चैत राम पवार जी, यहां मौजूद अन्य सभी महानुभाव और मेरे प्यारे युवा साथियों। यहां मुझे देश भर के कुछ एचिवर्स को, जो इस विशेष इनेसेटिव को सपोर्ट कर रहे हैं। उनको सम्मानित करने का अवसर मिला है। एक लाइब्ररी की शुरुआत की गई। और रूरल इंडिया को लेकर एक व्हाइट पेपर भी जारी किया गया है। मुझे खुशी है कि आप सभी देश की आवश्यकताओं को देखते हुए, उस आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए अपने कार्य की रचना कर रहे हैं। आप सभी ने अब तक जो हासिल किया है। उसके लिये मैं आपको बहुत बहुत बधाई देता हूं। और ये प्रयास सफलता के साथ निरंतर आगे बढ़े इसके लिये सरकार का सहयोग भी रहेगा और मेरी शुभकामनाएं भी रहेंगी।

साथियों इस समय हमारा देश परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण कालखंड से गुजर रहा है। पिछले चार साल में भी आपने भी महसूस किया है की कैसे देश 21वीं सदी में नई ऊंचाइयों को छूने के लिये आगे बढ़ रहा है। चार साल में देश की साख बढ़ी है, गौरव बढ़ा है और सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानियों ने विश्व पटल पर दस्तक दी है की अब इंडिया इज़ टेकऑफ।

Friends, Gone are the days, when India was considered to be among the 'Fragile Five'. Today, we are the fastest growing economy in the world. Powered by the Hundred and Twenty Five Crore people of India, we will grow even faster. As per an international report, poverty is declining in India at a record pace. 5 crore people have moved out of poverty in the last two years according to the report. Who do you think is making this possible? It is the people of India. The Government can only play the role of an enabler. It is the youth, who are not only making use of available opportunities but also creating new ones themselves. This is not the India of "चलता है" attitude. अब चला गया। This is our new India.

साथियों न्यू इंडिया का सरोकार सवा सौ करोड़ भारतवासी हैं, लेकिन उसका आधार यंग इंडिया है। युवाओं की युवा शक्ति है, जो पुरानी व्यवस्थाओं को उसकी कार्यप्रणाली को, पुराने तौर तरीकों को पुरानी सोच से उस बोझ से मुक्त है। ये वो नौजवान वर्ग है, जिसने व्यवस्थाओं को बदलने के लिये प्रेरित किया है। युवाओं का यही समूह आज उभरते भारत की पहचान बन रहा है। कुछ लोग परिवर्तन के लिये मौसम बदलने का इंतज़ार करते हैं। कुछ लोग परिवर्तन का संकल्प करके मौसम बदल दिया करते हैं। आप इंतज़ार करने वाले नहीं, मौसम बदलने वाले नौजवान हैं। क्योंकि आपके पास बदलाव लाने वाला मन है मिशन है, कुछ कर गुजरने के लिये मौसम नहीं मन चाहिए, इच्छा शक्ति चाहिए। आज देश में इसी अद्भुत इच्छा शक्ति के साथ युवा राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटे हुए हैं।

Friends, Today's India is doing nothing small. Just like the aspirations and power of the youth, India is doing big, transformative things. More than 3 crores children have been vaccinated thus boosting the health of India's future. This is a big number. Who's at the lead of this? Young doctors, nurses, support staff and volunteers. India built 1.75 lakh kilometres of rural roads in the last 4 years. Who built them? Young labourers and workers. India made electricity reach

every single village in the last 4 years. Eighteen thousand villages were electrified and this target was completed on time. Now, we are electrifying every home. Eighty Five lakh homes have been electrified since October 2017. Who brightened the homes of their fellow citizens? Young Electricians and Technicians. Who made 4 crore and 65 lakhs gas connections reach the poor? Yet again, India's youth. And, they did this not for themselves but out of care and concern towards poor women, many of whom live in rural areas. More than one crore homes have been built for the poor in the last 4 years. Who did it? It was young engineers, masons and labourers who made this possible. These numbers are mostly only in crores! They are big numbers. Why are these big numbers possible? Because of another big number the 800 million people of India under the age of 35.

जिस देश में इतनी अपार युवा शक्ति हो, और उससे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है। और इसलिये मैं मानता हूँ कि आपने इस कार्यक्रम की बहुत सटीक टैगलाईन चुनी है। और आपने कहा है अब हमारी बारी है। और हमारी मतलब एक नागरिक की भी है और हिन्दुस्तान की भी। साथियों एक जमाना था, जब शासन सिर्फ राज परिवारों का रहता था। सदियों पहले ऐसा था। स्वतंत्रता के बाद, आजादी के बाद बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान दिया उसके बाद, लोकतंत्र के बाद नये तरह के राज परिवार पैदा हुए। स्वतंत्रता के बाद राजनीति में भी तीन तीन पीढ़ियों तक राज चल रहा था। शासन कुछ परिवारों के ही नियंत्रण में रहा। लेकिन आज स्थितियां बदल चुकी हैं और ये आपने बदला है देशवासियों ने बदला है। आप देखिये राष्ट्रपति जी, उप राष्ट्रपति जी और मैं खुद, छोटे से स्थान से आते हैं। ना हमारे पुरखों में कोई कुछ था। आप ही के जैसे परिवार से आए हैं। लोकतांत्रिक तरीके से चुन कर के आए हैं। और ये बताता है कि किस तरीके से देश का जनमन बदला है। और ये बात सिर्फ तीनों पदों पर ही लागू नहीं होती। आप अलग – अलग राज्य मुख्यमंत्रियों को भी देखिए। योगी आदित्यनाथ जी, त्रिपुरा के विप्लवदेव, उत्तराखंड के त्रिवेन्द्र सिंह रावत, मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान, बिहार के हमारे नितीश जी, हरियाणा के मनहोर लाल जी, झारखंड के रघुवर दास जी, ये सारे लोग बहुत ही सामान्य परिवारों से निकलकर के इन पदों में जनता जनार्दन ने उनको पहुंचाया है। उन्होंने बहुत ही सामान्य जीवन जिया है और इसलिए आज भी ये हर गरीब के प्रति, उसकी समस्याओं के प्रति ज्यादा संवेदनशील रहती है। इन्होंने अपना जीवन नौजवानों के बीच काम करते हुए, उनकी आशा, अपेक्षाओं के अनुरूप काम करते हुए खपाया है। वो पक करके आए हैं वो समझते हैं कि न्यू इंडिया का नौजवान क्या चाहता है।

मेरे नौजवान साथियों क्या ये बदलाव नहीं है और ये हमारे देश के लोकतंत्र के लिये मैं समझता हूँ बहुत बड़ी सकारात्मक पूंजी है एक बहुत बड़ा सकारात्मक संकेत है कि अब इस तरह का वातावरण राजनीति नहीं बल्कि हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों के आईएसएस, आईपीएस बनने वाले नौजवान प्रशासन की सेवा में आने वाले नौजवानों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। छोटे शहरों के लोगों के बड़े सपने भी, अब पूरे होने हैं। ये बदलाव ही तो है, जो न्यू इंडिया की पहचान बन रहा है। आज आप खेलकूद का क्षेत्र देख लीजिए, 10th और 12th के टॉपर देख लीजिये, अब बड़े शहर बड़े स्कूल के नहीं होते। छोटे गांव के छोटे शहर, छोटे स्कूल के सरकारी स्कूल के बच्चे दसवीं बारहवीं के टॉपर होते हैं। स्पोर्ट्स देख लीजिये बड़े बड़े शहर, बड़े बड़े गांवों से नहीं छोटे छोटे गांव से निकले। ये बदलाव है।

Friends, A few days ago, an 18-year-old from the rice fields of Assam captured the attention of the entire world. I am talking about Hima Das. In her run, you can see the grit and power just shine through. In fact, there are such youngsters bringing home medals and records. They represent New India. They overcame steep odds, showed great determination and achieved great heights. We are a top sporting power in badminton, doing well in shooting, weight-lifting

and many more sports. Those bringing home the medals are from smaller towns. They belong to simple middle class or neo-middle class families. Young India feels "Anything is possible! Everything is achievable." This spirit will drive India's growth.

आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का जो कद बढ़ा है, प्रतिष्ठा फिर से स्थापित हुई है। उसने युवाओं में एक नया आत्मविश्वास पैदा हुआ है। अवसरों की समानता है। पारदर्शिता, प्रतिभा की पहचान, और सम्मान का ही ये नतीजा ये परिणाम है। नई अपरोच के साथ स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, खेलो इंडिया, डिजिटल इंडिया ऐसे अनेक प्रयासों से न्यू इंडिया की बुनियाद बहुत मजबूती की फाउंडेशन के साथ तैयार हो रही है। अब Silos को खत्म करके सोल्युशन पर बल दिया जा रहा है। देश की क्या आवश्यकताएं हैं उन्हें समझते हुए, उनके हिसाब से योजनाएं बनाई जा रही हैं। नौजवानों की, उद्यमियों की, महिलाओं की, किसानों की, मध्यम वर्ग की, छोटी छोटी परेशानियों को दूर करने के लिये उनके जीवन को आसान बनाने का काम किया जा रहा है।

Friends, India needs great road infrastructure भारतमाला is building thousands of kilometres of roads for it. India needs port-led development सागरमाला is helping build infrastructure for it. India needs to go digital in public service delivery JAM trinity got us there. India needs a clean economy increased digital payments and innovations like BHIM App are taking us there. India needs a unified / and simplified tax structure GST is for that. India needs to unlock the power of air travel UDAN is to get even the poor to fly. India needs more skilled manpower Skill India is for that. India needs villages connected with i-ways we have laid 2.7 lakh km of optical fiber network connecting more than a lakh gram panchayats. India needs more entrepreneurs Mudra and Standup India are for that. India needs affordable healthcare आयुष्मान भारत is for that. India needs its startup generation to prosper today you can register a startup very quickly. There is a level playing field in public procurement for startups too! We are future-proofing India in every way, enabling New India to take off.

साथियों Ideas और Innovations हमेशा भारत के सामान्य जीवन का हिस्सा रही है, लेकिन युवाओं की इन शक्ति का राष्ट्र निर्माण में अधिक से अधिक उपयोग हो, इसके लिये उपयुक्त वातावरण अब तैयार किया जा रहा है। देश के नौजवानों की आकांक्षाएं और असीम क्षमताओं को ही सरकार इनोवेशन और रीसर्च को बढ़ावा दे रही है। स्कूल में ही इनोवेशन का माहौल बने इसके लिये, अटल इनोवेशन मिशन शुरू किया गया है, देश के स्कूलों में कॉलेजों में इनोवेशन का इको सिस्टम बनाने पर जोर लगाया जा रहा है। छात्रों में साइंटिफिक टैप बढ़ाने और उनकी क्रियेटिविटी को सही प्लेटफॉर्म देने के लिये देश भर में 2400 से ज्यादा अटल डिजिटली लैब को स्वीकृति दी। यहां छात्रों को भविष्य की जो टेक्नॉलॉजी से परिचित कराया जा रहा है। Innovative आईडिया को आगे लाने के लिये Smart India Hackathon जैसे कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के नौजवानों को देश की समस्याओं को सुलझाने के कार्य से सीधा जोड़ा गया है। इसी रास्ते पर चलते हुए युवा स्टार्ट अप की दुनिया में कदम रखेगा।

हमने देखा है कि काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की कार्रवाई और जीएसटी की मांग किस तरह रिकॉर्ड संख्या में लोग टेस्ट देने के लिये आगे आ रहे हैं। ये बदले हुए वातावरण का प्रमाण है। मुझे याद है जब डीजिटल पैमेंट की बात शुरू हुई थी, तो किस तरह बड़े बड़े दिग्गजों ने कहा था कि भारत जैसा गरीब देश डीजिटल पैमेंट में आगे नहीं बढ़ सकता। लेकिन आज डीजिटल पेमेंट की प्रगति देखिये ये युवा ही तो हैं जिनकी वजह से आज देश के हर गांव में डीजिटल पेमेंट की व्यवस्था पहुंच गई है। लोक डीजिटल पेमेंट करने लगे हैं।

Friends, when development is our only aim, we remain sensitive to people's concerns and aspirations. When we are receptive to people, it reflects in policies becoming simpler. When we remove red-tape and make policies easier, we bring more FDI. When we bring more FDI, we create more industries in India. When we create more industries, we create more employment opportunities. When we create more employment opportunities, we empower the youth to improve his future. When the future of every citizen improves, the future of India and stature of India in the world improves!

साथियों हमारे पास आज एक उत्तम अवसर है हम उस पीढ़ी के हैं, जिनको देश की आजादी के लिये मरने मिटने का सौभाग्य नहीं मिला था लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिये जीने का और देश के लिये कुछ करने का मौका हमें जरूर मिला है। इतिहास साक्षी है, कि स्वतंत्रता के आंदोलन में भी, नौजवानों ने भी आगे बढ़कर कमान संभाली है। युवा जोश और हौसले ने आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आज न्यु इंडिया के लिये वही भूमिका आप सब भी निभाने वाले हैं। आपको मिलकर एक ऐसे न्यु इंडिया का निर्माण करना है कि जिसका सपना हमारे स्वतंत्र सैनानियों ने देखा था। देश के लिये खुद को खपा देने वालों ने देखा था।

Friends, New India is that land, Where you make your name, your name does not make you. Where your ideas matter, not your influence. Where opportunities beckon instead of obstacles. Where a billion aspirations, find free flowing expression. Where the journey to progress is powered by one and all, instead of a select few. It is the place, where processes drive progress, instead of people influencing processes. Where the Government belongs to everyone, instead of everything belonging to the Government.

Where the power of hope prevails over mindless hate.

Where 125 crore Indians write their own destiny instead of being left to their own fate. This is our New India!

साथियों, आप भारत का वर्तमान और भविष्य हैं। भारत को आपकी साझेदारी चाहिए, सिर्फ सुनने वाले नहीं, हमें सुझाव देने वाले, हमारे साथ कंधे से कंधा मिलकर काम करने वाले, युवा चाहिए।

आप सफल होंगे तो देश सफल होगा। आपके संकल्प सिद्ध होंगे तो देश के संकल्प सिद्ध होंगे। एक बार फिर इस शानदार Initiative के लिए, Youth for Development की पूरी टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और जिन लोगों ने आज सम्मान प्राप्त किया है मैं उनका विशेष रूप से अभिनन्दन करता हूं। क्योंकि उनके हर काम उनके हर प्रयास की चर्चा होगी। उनका कार्य अपने आप में औरों के लिये प्रेरणा बन जाएगा। और मैं मानता हूं शब्द से ज्यादा कृति की ताकत होती है। और आप वो लोग हैं आप वो कर्मयोगी हैं जिन्होंने दूरसुदूर किसी बस्ती में, किसी गांव में अपने सपनों को साकार करने के लिये अपने आपको खपा दिया है, एक काम हाथ में लिया उसको पूरा करके दिखाया है। और उसी का नतीजा है कि आज आप संतोष की अनुभूति कर रहे हैं। और स्वांतः सुखाए, जिस काम को स्वांतः सुखाए करते हैं। उसकी प्रेरणा अध्यात्मिक ताकत से भी अनेक गुना ज्यादा होती है। मैं इस स्थिति को प्राप्त करने वाले उन सभी नौजवानों को हृदय पूर्वक बहुत बहुत बधाई देता हूं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

एकेटी/बीजे/एसए

(रिलीज़ आईडी: 1538831) आगतुक पटल : 288

प्रधानमंत्री कार्यालय

24 जुलाई, 2018 को युगांडा में भारतीय सामुदायिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 24 JUL 2018 12:05PM by PIB Delhi

His Excellency President Museveni, उनकी धर्म पत्नी Janet Museveni जी और भारी संख्या में पधारे हुए मेरे प्यारे भाईयों और बहनों।

मेरा आप सबसे आत्मीयता का रिश्ता है, अपनेपन का रिश्ता है। मैं आप ही के परिवार का एक हिस्सा हूँ। इस विशाल परिवार का एक सदस्य हूँ और इस नाते मेरा आपसे मिल करके मेरी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। हमारे इस मेल-मिलाप को और गरिमा देने के लिए आज स्वयं माननीय राष्ट्रपति जी यहाँ उपस्थित हैं। उनकी यहां उपस्थिति सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानियों और युगांडा में रहने वाले हजारों भारतीयों के प्रति उनके आपार स्नेह का प्रतीक है। और इसलिए मैं राष्ट्रपति जी का हृदय से अभिनंदन करता हूँ, आज यहां मैं आप सभी के बीच आया हूँ तो कल युगांडा की पार्लियामेंट को सम्बोधित करने का अवसर मुझे मिलने वाला है। और दो दिन पहले दिल्ली के पार्लियामेंट में विस्तार से आपने भाषण सुना था, आप लोगों ने भी सुना था, पूरा युगांडा सुन रहा था। मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

मेरे प्यारे भाईयों-बहनों पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री को युगांडा की पार्लियामेंट को सम्बोधित करने का अवसर मिलेगा। इस सम्मान के लिए मैं राष्ट्रपति जी का और युगांडा की जनता का सवा सौ करोड़ हिन्दुस्तानियों की तरफ से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। साथियों युगांडा में आना और आप सभी सज्जनों से मिलना और बातचीत करना किसी भी हिन्दुस्तानी के लिए यह आनंद का विषय रहा है, खुशी का विषय रहा है। आपका उत्साह, आपका स्नेह, आपका प्रेम, आपका भाव मुझे भी निरंतर इसी प्रकार से मिलता रहे, यही मैं आपसे कामना करता हूँ। यहां युगांडा में आप सभी के बीच आने का मेरा यह दूसरा अवसर है। इससे पहले 11 वर्ष पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर यहां आया था और आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में आया हूँ। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब भी आप में से अनेक लोग जिनसे मुझे रू-ब-रू होने का अवसर मिला, जी-भरकर बातें करने का अवसर मिला था। यहां भी कई ऐसे परिचित चेहरे, मैं सामने देख रहा हूँ और मुझे खुशी हुई राष्ट्रपति जी एक-एक की पहचान कर रहे थे। आप लोगों से इनका कितना निकट रिश्ता है और आज दिनभर हम साथ में थे कई परिवारों का वो नाम से जिक्र करते थे, बताते थे कितने सालों से जानते हैं, कैसे जानते हैं, सारी बातें बता रहे थे। यह इज्जत आप लोगों ने अपनी मेहनत से, अपने आचरण से, अपने चरित्र से कमाई हुई मेहनत है। यह पूंजी छोटी नहीं है जो आपने पाई है और इसके लिए युगांडा की धरती पर हिन्दुस्तान से आई हुई तीन-तीन, चार-चार पीढ़ियों ने इस मिट्टी के साथ अपना नाता जोड़ा है, उसे प्यार किया है।

साथियों युगांडा से भारत का रिश्ता आज का नहीं है। यह रिश्ता शताब्दियों का है। हमारे बीच श्रम का रिश्ता है, शोषण के खिलाफ संघर्ष का रिश्ता है। युगांडा विकास के जिस मुकाम पर आज खड़ा है उसकी बुनियादी मजबूत कर रहे हैं युगांडावासियों के खून-पसीने में भारतीयों के खून-पसीने की भी महक है। आप में से अनेक परिवार जहां तीन-तीन, चार-चार पीढ़ियों से रह रहे हैं। मैं यहां मौजूद नौजवानों,

युगांडा के नौजवानों को याद दिलाना चाहता हूँ, आज जिस ट्रेन में आप सफर करते हैं, वो भारत और युगांडा के रिश्तों को भी गति दे रही है। वो कालखंड था, जब युगांडा और भारत दोनों को एक ही ताकत ने गुलामी की जंजीरों से जकड़ा था, तब हमारे पूर्वजों को भारत से यहां लाया गया था। बंदूक और कोड़े के दम पर उन्हें रेलवे लाइन बिछाने के लिए मजबूर किया गया। उन मुश्किल परिस्थितियों में, उन महान आत्माओं ने युगांडा के भाइयों-बहनों के साथ मिल कर संघर्ष किया था। युगांडा आजाद हुआ, लेकिन हमारे बहुत से पूर्वजों ने यही पर बसने का फैसला कर लिया। जैसे दूध में चीनी घुल जाती है, वैसे ही यही हमारे लोग एक हो गए, एकरस हो गए।

आज आप सभी युगांडा के विकास, यहां के बिजनेस, कला, खेल, समाज के सभी क्षेत्रों में अपनी ऊर्जा दे रहे हैं, अपना जीवन खपा रहे हैं। यहां के Jinja में महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन हुआ था। यहां की राजनीति में भी अनेक भारतीयों ने अपना सक्रिय योगदान दिया है और आज भी दे रहे हैं। स्वर्गीय नरेंद्र भाई पटेल स्वतंत्र युगांडा की संसद में पहले non european speaker थे और उनका चुनाव सर्वसम्मति से हुआ था। हालांकि फिर एक समय ऐसा भी आया कि जब सबको परेशानियां भी झेलनी पड़ी, कई लोगों को देश छोड़कर भी जाना पड़ा, लेकिन युगांडा की सरकार और युगांडा के लोगों उन्हें अपने दिलों से नहीं जाने दिया। मैं विशेष रूप से राष्ट्रपति जी का और युगांडा के जन-जन का आज उनके इस साथ के लिए भारतीय समुदाय को जिस प्रकार से फिर से गले लगाया है। मैं हृदय से उनका आभार व्यक्त करता हूँ। आप में से अनेक लोग ऐसे भी हैं जिनका जन्म यही पर हुआ है, शायद कुछ लोगों को तो कभी भारत देखने का मौका भी मिला नहीं होगा। कुछ तो ऐसे भी होंगे जिनको वहां अपनी जड़ों के बारे में कहां, किस राज्य से आए थे, किस गांव या शहर से आए थे इसकी भी शायद जानकारी नहीं होगी। लेकिन फिर भी आपने भारत को अपने दिलों में जिंदा रखा है। दिल की एक धड़कन युगांडा के लिए है तो एक भारत के लिए भी है। विश्व के सामने आप लोग ही सही मायने में भारत के राजदूत हैं, भारत के राष्ट्रदूत हैं। थोड़ी देर पहले जब राष्ट्रपति जी के साथ मैं स्टेज पर आ रहा था, तो मैं देख रहा था कि मेरे आने से पहले यहां किस प्रकार से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। यह सच मैं मंत्रमुग्ध करने वाली भारतीयता को आपने जिस प्रकार बनाए रखा है, वो अपने आप में प्रशंसनीय है। अपने पहले के अनुभव और आज जब यहां आया हूँ तब इसके आधार पर मैं कह सकता हूँ कि भारतीय भाषाओं को, खान-पान को, कला और संस्कृति को, अनेकता में एकता पारिवारिक मूल्यों और वसुदेव कुटुम्भ की भावनाओं को जिस प्रकार से आप जी रहे हैं, वैसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं और इसलिए हर हिन्दुस्तानी को आप पर गर्व है, सवा सौ करोड़ देशवासियों को आप पर गर्व है। मैं भी आपका अभिनंदन करता हूँ। मैं आपको नमन करता हूँ।

साथियों युगांडा समेत अफ्रीका के तमाम देश भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। एक कारण तो आप जैसे भारतीयों की यहां बहुत बड़ी संख्या में मौजूदगी है और दूसरा हम सभी ने गुलामी के खिलाफ साड़ी लड़ाई लड़ी है, तीसरा हम सभी के सामने विकास की एकसमान चुनौतियां हैं। एक-दूसरे से सुख-दुख को बांटने का हमारा बहुत लम्बा इतिहास रहा है। हम सभी ने एक-दूसरे से कुछ न कुछ सीखा है। यथाशक्ति एक-दूसरे को सहारा भी दिया है, सहायता भी दी है। आज भी हम उसी भावना से मिल करके आगे बढ़ रहे हैं। हम युगांडा के साथ मजबूत रक्षा संबंध चाहते हैं। युगांडा की सेनाओं की आवश्यकता के अनुसार भारत में उनकी ट्रेनिंग के लिए हम व्यवस्था कर रहे हैं। युगांडा से हजार से अधिक छात्र इन दिनों भारत में अध्ययन कर रहे हैं। साथियों आप में से अधिकतर जब भारत से युगांडा आए थे, तब के भारत और आज के भारत में बहुत बदलाव आ चुका है। आज जिस प्रकार युगांडा अफ्रीका की तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है, उसी प्रकार भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक है। भारत की अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया के विकास को गति दे रही है। 'मेक इन इंडिया' आज भारत

की पहचान बन गया है। भारत में बनी कार और स्मार्ट फोन ऐसी अनेक चीजें आज उन देशों को बेच रहे हैं जहां से कभी हम यह सामान भारत में आयात करते थे। संभव है कि बहुत जल्द यहां युगांडा में जब आप स्मार्ट फोन खरीदने के लिए जाएंगे तो आपको 'मेड इन इंडिया' का लेबल नजर आएगा। अभी हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की नींव भारत में रखी गई है। भारत तेजी के साथ दुनिया के लिए मैन्युफैक्चरिंग का हब बनता जा रहा है। साथ ही डिजिटल टेक्नोलॉजी को भारत ने लोगों के सशक्तिकरण का, empowerment का एक माध्यम बनाया है। सरकार से जुड़े तमाम कार्य एक मोबाइल फोन पर उपलब्ध है। बच्चे के जन्म से लेकर मृत्यु के पंजीकरण तक की अधिकतम व्यवस्थाएं डिजिटल हो चुकी हैं, ऑनलाइन हो चुकी हैं। देश की हर बड़ी पंचायत को broadband internet से connect करने पर आज तेजी से काम चल रहा है। आज सूई से लेकर रेल की पटरियां, मेट्रो ट्रेन के कोच और उपग्रह तक भारत में ही बने स्टील से भारत में ही बन रहे हैं। Manufacturing ही नहीं, बल्कि start-up का hub बनने की तरफ भी भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

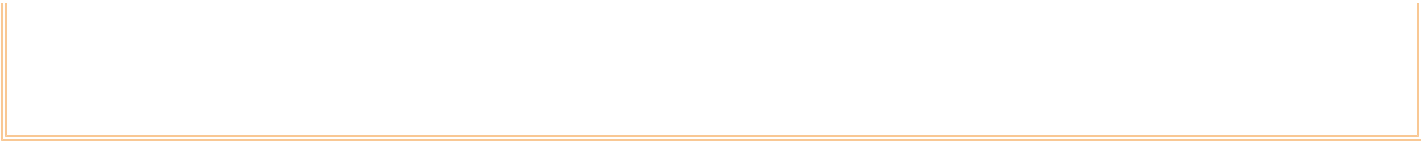
दुनिया में, मैं जहां भी जाता हूं आप जैसे सज्जनों को जरूर याद दिलाता हूं कि पहले दुनिया में देश की किस तरह की छवि बना दी गई थी। हजारों वर्ष का गौरवमय इतिहास समेटे हुए देश को सांप-सपेरों का देश ऐसे ही हिन्दुस्तान को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाता था। भारत यानी सांप-सपेरे, जादू-टोना.. यही थी न पहचान? हमारे युवाओं ने इस छवि, इस धारणा को बदला और भारत को mouse यानी IT software की धरती बना दिया है। आज यही हुआ भारत देश और दुनिया के लिए हजारों start-up की शुरुआत कर रहे हैं। आपको यह जान करके गर्व होगा कि सिर्फ दो वर्षों के भीतर ही देश में लगभग 11 हजार start-up रजिस्ट्रार हुए हैं। देश और दुनिया की आवश्यकताओं के हिसाब से हमारा नौजवान innovation कर रहा है। मुश्किलों का समाधान ढूंढ रहा है, साथियों आज भारत के छह लाख से अधिक गांवों में बिजली पहुंच चुकी है। आज भारत में ऐसा कोई गांव नहीं है, जहां बिजली न पहुंची हो। भारत में बिजली मिलना कितना आसान हो गया है इसका अंदाजा आप world bank की ranking से लगा सकते हैं। ease of getting electricity की ranking में भारत ने बीते चार वर्ष में 82 पायदान पर छलांग लगाई है। आज हम विश्व में 29वें नंबर पर पहुंचे हैं। सिर्फ बिजली उपलब्ध नहीं हुई है। लेकिन एक अभियान चलाकर लोगों के बिजली बिल का खर्च काम करने का भी प्रयास किया जा रहा है। पिछले चार वर्ष में देश में सौ करोड़ LED बल्ब की बिक्री हुई है। सौ करोड़ से अधिक। साथियों इस प्रकार के अनेक परिवर्तन भारत में हो रहे हैं, क्योंकि वहां व्यवस्था और समाज में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। भारत आज New India के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

साथियों, प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही मैं यहां आने के लिए बड़ा उत्सुक था। तीन वर्ष पहले राष्ट्रपति जी जब इंडिया-अफ्रीका समिट के लिए भारत आए थे, तब उन्होंने बड़ा आग्रहपूर्वक न्यौता भी दिया था, लेकिन किसी न किसी कारणवश कार्यक्रम नहीं बन पाया। मुझे प्रशंसा है कि आज आप सबके दर्शन करने का मुझे मौका मिल गया। बीते चार वर्षों में अफ्रीका के साथ हमारे ऐतिहासिक रिश्तों को हमने विशेष महत्व दिया है। भारत की विदेश नीति में आज अफ्रीका की अहम भूमिका है। 2015 में जब हमने इंडिया-अफ्रीका फर्म समिट का आयोजन किया तो पहली बार अफ्रीका के सभी देशों को निमंत्रण दिया। इसके पूर्व कुछ चुनिंदा देशों के साथ ही मुलाकात होती थी, खुशी की बात यही थी कि न सिर्फ सभी देशों ने हमारा निमंत्रण स्वीकार किया, लेकिन 41 देशों के शीर्ष नेतृत्व ने सम्मेलन में हिस्सा लिया वो सब दिल्ली आए। हमने हाथ आगे बढ़ाया तो अफ्रीका ने भी आगे बढ़ करके हिन्दुस्तान को गले लगाया। हमारा हाथ थाम लिया। पिछले चार वर्षों में अफ्रीका का एक भी देश ऐसा नहीं है जहां भारत से कम से कम मंत्री स्तर की यात्रा न हुई हो। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री स्तर की 20

से अधिक यात्राएं हुई हैं। इंडिया-अफ्रीका फर्म समिट के अतिरिक्त अफ्रीका से 32 राष्ट्र प्रमुखों ने भारत में आ करके भारत के नेताओं से मुलाकात की है। हमने 18 देशों में अपने दूतावास खोलने का निर्णय किया है। इससे अफ्रीका में हमारे दूतावासों की संख्या बढ़कर 47 हो जाएगी। अफ्रीका के सामाजिक विकास और संघर्ष में हमारा सहयोग रहा ही है। यहां के अर्थव्यवस्था के विकास में भी हम सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। यही कारण है कि पिछले वर्ष African development bank की वार्षिक बैठक भी भारत में आयोजित की गई। अफ्रीका के लिए three billion dollar से अधिक के line of credit के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इंडिया-अफ्रीका फर्म समिट के अंतर्गत हमारा ten billion dollar का commitment भी है। इसके अतिरिक्त six hundred million dollar की अनुदान सहायता और fifty thousand छात्राओं के लिए भारत में अध्ययन इसके लिए Scholarship के लिए भी हम प्रतिबद्ध हैं। अफ्रीका के 33 देशों के लिए भारत में ई-वीजा का प्रावधान किया गया है और अफ्रीका के प्रति हमारे मजबूत commitment के परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

पिछले वर्ष अफ्रीका के देशों के साथ भारत के trade में 32 percent वृद्धि हुई है। international solar alliance का सदस्य बनने के लिए मैंने अफ्रीका के सभी देशों को आग्रह किया था और मेरे आह्वान के बाद आज सदस्य देशों में लगभग आधे देश अफ्रीका के हैं। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अफ्रीका के देशों से एक स्वर में भारत का समर्थन किया है। मैं समझता हूं कि नये world order में एशिया और अफ्रीका के देशों की उपस्थिति दिनों-दिन और मजबूत होती जा रही है। इस दिशा में हम जैसे देशों का पारस्परिक सहयोग करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मकता, सकारात्मक बदलाव लाकर रहेगी। जिस उत्साह और उमंग के साथ आप सब समय निकाल करके आज यहां आए हैं। मुझे आपने स्नेह दिया है, आशीर्वाद दिया है, सम्मान दिया है, इसके लिए मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। राष्ट्रपति जी का और युगांडा की सरकार और जन मानस का भी मैं हृदय से अभिनंदन करता हूं। और आपको मालूम है 2019 जो आपके दिमाग है वो मेरे दिमाग में नहीं है। आप क्या सोच रहे हैं 2019 का? क्या सोच रहे हैं। अरे 2019 में जनवरी महीने में प्रवासी भारतीय दिवस 22-23 जनवरी को होने वाला है और इस बार प्रवासी भारतीय दिवस का स्थान है काशी, बनारस। और जहां की जनता ने मुझे प्रधानमंत्री बनाया है, एमपी बनाया और देश ने मुझे प्रधानमंत्री बनाया, उस काशी के लिए मैं आपको निमंत्रण देने आया हूं। और यह भी खुशी की बात है कि प्रवासी भारतीय दिवस के पहले गुजरात में Vibrant Gujarat Global Investors Summit होता है, वो भी है 18,19,20 आसपास, 22, 23 काशी में और उसके बाद 14 जनवरी से कुम्भ का मेला शुरू हो रहा है तो 22, 23 प्रवासी भारतीय दिवस कह कर बनारस से कुम्भ मेले में हो आइये। प्रयाग राज में डुबकी लगाईये और फिर 26 जनवरी आप दिल्ली आइये, एक हफ्ते का पूरा पैकेज आपके लिए हिन्दुस्तान में एक के बाद एक इतने अवसर हैं। मैं आज रू-ब-रू मेरे युगांडा के भाईयों-बहनों को निमंत्रण देने आया हूं और आप भी आइये। आपने जो प्यार दिया, स्नेह दिया आपकी प्रगति के लिए भारत की शुभकामनाएं आपके साथ है। और आपका यहां का जीवन भारत के गौरवमय बढ़ाने में योगदान कर रहा है, इसके लिए भी हम गौरव अनुभव करते हैं। मैं फिर एक बार आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी/हिमांशु सिंह/बाल्मीकि महतो/तारा



प्रधानमंत्री कार्यालय

वलसाड़ के जुजवा गांव में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 23 AUG 2018 7:59PM by PIB Delhi

दो-तीन दिन के बाद रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार और आप सब बहनें इतनी बड़ी रक्षा की राखी ले करके आए हैं, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। और देशभर की माताओं-बहनों ने आशीर्वाद दे करके जो मुझे रक्षा कवच दिया हुआ है, आशीर्वाद दिए हुए हैं, इसके लिए मैं इन सभी माताओं-बहनों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

रक्षाबंधन का पर्व सामने हो और गुजरात में एक लाख से भी अधिक परिवारों को, बहनों को उनके नाम से अपना घर मिले, मैं समझता हूँ रक्षाबंधन का इससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता।

जिन बहनों को आज घर मिला है; घर न होना, उसकी पीड़ा क्या होती है, जिंदगी कैसे गुजरती है, भविष्य कैसा अंधकारमय होता है; हर सुबह एक सपना ले करके उठते हैं, शाम होते-होते सपना मुरझा जाता है, वही झुगगी-झोंपड़ी की जिंदगी होती है।

लेकिन जब अपना घर होता है तो सपने भी सजने लगते हैं और फिर सपने भी अपने बन जाते हैं। और इन सपनों को पूरा करने के लिए पूरा परिवार; अबाल, वृद्ध सब परिश्रम करता है, पुरुषार्थ करता है और जिंदगी बदलनी शुरू हो जाती है।

इस रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार के पूर्व इन सभी माताओं-बहनों को, एक लाख से भी अधिक परिवारों को, ये घर की सौगात दे करके आपके भाई के रूप में मैं बहुत संतोष अनुभव कर रहा हूँ।

आज एक और दूसरी योजना भी 600 करोड़ रुपये की, वह योजना भी एक प्रकार से रक्षाबंधन के पावन पर्व के पूर्व हमारी माताओं-बहनों को ही भेंट-सौगात है। पानी का संकट सबसे ज्यादा अगर परिवार में किसी को झेलना पड़ता है तो माताओं-बहनों को झेलना पड़ता है। पूरे परिवार के लिए पानी का प्रबंध हमारे घरों में आज भी माताओं-बहनों को करना पड़ता है। और पीने का शुद्ध जल न होने के कारण एक प्रकार से घर, जिंदगी, बीमारी का भी घर बन जाता है। पीने का शुद्ध जल परिवार को अनेक बीमारियों से बचाता है।

मैंने सालों तक मेरी जवानी के कई वर्ष इस आदिवासी इलाके में गुजारे हैं। मैं जब धर्मपुर सिदम्बाड़ी में रहता था तो मन में एक हमेशा प्रश्न उठता था कि इतनी बारिश यहां होती है लेकिन दिवाली के बाद दो महीने से ज्यादा पानी नहीं बचता है और फिर पानी के लिए तरसना पड़ता है। और मुझे बराबर याद है उस समय धर्मपुर में, सिदम्बूर, सारे बेल्ट में, सारे इस आदिवासी से ले करके उमरगांव से अम्बाजी तक पूरे आदिवासी बेल्ट में बारिश वहां ज्यादा होती है और सारा पानी हमारी तरफ, दरिया की तरफ, समंदर की तरफ चला जाता है। उस सारे इलाके बिना पानी के रह जाते हैं।

और जब मैं मुख्यमंत्री था तब हजारों करोड़ रुपयों से तय किया था कि उमर गांव से अम्बाजी तक, सारे आदिवासी बेल्ट जो गुजरात का पूर्वी छोर है; हर गांव को, हर घर को नल से जल मिले, ये सपना देखा।

जो फिल्म दिखाई गई, उसमें बताया गया दस योजनाएं, आज उस आखिरी योजना का भी काम प्रारंभ हो रहा है। जिन लोगों ने फिल्म देखी होगी, उनके लिए भी आश्चर्य होता होगा। सबसे ऊपर जहां पानी पहुंचने वाला है वो 200 मंजिले मकान की ऊंचाई पर जितना पानी पहुंचाते हैं, इतना पानी ऊपर ले जाएंगे। यानी एक प्रकार से नदी 200 मंजिला ऊंचाई पर ले जाएंगे और वहां से पानी नीचे लोगों को पहुंचेगा। ये technology का miracle है।

हमारे देश में इसी दूर-सुदूर गिर के जंगलों में एक पोलिंग बूथ एक मतदान के लिए होता है, एक मतदाता और एक पोलिंग बूथ। सारी दुनिया में वो बॉक्स आइटम बन जाती है कि हिन्दुस्तान की चुनाव प्रक्रिया ऐसी है कि गिर के जंगल में एक पोलिंग बूथ ऐसा है जहां सिर्फ एक मतदाता है लेकिन वहां भी चुनाव प्रबंधन होता है।

मैं समझता हूं ये भी एक अजूबा बन जाएगा कि एक गांव ऊपर 200-300 घरों की बस्ती, लेकिन इनको पानी पहुंचाने के लिए एक संवेदनशील सरकार 200 मंजिला तक पानी को ऊपर ले जाए, हर नागरिक के प्रति हमारी भक्ति कितनी है, इसका ये जीता-जागता उदाहरण है।

पहले भी सरकारें रहीं। आदिवासी मुख्यमंत्री भी रहे। और जब मैं नया-नया मुख्यमंत्री बना था तो मुझे पहले जो आदिवासी मुख्यमंत्री रहे थे, उनके गांव में जब मैं गया, पानी की टंकी थी लेकिन पानी नहीं था। उस गांव को पानी देने का काम भी सौभाग्य मुझे मिला था।

अगर कोई पानी की परत बना देता है, राहगीर के लिए अगर एक-दो मटके रख देता है और पानी की बरता करता है तो भी सालों तक उस परिवार को बड़े आदर और गर्व के साथ देखा जाता है।

आज भी लाखा बलधारा की कथाएं जिसने पानी के लिए काम किया, गुजरात और राजस्थान में गांव-गांव की जुबान पर है। क्यों, किसी ने पानी के लिए काम किया था। आज मुझे गर्व है कि गुजरात सरकार घर-घर नल से जल पहुंचाने के लिए जो अभियान चला रही है वो अपने-आप में।

हमारा गुजरात आगे चल करके कैसा हो। गरीब से गरीब की जिंदगी कैसी हो, कैसे हमारे सपने हैं; उन सपनों को साकार करने के लिए हमारे प्रयास क्या हैं, ये नजर आता है।

आप सबने देखा होगा मुझे आज एक प्रकार से आधे-पौने घंटे में पूरे गुजरात की सैर करने का मौका मिला गया। हर जिले में गया, वहां की माताओं-बहनों से बात करने का मौका मिला। मैं बात तो सुनता था लेकिन मेरी नजर उनके घर पर थी, कैसा घर बना है। आपने भी देखा होगा कि आपको भी लगता होगा कि क्या प्रधानमंत्री आवास योजना, सरकारी योजना के इतने अच्छे मकान भी हो सकते हैं क्या? ये इसलिए संभव होता है क्योंकि cut की कम्पनी बंद है।

दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो गरीब के घर में पूरे-पूरे 100 पैसे पहुंच जाते हैं, इसलिए ये संभव हो रहा है। और इस सरकार में हिम्मत है कि इतने टीवी वालों की हाजिरी में, इतने अखबार वालों की हाजिरी में, इतनी बड़ी जनमेगनी के सामने, और जब पूरा देश टीवी पर देख रहा है, तब हिम्मत के साथ किसी मां को पूछ सकता हूं कि आपको किसी को रिश्वत तो नहीं देनी पड़ी? किसी ने दलाली तो नहीं ली है?

हम इस चरित्र के निर्माण के लिए लगे हुए हैं और मुझे खुशी हुई जब मां-बहने बड़े आत्मविश्वास, संतोष के साथ कह रही थीं, जी नहीं। हमें अपना हक मिला है, नियमित नियमों के तहत मिला है, हमें किसी को एक नया रुपया भी देना नहीं पड़ा है।

उन मकानों को आपने देखा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन मकानों की क्वालिटी जब हम देख रहे थे तो आपको भी लगता होगा कि क्या बात है, सरकार के ऐसे मकान हो सकते हैं क्या! ये सही है कि सरकार ने धन दिया है लेकिन सरकार के पैसों के साथ उस परिवार का पसीना भी इसमें लगा है।

और उसके कारण उसने खुद ने मकान कैसा हो, तय किया। कौन सा मैटिरियल उपयोग करेंगे, परिवार ने तय किया। मकान कैसे बनाएंगे, खुद ने तय किया।

सरकारी कांटेक्टरों के भरोसे हमने काम नहीं किया, हमने इस परिवार पर भरोसा किया और जब परिवार अपना घर बनाता है, तो उत्तम से उत्तम बनाता है और वो जो खुशी है वो गुजरात के हर गांव में इन परिवारों ने नमूनारूतम घर बनाए हैं। मैं इसके लिए उनको बधाई देता हूं।

देश को गरीबी से मुक्ति का एक बड़ा अभियान हमने चलाया है, लेकिन गरीबों के सशक्तिकरण के द्वारा चलाया है। बैंक थे लेकिन बैंक में गरीब को प्रवेश नहीं था। हमने बैंक को ही गरीब के घर के सामने ला करके खड़ा कर दिया प्रधानमंत्री जन-धन योजना में।

गांव में रईस घर में ही बिजली का कनेक्शन हुआ करता था, गरीब के घर में बिजली का कनेक्शन पाना, तो उसको तो आश्चर्य होता था कि मेरे घर में भी अंधेरा जाएगा क्या? आज, आज उजाला योजना के तहत हर घर में सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली का कनेक्शन देने का बड़ा अभियान उठाया है और आने वाले एक-डेढ़ साल में हिन्दुस्तान में कोई घर नहीं बचेगा जहां खुद का बिजली का कनेक्शन न हो, बिजली का लट्टू न हो।

घर हो, घर में शौचालय हो, बिजली हो, पीने का पानी हो, गैस का चूल्हा हो- एक प्रकार से उसकी जिंदगी में आमूल-चूल परिवर्तन का एक प्रयास चल रहा है।

और मेरे प्यारे भाइयो-बहनों, आपने मुझे बड़ा बनाया है। आप गुजरात के लोगों ने मेरी परवरिश की है। गुजरात ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। और आप लोगों से जो मैं सीखा हूं, उसी का परिणाम है कि सपने बड़े समयबद्ध तरीके से पूरे करने का प्रयास कर रहा हूं और 2022 में, जब हिन्दुस्तान की आजादी के 75 साल होंगे, इस देश का कोई परिवार ऐसा न हो कि जिसके पास खुद का घर न हो; ऐसा हिन्दुस्तान बनाने का सपना देखा है।

अब तक खबर आती थी नेताओं के बड़े-बड़े घर बनने की, अब तक खबर आती थी नेताओं के घरों की सजावट की; अब खबरें आ रही हैं गरीबों के घर बनने की, अब खबरें आ रही हैं गरीबों के घर की सजावट की।

ये ऐसा प्रधानमंत्री है कि जब एक लाख से अधिक घरों द्वारा वास्तु प्रवेश होता हो और उसमें शरीक होने के लिए वलसाड की धरती पर आ करके वीडियो कांफ्रेंस से सभी परिवारों के साथ उनके उत्साह और उमंग में शरीक होता है।

भाइयो-बहनों, गत सप्ताह हमारे लिए बड़ी पीड़ा का रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी चले गए लेकिन उनके नाम बनी हुई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम भी हम समय-सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य ले करके चल रहे हैं।

एक प्रकार से आमूल-चूल परिवर्तन लाने की दिशा में प्रयास चल रहा है। यहां आपने देखा होगा skill development, दूर-सुदूर आदिवासी जंगलों में रहने वाली बेटियों को skill development के बाद रोजी-रोटी कमाने के लिए कैसे अवसर मिल सकते हैं, इसका मुझे प्रमाणपत्र देने का अवसर मिला।

अपने-आप में देश को समस्याओं से मुक्त किया जा सकता है, देश के सामान्य से सामान्य मानवी के सपनों को साकार किया जा सकता है और इसकी पूर्ति के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

वलसाड के मेरे भाइयो-बहनों, वैसे मेरा कार्यक्रम कुछ दिन पहले यहां आने का बना था, लेकिन बारिश की वजह से वो कार्यक्रम कैंसिल करना पड़ा। और बारिश भी इस बार कभी आती है तो बड़ी जोर से आती है, नहीं आती तो हफ्तों तक रुक जाती है। गुजरात में कुछ इलाके में तकलीफ भी हुई और कुछ

इलाके में पानी आया भी नहीं। लेकिन पिछले कुछ दिनों में जो वर्षा हुई, उसके कारण गुजरात के कई इलाकों में वर्षा की कृपा हुई है। आने वाला वर्ष भी बहुत उत्तम जाएगा। कृषि के क्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ होगा, ऐसा मुझे पूरा विश्वास है।

मैं सभी वलसाड के मेरे प्यारे भाइयों, बहनों, इतने लंबे समय तक इतनी बड़ी तादाद में आप बैठे रहे, जी-जान से जुड़े रहे; मैं आपका जितना आभार व्यक्त करूं उतना कम है।

सभी माताओं, बहनों को रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद।

AKT/VJ/NS

(रिलीज़ आईडी: 1543773) आगंतुक पटल : 446

प्रधानमंत्री कार्यालय

देश भर में आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कर्मियों के साथ वीडियो इन्टरैक्शन के दौरान प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 11 SEP 2018 4:47PM by PIB Delhi

आप सभी से एक साथ सीधा संवाद करने का ये अपनी तरह का पहला प्रयास है। और मुझे बताया गया है कि देश के करीब-करीब हर ब्लॉक से आप लोग सीधे इस संवाद में जुड़े हैं। चाहे आशा हो, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हो या फिर एएनएम आप सभी राष्ट्र निर्माण के अग्रणी सिपाही हैं। आपके बिना देश में स्वस्थ मातृत्व की कल्पना करना भी मुश्किल है। मुझे खुशी है कि आप सभी देश की नींव को, देश के भविष्य को मजबूत करने में बहुत ही अहम भूमिका निभा रहे हैं। देश की हर माता, हर शिशु की सुरक्षा घरे को मजबूत करने का जिम्मा आप सबने अपने कंधे पर उठाया है। सुरक्षा के इस घरे के तीन पहलू हैं। पहला है पोषण यानी खान-पान, दूसरा है टीकाकरण और तीसरा है स्वच्छता, ऐसा नहीं है कि पहले लोग इस बारे में जानते नहीं थे या पहले योजनाएं नहीं बनीं।

इन तमाम पहलुओं को लेकर आजादी के बाद से ही अनेक कार्यक्रम चले, लेकिन बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई। हमसे कम विकसित, कम संसाधनों वाले, छोटे-छोटे देश भी इन विषयों से कई गुना आगे निकल चुके हैं। बहुत कुछ बेहतर कर रहे हैं। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए 2014 के बाद से एक नई रणनीति के साथ हमने काम करना शुरू किया।

आप सब जानते हैं भली-भांति मिशन इंद्रधनुष। इस मिशन इंद्रधनुष के तहत देश के टीकाकरण अभियान को दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में हमारे जो नन्हें-मुन्हें बच्चे हैं। उन तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया है। आप सभी ने इस मिशन को तेज गति से आगे बढ़ाया और देश में तीन करोड़ से अधिक बच्चों और 85 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण करवाया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी भारत के कार्यकर्ता भलीभांति जानते हैं कि इंसेफलाइटिस किस प्रकार से हमारे बच्चों के लिए खतरनाक रहा है। ऐसी गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए संपूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम में जापानी इंसेफलाइटिस के टीके हमें पांच नए टीके जोड़े गए हैं।

वहीं दो साल पहले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शुरू किया गया। इसमें भी आपका योगदान बहुत-बहुत महत्वपूर्ण रहा है। आप सब मेरे साथी हैं। पहले के जमाने में कहते थे कि भगवान हजार बांहों वाला होता है। अब ये हजार बाहु थोड़े ही ऐसे लगाए जाते हैं। इसका मतलब था कि उनकी टीम में ऐसे पांच सौ लोग होते थे जिनके बाहु सब समस्याओं का समाधान करके उनका साथ देते हैं। आज देश का प्रधानमंत्री कह सकता है कि उसके सहस्र बाहु नहीं लक्ष्यावादी बाहु है। और ये बाहु आप सब मेरे साथी हैं।

साथियों स्वास्थ्य का सीधा संबंध पोषण से है और पोषण भी हम क्या खाएं? कैसे खाएं? सिर्फ इतने तक सीमित नहीं है। स्वच्छता हो, टीकाकरण हो, आपको शायद हैरानी होगी, कम उम्र की शादी भी इस समस्या का एक बहुत बड़ा कारण है। सही उम्र में शादी हो। मां बनने की भी सही उम्र होनी चाहिए अगर समय से पहले मां बनने का तो समझ लीजिए मां की तबीयत और बच्चे की तबीयत दोनों संकट में रहती है और जिंदगी भर वो पनपते नहीं हैं।

खाने से पहले और खाना खाने के बाद हाथ कैसे धोए जाएं? ऐसे अनेक पहलू भी पोषण के साथ जुड़े हुए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इसी वर्ष राजस्थान के झुंझुनू से देश भर में राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत की गई है। ये बहुत बड़ा महत्वाकांक्षी अभियान है। चुनौती बड़ी है लेकिन ये चुनौती मैंने मेरे बल पर नहीं ली है। ये चुनौती मैंने आप पर मेरा भरोसा है, आपने करके दिखाया है और अब आप करके दिखाएंगे। इस विश्वास के कारण इतनी बड़ी चुनौती को हमने हाथ लगाया है। यदि हम सिर्फ पोषण के अभियान को हर माता, हर शिशु तक अगर पहुंचाने में सफल हुए तो लाखों जीवन बचेंगे। देश के विकास को नई गति मिलेगी।

कभी-कभी हम सुनते हैं कि पानी में कोई डूब जा रहा था किसी ने बचा लिया। तो उस गांव में जीवन भर उसके नाम की चर्चा होती है क्यों? उसने किसी की जिंदगी बचा दी। रेल की पटरी के नीचे कोई आ रहा था लेकिन किसी ने खींच कर बचा लिया तो दुनिया भर के टीवी में आता रहता है कि देखो कैसे जिंदगी बचाई। लेकिन आप तो वो लोग हैं जो हर दिन अपनी मेहनत से, अपनी त्याग और तपस्या से अनेक छोटे-छोटे मासूम बच्चों की जिंदगी बचाते हैं। एक डॉक्टर अपने पूरे जीवन में जितनी जिंदगियां बचाता है। कभी-कभी लगता है कि आप आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर आप छोटे-छोटे काम के द्वारा उससे भी ज्यादा जिंदगियां बचा लेते हैं।

देश में चल रहे पोषण माह को सफल बनाने में जुटे आप सभी 24 लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को आपके इस योगदान के लिए, आपके इस एक निष्ठ कार्य के लिए दिन-रात इन लोगों की जिंदगी बचाने में लगे रहने के लिए मैं आज इस सार्वजनिक रूप से आप सबको आदरपूर्वक नमन करता हूं। और मुझे आज आपको नमन करने का सौभाग्य मिला है। इस अभियान के दौरान आपकी क्या चुनौतियां रही हैं। क्या सुझाव है, क्या अनुभव है, ये मैं जानने के लिए बहुत उत्सुक हूं क्योंकि आपके द्वारा जो बातें आएंगी। अगर पूरी योजना में कुछ कमी होगी तो यहां हम एयरकंडीशन में बैठे हुए लोग उसका समाधान नहीं कर पाएंगे जितना कि आप अपने रोजमर्रा के व्यावहारिक जीवन से करते हैं। और आपकी बात जब देश सुनेगा तो देश की और लाखों हमारी साथी बहनें हैं, कार्यकर्ता हैं। वे भी इसमें से सीखेंगे। और इसलिए मैं आज आपको सुनना चाहता हूं।

अतुल तिवारी/शाहबाज़ हसीबी/बाल्मीकि महतो/ममता

(रिलीज़ आईडी: 1546500) आगंतुक पटल : 111

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Assamese , Bengali , Tamil , Kannada

प्रधानमंत्री कार्यालय

जापान में भारतीय सामुदायिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 29 OCT 2018 12:01PM by PIB Delhi

नमस्कार!

जापान जैसा देश, आकी सीजन का ये वातावरण और इस पर आप सभी का साथ, सच में एक अदभुत संगम है।

भारत में भी मंडे हो वर्किंग डे हो, और सुबह नौ बजे मुझे बुलाना हो लेकिन इतने सवेरे इतनी तादाद में, लगता है कुछ लोग रात को ही आ गये होंगे। मैं आपके इस प्यार के लिए आपके इस आशीर्वाद के लिए हृदय से आपका बहुत बहुत आभारी हूँ।

आज की यह मुलाकात इसलिए भी विशेष है क्योंकि जापान में बसे आप सभी स्वजनों से मुझे साल 2016 में मिलने का मौका मिला उसके बाद आज मिल रहा हूँ। इस मौके पर सबसे पहले मैं भारत की तरफ से, आप सबकी तरफ से अपने प्रिय मित्र प्रधानमंत्री शिंजो अबे को फिर से LDP का प्रेजिडेंट चुने जाने पर बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

भारत की जनता के प्रति, मेरे प्रति, प्रधानमंत्री अबे का प्यार, उनका स्नेह हमेशा से रहा है। इस बार इसको नया आयाम देते हुए जिस प्रकार का विशेष सत्कार उन्होंने किया है, इसके लिए भी मैं प्रधानमंत्री जी का और जापान की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ। इसके साथ ही आप सभी को दीपावली की भी अनेक अनेक शुभकामनाएं देता हूँ। जिस तरह दीवाली में दीपक जहां रहता है उजाला करता है उसी तरह आप भी जापान और दुनिया के हर कोने में अपना और देश का नाम रोशन करें, मेरी यही कामना है।

साथियों,

भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर यह मेरी तीसरी जापान यात्रा है। और जब भी जापान आने का मौका मिला तो यहां मुझे एक आत्मीयता का अनुभव होता है। वो इसलिए क्योंकि भारत और जापान के बीच संबंधों की जड़ें पंथ से लेकर प्रवृत्ति तक हैं। हिंदू हो या बौद्ध मत, हमारी विरासत साझा है। हमारे आराध्य से लेकर अक्षर तक में इस विरासत की झलक हम प्रति पल अनुभव करते हैं।

मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, भगवान शिव और गणेश सबके साम्य जापानी समाज में मौजूद हैं। सेवा शब्द का अर्थ जापानी और हिंदी में एक ही है। होम यहां पर गोमा बन गया और तोरण जापानी में तोरी बन गया। पवित्र Mount Ontake (ऑंताके) पर जाने वाले जापानी तीर्थयात्री जो पारंपरिक श्वेत पोशाक पहने हैं, उस पर संस्कृत-सिद्धम् लिपि के कुछ प्राचीन वर्ण भी लिखवाते हैं। वे जब श्वेत जापानी तेंगुई पहनते हैं तो उस पर ऊँ (ओम्) लिखा होता है।

साथियों, भारत और जापान के रिश्तों के ताने बाने में ऐसे अतीत के बहुत से मजबूत धागे हैं। भारत और जापान के इतिहास को जहां बुद्ध और बोस जोड़ते हैं, वहीं वर्तमान को आप जैसे नए भारत के राष्ट्रदूत मजबूत कर रहे हैं। सरकार का राजदूत एक हैं लेकिन राष्ट्रदूत यहाँ हज़ारों हैं। आप वो पुल हैं जो भारत और जापान को, दोनों देशों के लोगों को, संस्कृति और आकांक्षाओं को जोड़ते हैं। मुझे खुशी है कि आप अपने इस दायित्व को सफलता के साथ निभा रहे हैं।

साथियों, मेरी जब भी प्रधानमंत्री श्री आबे से बात होती है तो वो भारतीय समुदाय की इतनी तारीफ करते हैं कि मन गदगद हो जाता है। आप लोगों ने अपने कौशल से, अपने सांस्कृतिक मूल्यों से यहां बहुत सम्मान अर्जित किया है। योग को आप जापान के जनजीवन का हिस्सा बनाने में सफल रहे हैं। यहां के मेन्यू में आपने कढ़ी चावल ला दिया

और अब तो आप दीवाली भी अपने जापानी दोस्तों के साथ मनाते हैं। आपने मार्शल आर्ट्स में निपुण इस देश को कबड्डी की कला भी देना शुरू कर दिया है और अब आप क्रिकेट के कल्चर को भी विकसित करने में जुटे हैं। आपने जिस तरह Contribute, Co-exist to Conquer (कोंकर) Hearts के मंत्र से जापानी दिलों में जगह बनाई है वो सचमुच काबिलेदाद है। मुझे प्रसन्नता है कि 30 हज़ार से अधिक का भारतीय समुदाय यहां हमारी संस्कृति के प्रतिनिधि के रूप में काम कर रहा है।

साथियों, आप में से अनेक लोग स्वाभाविक रूप से भारत आते-जाते रहते हैं। जो काफी समय से नहीं भी गए हैं वो अखबारों के माध्यम से, इंटरनेट के जरिए भारत में हो रहे परिवर्तन के बारे में ज़रूर जानकारी लेते होंगे। आज भारत परिवर्तन के बड़े दौर से गुजर रहा है। दुनिया आज मानवता की सेवा के लिए भारत के प्रयासों का गौरवगान कर रही है। भारत में जो नीतियों का निर्माण हो रहा है, जनसेवा के क्षेत्र में जो कार्य हो रहा है उसके लिए देश को सम्मानित किया जा रहा है। अभी हाल में दुनिया की दो बड़ी संस्थाओं ने भारत के प्रयासों सराहा है, सम्मानित किया है। ग्रीन फ्यूचर में योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र ने चैंपियन ऑफ द अर्थ के रूप में, तो सोल Peace Foundation ने सोल Peace Prize के रूप में भारत को सम्मान दिया है।

साथियों, ये सम्मान सवा सौ करोड़ जनों के प्रतिनिधि के रूप में भले ही नरेन्द्र मोदी को दिया गया हो लेकिन मेरा योगदान माला के उस धागे जितना है जो मनकों को पिरोता है और संगठित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारा देश आप जैसे एक से एक हीरों से, मोतियों से भरा पड़ा है। सिर्फ एक संगठित प्रयास की आवश्यकता थी जो हम बीते चार वर्षों से कर रहे हैं। सामूहिकता की, जनभागीदारी की इसी शक्ति को आज दुनिया पहचान दे रही है। आज पर्यावरण की सुरक्षा के लिए, आर्थिक असंतुलन को दूर करने के लिए, विश्व शांति के लिए भारत की भूमिका अग्रणी है।

मैं सोल Peace Prize की Jury का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने Modinomics की प्रशंसा की है। उनकी भावनाओं का पूरा सम्मान करते हुए मैं ये कहना चाहूंगा कि Modinomics के बजाय ये Indonomics का सम्मान है। सरकार का मुखिया होने के नाते मैं वही कर रहा हूं जो भारत की संस्कृति, भारत की परंपरा रही है।

वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवन्तु सुखिना:

सर्वे संतु निरामया, के हमारे पुरातन मूल्यों के प्रति हम समर्पित हैं। हमारी सरकार ने तो सिर्फ इतना बदलाव किया है कि दुनिया को, भारत के चश्मे देखा जाए। और चश्मों से भारत को मत देखिये। हमारी सरकार Indian Solution, Global Application की भावना के साथ निरंतर काम कर रही है। हम पहले भारत की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं और फिर उस मॉडल को दुनिया के दूसरे देशों के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं।

साथियों, आपको ये जानकर गर्व होगा कि जनधन, आधार और मोबाइल, यानि JAM की Trinity से जो ट्रांसपेरेंसी भारत में आई है, उससे अब दुनिया के दूसरे विकासशील देश भी प्रेरित हो रहे हैं। भारत में बनाए गए इस सिस्टम की स्टडी की जा रही है। इसके अलावा Digital Transaction की हमारी आधुनिक व्यवस्था, जैसे BHIM App और Rupay Card, इनको लेकर भी दुनिया के अनेक देशों में उत्सुकता है। मुझे बताया गया है कि जापान भी अब Less Cash Economy की तरफ प्रयास बढ़ा रहा है। आपको ये जानकर खुशी होगी कि भारत आज इस दिशा में बहुत आगे निकल चुका है। बीते चार वर्षों के दौरान ही UPI, BHIM और दूसरे Digital Platforms के माध्यमों से डिजिटल लेनदेन में करीब- करीब 7 गुना की बढ़ोतरी हुई है। वहीं Financial Inclusion को भारत Next Level पर ले जा रहा है और गांव-गांव तक Post Offices के माध्यम से Financial Services की होम डिलिवरी की जा रही है। आपने बचपन में डाकिया देखा है, आज वह डाकिया बैंकर बन गया है।

साथियों, आज भारत Digital Infrastructure के मामले में अभूतपूर्व तरक्की कर रहा है। गांव-गांव तक Broadband Connectivity पहुंच रही है और सौ करोड़ से भी अधिक मोबाइल फोन आज भारत में एक्टिव हैं। कभी कभी तो कहा जाता है कि भारत की जनसंख्या से ज़्यादा मोबाइल फ़ोन्स हैं। भारत में 1GB डेटा कोल्ड ड्रिंक की छोटी से छोटी Bottle से भी सस्ता है। यही सस्ता डेटा आज सर्विस डिलिवरी का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

वहीं मेक इन इंडिया आज Global Brand बनकर उभरा है। आज हम ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए बेहतरीन Product बना रहे हैं। विशेषतौर पर Electronics और Automobile Manufacturing में भारत Global हब बनता जा रहा है। Mobile Phone Manufacturing में तो हम नंबर वन बनने की तरफ तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।

साथियों, Make in India की सफलता के पीछे वो माहौल है जो बीते चार वर्षों में बिजनेस के लिए बना है। Ease of Doing Business Ranking में हमने 40 अंकों से अधिक की छलांग लगाई है। Global Competitive में हमने इस वर्ष भी 5 पायदान का सुधार किया है। वहीं Innovation के मामले में तो आज हम दुनिया के अग्रणी देशों की सूची में शामिल हो चुके हैं। यही कारण है कि भारत Start Up के मामले में दूसरा बड़ा Ecosystem बना है।

साथियों, भारत में जो भी Innovation हो रहे हैं, जो भी समाधान तैयार हो रहे हैं, वो सस्ते तो हैं ही गुणवत्ता के मामले में भी उत्तम हैं। भारत का स्पेस प्रोग्राम इसका बेहतरीन उदाहरण है। भारत दुनिया के अनेक देशों, प्राइवेट कंपनियों के सैटेलाइट बहुत ही कम खर्च पर आज स्पेस में भेज रहा है। पिछले वर्ष ही हमारे वैज्ञानिकों ने एक साथ सौ से अधिक सैटेलाइट लॉन्च करने का अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया था। हमने बहुत ही कम खर्च में चंद्रयान और मंगलयान अंतरिक्ष में भेजा, अब 2022 तक भारत गगनयान भेजने की तैयारी में जुटा है। ये गगनयान पूरी तरह से भारतीय होगा और इसमें अंतरिक्ष जाने वाला भी भारतीय होगा।

साथियों, जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक ऐसे अनेक परिवर्तन आज भारत में हो रहे हैं। इन्हीं परिवर्तनों के चलते आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। इन्हीं बदलावों को देखते हुए दुनिया की तमाम एजेंसियां कह रही हैं कि आने वाले दशक में दुनिया की ग्रोथ को भारत ड्राइव करेगा। भारत की इस ग्रोथ स्टोरी में जापान का, आप सभी का भी बहुत बड़ा योगदान रहने वाला है। बुलेट ट्रेन से लेकर Smart Cities तक आज जो New India का नया इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहा है उसमें जापान की भागीदारी है। भारत की Man-power, भारत की Youth Power को भी जापान की Skill का लाभ मिल रहा है।

साथियों, मैं आप सभी को New India के निर्माण में आपकी सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित करता हूं। भारत में निवेश और Innovation के लिए आज उपयुक्त अवसर तो हैं ही, साथ में अपनी जड़ों के साथ सक्रियता से जुड़ने का भी ये महत्वपूर्ण समय है। जापान में बसे भारतीयों ने जापानी दोस्तों के साथ मिलकर हमेशा से ही देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। स्वामी विवेकानंद जी को, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को, भारत की आज़ादी के आंदोलन को जो सहयोग जापान से मिला है, वो करोड़ों भारतीयों के दिल में हमेशा रहेगा। हमारे संबंध भविष्य में और घनिष्ठ हों, हमारी साझेदारी और मज़बूत हो, इसके लिए हम सभी को निरंतर प्रयास करने हैं।

मैं आज आपको इस मंच से, अगले साल जनवरी में होने वाले प्रवासी भारतीय दिवस और अर्धकुंभ के लिए भी आमंत्रित करता हूं। प्रवासी भारतीय दिवस तो इस बार वाराणसी में होगा, जहां की गंगा आरती देख कर प्रधानमंत्री अबे भी मंत्रमुग्ध हो गए थे। और वाराणसी आने का निमंत्रण मैं इसलिए दे रहा हूं क्योंकि मैं वहां का सांसद हूं। तो एक प्रकार से आप सब मेरे मेहमान हैं। दो दिन बाद विश्व के मानचित्र पर भारत अपनी नई पहचान स्थाई करने वाला है। 31 October सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती है। सरदार साहब की जन्म जयंती तो हम हर बार मानते आये हैं लेकिन इस बार पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित होने वाला है क्योंकि सरदार साहब की जन्म भूमि गुजरात की धरती पर सरदार साहब का दुनिया का सबसे ऊँचा statue बन रहा है। यह इतना ऊँचा है कि इसको समझने के लिए मैं कहूंगा की statue of Liberty से statue of Unity डबल ऊँचा है। सरदार साहब की प्रतिभा जितनी ऊँची थी यह प्रतिमा भी उतनी ही ऊँची बनेगी। हर हिंदुस्तानी गर्व से कह सकता है कि दुनिया का सबसे ऊँचा statue हिन्दुस्तान की धरती पर है, सरदार पटेल का है। 31 October को इसका लोकार्पण होगा। मुझे विश्वास है आप लोग जब भी भारत आएंगे आपके जापान के मित्र भारत आएंगे तो आप अवश्य उन्हें सरदार पटेल के विश्व के सबसे ऊँचे statue देखने के लिए जाने के लिए ज़रूर प्रेरित करेंगे। यही मेरा आग्रह है।

अंत में फिर आप सभी को दीपावली की बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आप इतनी बड़ी संख्या में सुबह सुबह आएँ इसके लिए भी हृदयपूर्वक बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं।

धन्यवाद!

अतुल कुमार तिवारी/कंचन पतियाल/बाल्मीकि महतो

(रिलीज़ आईडी: 1551040) आगंतुक पटल : 474

प्रधानमंत्री कार्यालय

मुम्बई में रिपब्लिक टीवी सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 18 DEC 2018 3:34PM by PIB Delhi

सबसे पहले मैं यहां मुंबई के अस्पताल में हुए हादसे पर अपना दुःख व्यक्त करता हूं। मेरी मुख्यमंत्री जी से इस बारे में बात हुई है। राज्य सरकार, पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद कर रही है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी पूरी संवेदना है।

साथियों,

पत्रकार द्वारा प्रेरित, पत्रकार द्वारा संचालित, शुद्ध पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्ध, रिपब्लिक टीवी, एक-सशक्त प्रयोग है। बहुत कम समय में आपके चैनल ने अपनी पहचान बनाई है। आप सभी देश के जन-जन तक सही सूचनाएं पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मैं Republic TV के पूरे मैनेजमेंट को, यहां काम करने वाले प्रत्येक जर्नलिस्ट को, देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्य कर रहे रिपोर्टर्स और स्ट्रिंगर्स को बधाई देता हूं। देश की दशा और दिशा पर विचार करने के लिए, इस प्रकार के आयोजन कर आप नए Ideas, नए Solutions के लिए भी लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। इसके लिए भी आप सभी को बहुत-बहुत बधाई।

साथियों,

आजादी के पहले, आजादी के दीवाने ही पत्रकारिता करते थे। पत्र-पत्रिकाएं, आजादी का बिगुल बजाती थीं। आजाद भारत में, सुखी-समृद्ध देश के लिए सकारात्मक खबरों की भी बहुत जरूरत है। देशवासियों में कुछ करने की इच्छा जगे, देश को आगे बढ़ाने की इच्छा जगे, ये बहुत आवश्यक है। जैसी स्वराज के आंदोलन की स्पिरिट थी, वैसी ही सुराज्य के आंदोलन की ऊर्जा होनी चाहिए। भारत, विश्व में एक ताकत के रूप में उभरे, इसके लिए कई क्षेत्रों में हमें वैश्विक ऊंचाई को प्राप्त करना होता है।

चाहे साइंस हो, टेक्नोलॉजी हो, इनोवेशन हो, स्पोर्ट्स हो, उसी प्रकार दुनिया में भारत की आवाज बुलंद करने के लिए हमारा मीडिया भी वैश्विक पहुंच बनाए, वैश्विक पहचान बनाए, ये समय की मांग है। आज भारत के मीडिया वर्ल्ड को, इस चुनौती को स्वीकार करना चाहिए।

साथियों,

Surging India, ये दो शब्द 130 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का प्रकटीकरण हैं। ये वो फीलिंग्स हैं, वो वाइब्रेशंस हैं, जो आज पूरी दुनिया अनुभव कर रही है। समाज जीवन के हर पहलू में वो वैश्विक मंच पर अपनी सही जगह की तरफ तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था हो, भारत की प्रतिभा हो, भारत की सामाजिक व्यवस्था हो, भारत के सांस्कृतिक मूल्य हों या फिर भारत की सामरिक ताकत, हर स्तर पर भारत की पहचान और मजबूत हो रही है।

साथियों,

आज मैं मीडिया के मंच पर हूं, सवाल आपको बहुत प्रिय होते हैं, इसलिए मैं भी कुछ सवालों के साथ अपनी बात की शुरुआत करूंगा। कहते हैं जैसा संग वैसा रंग, कुछ पल आपके साथ का संग है तो मुझे भी आदत लगती है। जैसे आपके सवालों में बहुत कुछ छिपा होता है, वैसे ही मेरे सवालों में भी आपको Surging India के बहुत से उत्तर अपने आप मिल जाएंगे।

साथियों,

क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि भारत इतनी जल्दी फाइव ट्रिलियन डॉलर Economies के क्लब में शामिल होने की तरफ अपना कदम बढ़ा देगा ? क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि Ease of Doing Business की रैंकिंग में 142 से 77 पर आ जाएगा, भारत टॉप 50 में आने की ओर तेज़ गति से कदम रख रहा है । क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि भारत में एसी ट्रेन में चलने वाले लोगों से ज्यादा लोग हवाई सफर करने लगेंगे ? हवाई जहाज में बैठे होंगे? क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि रिक्षा चलाने वाला भी,

सब्जी वाला भी और चायवाला भी BHIM App का इस्तेमाल करने लगेगा, अपनी जेब में रूपे डेबिट कार्ड रखकर अपना आत्मविश्वास बढ़ाएगा ?

क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि भारत का एविएशन सेक्टर इतना तेज आगे बढ़ेगा कि कंपनियों को एक हजार नए हवाई जहाज का ऑर्डर देना पड़ेगा ? और आपको जानकर के हैरानी होगी कि हमारा देश में आज़ादी से अबतक कुल 450 हवाई जहाज operational है, प्राइवेट हो, पब्लिक हो , सरकारी हो, कुछ भी हो । एक साल में एक हजार नए हवाई जहाज का order यह बताता है । क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि भारत में नेशनल वॉटरवेज एक सच्चाई बन जाएंगे, कोलकाता से एक जहाज गंगा नदी पर चलेगा और बनारस तक सामान लेकर आएगा ? क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि हम भारत में ही बनी, बिना इंजन वाली एसी ट्रेन का परीक्षण कर रहे होंगे, जो 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर दौड़ेगी ?

क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि भारत एक बार में सौ सैटेलाइट छोड़ने का रिकॉर्ड बनाएगा, और इतना ही नहीं गगनयान के लक्ष्य भी पर आज वह आगे बढ़ रहा है । क्या चार साल पहले किसी ने सोचा था कि Start Up की दुनिया से लेकर Sports की दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा इतनी ज्यादा बढ़ जाएगी ?

साथियों,

चार साल पहले ये भी किसी ने नहीं सोचा था कि एक दिन हेलीकॉप्टर घोटाले का इतना बड़ा राजदार, क्रिश्चियन मिशेल भारत में होगा, सारी कड़ियां जोड़ रहा होगा। चार साल पहले ये भी किसी ने नहीं सोचा था कि 1984 के सिख नरसंहार के दोषी कांग्रेस नेताओं को सज़ा मिलने लगेगी, लोगों को इंसाफ मिलने लगेगा। आखिर ये परिवर्तन क्यों आया ? देश वही है, लोग वही है, ब्यूरोक्रेसी वही है, हमारे साधन वही हैं, संसाधन वही हैं, फिर इस परिवर्तन की वजह क्या है ?

साथियों,

हमारे यहां एक साइकोलॉजी रही है कि जब सरकार के खिलाफ आरोप लगाते हुए कोई अदालत में जाता है, तो माना जाता है कि सरकार गलत होगी और आरोप लगाने वाला सही होगा । यह आमतौर पे हमारी मान्यता है, घोटाले हों, भ्रष्टाचार के आरोप हों, यही एक मानसिकता हमारे मन में घर कर गयी है, क्योंकि हमने वही देखा है पहले । लेकिन ये भी पहली बार हुआ है जब कुछ, सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत गए और अदालत ने उन्हें दो टूक जवाब मिला कि जो काम हुआ है, वो पूरी पारदर्शिता से हुआ है, ईमानदारी से हुआ है। हमारे देश में ऐसा भी होगा, चार साल पहले ये भी किसी ने नहीं सोचा था।

भाइयों और बहनों, मैं अकसर देखता हूं कि आप लोग ब्रॉडकास्ट के दौरान पहले और अब की Two Window, यानि दो स्थितियों का फर्क बहुत दिलचस्पी से दिखाते हैं। मेरे पास भी पहले और अब की बहुत दिलचस्प तस्वीर है जो Surging India को और प्रभावी बनाती है।

साथियों,

आज देश के सामने 2014 से पहले की एक तस्वीर है जब स्वच्छता का दायरा 40 प्रतिशत से भी कम था। अब 2018 के अंत में वही दायरा बढ़कर 97 प्रतिशत पहुंच चुका है। आज देश के सामने 2014 के पहले की तस्वीर है, जब देश के 50 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते नहीं थे। अब 2018 के अंत में, देश के हर परिवार बैंकिंग

सिस्टम से जुड़ चुका है। आज देश के सामने 2014 के पहले की एक और तस्वीर है जहां टैक्स देने वालों की संख्या 3 करोड़ 80 लाख थी। अब इस साल ये संख्या बढ़कर लगभग 7 करोड़ हो चुकी है।

आज देश के सामने 2014 के पहले की एक तस्वीर है जहां सिर्फ 65 लाख उद्यमी टैक्स देने के लिए रजिस्टर्ड थे। अब आज स्थिति ये भी है कि सिर्फ डेढ़ साल में 55 लाख नए उद्यमी रजिस्ट्रेशन के लिए आगे आए हैं। आज देश के सामने 2014 के पहले की एक तस्वीर है जहां मोबाइल बनाने वाली सिर्फ 2 कंपनियां थीं। आज उन्हीं मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों की संख्या बढ़कर 120 के पार हो गई है। 2 से 120।

साथियों,

पहले और अब का ये बदलाव, Surging India की बहुत मजबूत तस्वीर को सामने रखता है। ये सब इसलिए हो रहा है कि आज देश में Policy Driven Governance और Predictable Transparent Policies को आधार बनाकर हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। इसी का नतीजा है कि आज भारत में दोगुनी रफ्तार से हाईवे बन रहे हैं, दोगुनी रफ्तार से रेल लाइनों का दोहरीकरण हो रहा है, बिजलीकरण हो रहा है, 100 से ज्यादा नए एयरपोर्ट और हेलीपोर्ट पर काम हो रहा है, 30-30, 40-40 साल से अटकी हुई योजनाओं को पूरा किया जा रहा है।

आज आप भारत में कहीं भी जाएं, एक साइनबोर्ड जरूर देखने को मिलेगा- 'Work in Progress'.

साथियों,

ये साइनबोर्ड सही मायने में ये दिखाता है कि 'India in Progress'. सिर्फ सड़कें, फ्लाईओवर, मेट्रो नहीं, यहाँ नया भारत बनाने का काम हो रहा है ! मैं आज उस शहर में हूँ, जिसके लिए कहते हैं 'The city that never stops'. मैं यहां खड़ा होकर आपको ये कहना चाहता हूँ कि Today, 'India is a country that never stops'. न रुकेंगे, न धीमा पड़ेंगे, न थमेंगे : ये इंडिया ने ठान लिया है !

साथियों,

यहां मुंबई में भी 22 किलोमीटर लंबे मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का निर्माण, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम, डबल लाइन सब-अर्बन कॉरिडोर का काम, सैकड़ों किलोमीटर के मेट्रो कॉरिडोर का काम, सब 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद ही शुरू हुआ है। मुझे बताया गया है कि अंधेरी-विरार के व्यस्त section में नई ट्रेनें भी दी जा रही हैं, जिससे इस रेल लाइन की क्षमता 33 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

साथियों,

देश की ये आवश्यकताएं पहले भी थीं, मुंबई की ये आवश्यकताएं, ये जरूरतें, पहले भी तो थीं, कई दशकों से थीं। लेकिन काम अब हो रहा है। सोचिए क्यों ? इसका भी जवाब मैं आपको देना चाहता हूँ और कोशिश करूंगा कि आप टीवी वालों के तौर-तरीकों से ही जवाब दूं।

मैं जब कभी समय मिलता है, तो अरनब को देखता हूँ, देखने से ज्यादा सुनता हूँ कि कैसे वो बहुत सारे Guests को लेकर बैठ जाते हैं, और सवाल-जवाब करते हैं। Two Window और Multiple Window का पूरा ताम-झाम होता है।

साथियों,

ऐसी ही एक Multiple Window हर महीने दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय में भी बनती है। ये बैठक होती है प्रगति की और इसमें लेखा-जोखा लिया जाता है, दशकों से अटके हुए प्रोजेक्ट का। पिछले चार साल में खोज-खोजकर मैंने वो प्रोजेक्ट निकाले हैं, जो जाने कब से फाइलों में दबे हुए थे। मैं आपको जानकारी देना चाहता हूँ कि अब तक 12 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा के पुराने प्रोजेक्ट्स की समीक्षा, इस बैठक में की जा चुकी है। एक - एक प्रोजेक्ट की क्या अहमियत होती है, कैसे मेहनत होती है, ये भी मैं आपको मुंबई का ही उदाहरण लेकर बताता हूँ।

साथियों,

मुझे याद है करीब तीन साल पहले 'प्रगति' की बैठक में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का विषय आया था, तो मैं हैरान रह गया था। मुंबई में दूसरे एयरपोर्ट को लेकर नवंबर 1997 में पहली बार कमेटी बनी थी। तब से लेकर करीब-करीब 20 साल तक सिर्फ फाइलें ही इधर से उधर दौड़ती रहीं, मैं कहूंगा उड़ती रहीं। इस बीच कितनी सरकारें आईं, कितनी चली गईं, फाइलें उड़ती रहीं, जहाज कभी नहीं उड़ा। लेकिन नवी मुंबई एयरपोर्ट की फाइल आगे नहीं बढ़ पाई।

प्रगति की बैठक में Multiple Window बनाकर, सारे अफसरों, सारे विभागों को एक साथ, आमने-सामने लाकर, हमारी सरकार ने इस प्रोजेक्ट के सामने आ रहे सारे रोड़े दूर किए, और अब नवी मुंबई एयरपोर्ट पर तेजी से काम चल रहा है।

सोचिए, ये सिर्फ एक प्रोजेक्ट की कहानी है। और मैं फिर बता दूँ, ऐसे ही 12 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को हम तेज़ गति से आगे बढ़ा चुके हैं। Surging India के पीछे, जो कार्य-संस्कृति में बदलाव आया है, ये उसका जीता जागता उदाहरण है।

साथियों,

कुछ साल पहले एक मंच पर मैंने 2 मित्रों की एक कहानी सुनाई थी। एक बार ये दो दोस्त जंगल में टहलने के लिए चले गए। लेकिन बड़ा घना जंगल था भयानक पशु थे तो अपने साथ सुरक्षा का भी सामान रखे हुए थे, बढ़िया quality का pistol, बंदूक अपने साथ थी। और फिर उनको नज़र नहीं आ रहा होगा तो रुक करके गाड़ी से उतरके, सोचा की ज़रा टहल ले तो टहलने के लिए निकल पड़े और जब टहलने के लिए निकल पड़े तो अचानक एक शेर आ गया। और सामान तो गाड़ी में पड़ा था, बंदूक तो गाड़ी में पड़ी थी, वहीं छोड़ आये और ये टहल रहे थे शेर आ गया। लेकिन अब इस परिस्थिति का मुकाबला कैसे करें? भागे तो भागे जाएं कहाँ? लेकिन उसमें से एक जो था उसने अपनी जेब से revolver का लाइसेंस निकाल के शेर को दिखाया की देख मेरे पास है।

साथियों,

हमारे देश में यही होता रहा है। साथियों, यही हमारी पहले की सरकार की approach थी। कुछ भी हो Act दे दो Action का कोई ठिकाना नहीं होता था। जब मैंने ये कहानी सुनाई थी, तब तो मैं प्रधान मंत्री भी नहीं था। तब मैंने कहा था कि हमें Act से भी आगे बढ़कर मजबूती के साथ Action लेने की ज़रूरत है। सरकार में आने के बाद, ये हमने कैसे साकार किया मैं आपको बताता हूँ।

साथियों,

पिछली सरकार Food Security Act लेकर आई, बहुत गाने बजाये, उनके जो गीत गाने वाले लोग हैं बहुत चिल्ला चिल्ला के गाते रहते थे। बहुत हल्ला किया गया, बहुत तालियां बटोरी गईं, लेकिन हम जब 2014 में सत्ता में आए तब तक सिर्फ 11 राज्यों ने ही इसका लाभ लिया था। सोचिए, इतनी तालियां बटोरने के बाद भी भारत की बहुत बड़ी जनसंख्या इसका लाभ नहीं ले पा रही थी।

हमने आने के बाद सुनिश्चित किया कि सारे 36 राज्यों और union territories के लोगों को इसका लाभ पहुंचना चाहिए। इसी तरह 2013-14 में बड़ी चर्चा चल रही थी कि गैस के 10 सिलेंडर देंगे या 12 सिलेंडर देंगे और इसके नाम पर चुनाव लड़े जा रहे थे। लेकिन 2014 तक भारत के सिर्फ 55 प्रतिशत घरों में ही गैस का कनेक्शन था।

आप सोचिए 10 सिलेंडर-12 सिलेंडर के नाम पर चुनाव लड़े गए और देश की आधी जनता के पास तो गैस का कनेक्शन ही नहीं था।

साथियों,

हमारी सरकार, समस्याओं के स्थाई समाधान के लिए काम कर रही है, देश के सामने जो चुनौतियां हैं, उनके Permanent Solutions की ओर बढ़ रही है। हम ऐसी व्यवस्थाओं को तोड़ रहे हैं, खत्म कर रहे हैं, जिन्होंने दशकों से देश के विकास को रोक रखा था। मैं आपको Insolvency and Bankruptcy Code यानि IBC का उदाहरण देना चाहता हूं।

साथियों,

हमारे देश में कर्ज को लेकर एक अजीब सी परंपरा थी कि कोई गरीब या निम्न मध्यम वर्ग का व्यक्ति एक लाख का कर्ज बैंक ले, और उसे लौटा न पाए तो उसका बचना मुश्किल हो जाता था। लेकिन इसके अलावा एक और तस्वीर से आप भली-भांति परिचित रहे हैं। देश में हजारों ऐसी बड़ी-बड़ी कंपनियां थीं, जो बैंक से 5-10 लाख नहीं, 5-10 करोड़ नहीं, बल्कि पांच सौ हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेती थीं।

लेकिन अलग-अलग वजहों से जब ये कंपनियां बीमार पड़ती थीं, घाटे में चली जाती थीं, बैंकों का पैसा नहीं लौटा पाती थीं, तो इन कंपनियों को और इन कंपनियों के मालिकों को कुछ नहीं होता था।

साथियों,

आजादी के बाद से 70 साल से देश में यही व्यवस्था चली आ रही थी। जानते हैं, ऐसा क्यों था ? ऐसा इसलिए था क्योंकि इन कंपनियों को एक खास तरह का सुरक्षा कवच मिला हुआ था। ये एक ऐसा सुरक्षा कवच, जिसमें कुछ खास लोगों, कुछ खास परिवार के निर्देश चलते थे। ये ऐसा सुरक्षा कवच था जो बैंकों को कार्रवाई से रोकता था, जो कंपनियों को भी प्रोत्साहित करता था कि क्यों लौटाओ बैंकों का पैसा, कौन आपसे पैसे मांगने आ रहा है ?

भाइयों और बहनों, मुझे पता कि कितनी दिक्कतें आईं, किस तरह के दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन 2016 में Insolvency and Bankruptcy Code बनाकर मैंने इस सुरक्षा चक्र को तोड़ दिया। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि बैंकों से कर्ज लेकर बैठ जाने वाले, बीमार कंपनी के बहाने देश का हजारों करोड़ रुपए लेकर बैठे ऐसे लोग, ऐसी कंपनियां खुद अपना पैसा लौटाने लगी हैं।

भाइयों और बहनों,

सिर्फ दो साल में अब तक सवा लाख करोड़ रुपए खुद चलकर ऐसी कंपनियों ने बैंकों को और अपने देनदारों को लौटाए हैं। इसमें से बहुत सारी राशि छोटे सप्लायर्स की थी, छोटे उद्यमियों की थी, MSME सेक्टर की थी। जिन कंपनियों पर इस कानून का डंडा चला है, ऐसी कंपनियों से अब तक पौने दो लाख करोड़ रुपए का कर्ज वापस लिया जा चुका है। यानि एक तरह से देखें तो 2016 में जो नया कानून बनाया, उसके बाद करीब-करीब तीन लाख करोड़ रुपए का कर्ज इन करोड़पतियों ने, इनकी कंपनियों ने अपने बैंकों को, अपने देनदारों को चुकाने के लिए मज़बूर होना पड़ा है। और ये प्रक्रिया आज भी जारी है।

साथियों,

इसी तरह बैंकों को लूटकर जो भगोड़े हो जाते हैं, उनके लिए भी सख्त कानून अपना काम कर रहा है। अब देश में ही नहीं विदेशों में भी ऐसे अपराधियों की संपत्ति कुर्क हो रही है। ऐसे तमाम अपराधियों को दुनिया के किसी भी कोने में छुपने की जगह नहीं मिले, इसके लिए ये सरकार प्रतिबद्ध है।

साथियों,

भ्रष्टाचार को भारत में न्यू नॉर्मल मान लिया गया था। भारत में ये तो चलता ही है, इतना तो चलता ही है। अगर कोई सामने से आवाज़ उठाता था, नियम-कायदों की याद दिलाता था, तो सामने से तुरंत जवाब मिलता था कि, ये भारत है, यहां ऐसा ही चलता है। ऐसा ही क्यों चलना चाहिए ? कब तक चलना चाहिए ? स्थिति को वैसा ही क्यों रहना चाहिए ? ऐसी स्थिति को बदलना क्यों नहीं चाहिए ?

साथियों,

पिछले 4 साढ़े चार साल में, मैं इसी स्थिति को बदलने का प्रयास कर रहा हूं, देश को पीछे ले जाने वाली बंदिशों को तोड़ने का काम कर रहा हूं। कुछ लोग देश को भ्रमित करने में जुटे हुए हैं। लेकिन मुझे सत्य की शक्ति पर भरोसा है, और सत्यनिष्ठ देशवासियों पर मेरा भरपूर भरोसा है।

भाइयों और बहनों, आज भारत की विदेश नीति घरेलू मामलों, तुष्टिकरण के दबाव के तहत हम नहीं चल रहे हैं, बल्कि हमारी सारी नीतियां, सारी योजनाएँ सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय राष्ट्रहित से तय होती है। हमें कहां जाना है, किस देश के साथ संबंध रखने हैं, वो दोनों देशों के आपसी हितों से तय होते हैं।

यही कारण है कि भारत के पासपोर्ट की ताकत आज बढ़ी है। आज पूरी दुनिया में भारत की आवाज़ गंभीरता से सुनी जा रही है। दुनिया की ताकतवर संस्थाओं में भारत को प्रतिनिधित्व मिल रहा है। भारत की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ विचार होता है और भारत के लिए विशेष प्रावधान किए जाते हैं। OPEC जैसी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व ना होने के बावजूद भारत की बात सुनी जाती है।

साथियों,

ये दुनिया में भारत के प्रति बढ़े विश्वास और हमारे मजबूत संबंधों का ही परिणाम है, कि भारत को धोखा देने वाले, हमारी व्यवस्थाओं से खेलने वालों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। उनको भारत को सौंपा जा रहा है।

साथियों,

जब सार्वजनिक जीवन में सुचिता, पारदर्शिता हो और लोगों के लिए काम करने के प्रति, Conviction हो, कमिटमेंट हो तो बड़े और कड़े फैसले लेने का हौसला अपने आप आ जाता है। हमारे देश में दशकों से जीएसटी की मांग थी। आज हम संतोष के साथ कह सकते हैं कि जीएसटी लागू होने के बाद बाजार की विसंगतियां दूर हो रही हैं और सिस्टम की कार्य क्षमता बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता की तरफ हम बढ़ रहे हैं।

समाज के मेहनती और उद्यमी लोग, जो बाजार से जुड़े हैं, उन्हें एक साफ-सुथरी, सरल, इंस्पेक्टर राज से मुक्त व्यवस्था मिल रही है। पूरे भारत ने एक-मन होकर, इतने बड़े टैक्स रीफॉर्म को लागू करने के लिए प्रयास किया। हर किसी ने अपना योगदान दिया है। हमारे कारोबारियों और लोगों के इसी जज्बे का परिणाम है कि भारत इतना बड़ा बदलाव करने में सफल हो सका। विकसित देशों में भी छोटे-छोटे टैक्स रीफॉर्म लागू करना आसान नहीं होता है।

जैसा मैंने पहले कहा-जीएसटी लागू से पहले रजिस्टर्ड इंटरप्राइजेज की संख्या मात्र 66 लाख थी। जो अब बढ़कर 1 करोड़ 20 लाख हो गई है। शुरुआती दिनों में जीएसटी अलग-अलग राज्यों में वैट और एक्साइज की जो व्यवस्था थी, उसी की छाया में आगे बढ़ रहा था। जैसे-जैसे विचार-विमर्श हुआ, stakeholders से बात हुई, राज्य सरकारों से बात हुई, economists से बात हुई, टैक्स practitioners से बात हुई, धीरे-धीरे इसमें भी बदलाव आते रहे।

साथियों,

आज जीएसटी का सिस्टम काफी हद तक स्थापित हो गया है। और हम अभी भी आवश्यकता के अनुसार जन सामान्य के अनुकूलता के हिसाब से उसको ढालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण बात आपको बताना चाहता हूँ आज हम उस स्थिति की तरफ पहुंच रहे हैं, जहां 99 प्रतिशत चीजें, 18 प्रतिशत या उससे कम टैक्स के दायरे में लाई जा सकती हैं। और हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके बाद जो एक आध-प्रतिशत लक्जरी आइटम्स होंगे, वे ही शायद 18 प्रतिशत के बहार रह जायेंगे, जिसमें कोई हवाई जहाज खरीद करके लाता है, कोई बहुत बड़ी मेहेंगी गाड़ी खरीद करके लाता है, शराब है, सिगरेट है ऐसी कुछ चीजे, मुश्किल से एक परसेंट भी नहीं। हमारा ये मत है कि GST को जितना सरल और सुविधा जनक किया जा सकता है, उसे किया जाना चाहिए। और यह स्पष्ट है, और मैं तो अभी जो GST council की मीटिंग होगी उसके लिए भी मैंने अपने सुझाव दे दिये हैं, क्योंकि

वह सभी राज्य मिल करके तय करते हैं, 99 परसेंट चीजें 18 परसेंट से नीचे हो जाएँगी आधा पौना या एक परसेंट, हवाई जाहज हो, बड़ी गाडी हो, शराब हो, सिगरेट हो, ऐसी चीजों को छोड़कर, सामान्य मानव से जुडी हुई सारी चीजे 99 परसेंट, 18 परसेंट से नीचे हो जाएँगी। और यह काम हम लगातार करते करते लक्ष्य को पार करने के दिशा में पहुंच रहे हैं।

साथियों,

मेरा और मेरी सरकार की सोच और विजन स्पष्ट है। दुनिया का सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश छोटे सपने नहीं देख सकता। सपने, आकांक्षाएं और लक्ष्य तो ऊंचे ही होने चाहिए। हम बड़े लक्ष्य की तरफ ईमानदारी से प्रयास करेंगे, तो उसे प्राप्त भी करेंगे। लेकिन लक्ष्य ही छोटा रखोगे तो सफलता भी छोटी ही नजर आएगी।

साथियों,

सरकार का पूरा सिस्टम, पूरी मशीनरी 70 वर्ष के सतत विकास से बनी है। 4 साढ़े 4 वर्ष पहले भी यही सिस्टम था, यही मशीनरी थी। लेकिन आज काम करने की स्पीड और स्केल दोनों कई गुणा बढ़ गए हैं। आज अनेक लक्ष्य ऐसे हैं जिनकी तरफ हम तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। सबके पास अपना घर हो, हर घर में 24 घंटे रोशनी हो, साफ पानी और साफ ईंधन सबको सुलभ हो, इन लक्ष्यों के बहुत नज़दीक आज भारत पहुंच रहा है। बच्चों को पढ़ाई, युवा को कमाई, बुजुर्गों को दवाई, किसान को सिंचाई और जन-जन की सुनवाई, इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक-एक पल हमारा समर्पित है।

साथियों,

एक नया विश्वास लिए, न्यू इंडिया, विश्व पटल पर अपनी भूमिका तय कर रहा है। नए ग्लोबल ऑर्डर में अपने रोल को Redefine कर रहा है। आने वाले दो दिनों में इस रोल पर देश विदेश से जुटे मेहमान यहां गंभीर चर्चा करेंगे, इसके लिए मेरी तरफ से आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं हैं। नई ऊर्जा पर सवार New India के बारे में बताने का आपने अवसर दिया, इसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। और मुझे विश्वास है की जिस सपने को लेकर के पत्रकारिता से जुड़े हुए कुछ नौजवानों ने रिपब्लिक टी.वी. का प्रयोग किया है और अब तो हिंदी में भी जा रहे हैं, देश की अन्य भाषाओं में भी जाने का सोचेंगे लेकिन विश्व में भी अपनी जगह बनाने का सपना लेकर के चलेंगे इसी शुभकामना के साथ बहुत बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी, कंचन पतियाल

(रिलीज़ आईडी: 1556597) आगंतुक पटल : 386

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला में जन आधार रैली पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूलपाठ

प्रविष्टि तिथि: 27 DEC 2018 5:41PM by PIB Delhi

भारत माता की - जय

भारत माता की - जय

विशाल संख्या में पधारे हुए देवभूमि के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों।

जब भी हिमाचल आने का मौका मिलता है और जैसे ही आप लोगों के बीच में आता हूं तो ऐसा लगता है कि अपने घर आ गया हूं; अपनों के बीच आ गया हूं। बहुत लम्बे अर्से तक यहां के कोने-कोने में जा करके संगठन का काम करने का सौभाग्य मिला था, बहुत कुछ सीखने को मिला था और मुझे खुशी है कि उस समय जो तहसील स्तर पर, जिले स्तर पर संगठन के काम में मेरा साथ दे रहे थे; ऐसे सब आज दो दशक के भीतर-भीतर हिमाचल की प्रथम पंक्ति के सारे लीडर बन गए हैं। और ये दृश्य मुझे कितना आनंद देता होगा शायद इसकी कल्पना कोई और नहीं कर सकता है।

छोटे स्तर पर जिन साथियों को देखा हो, उनके सामर्थ्य को अनुभव किया हो और वे फलें, फूलें, खिलें, अपने कार्य की महक सब दूर पहुंचा दें; तब इतना संतोष होता है, ऐसा लग रहा है जैसे जीवन का वो कालखंड धन्य हो गया। और इसके लिए मैं हिमाचल के उन सभी साथियों को भी आज हृदय से बधाई देता हूं, जिनके साथ कंधे से कंधा मिला करके कई वर्षों तक मुझे काम करने का मौका मिला और आज वो प्रगति की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं और अपने पुरुषार्थ से हमारे प्यारे हिमाचल को भी नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

ये पवित्र भूमि है, ये देवी-देवताओं की भूमि है, ये देवभूमि है। मां ज्वाला जी हो, चामुण्डा जी हो, चिंतपुरणी मां हो, भीमाकाली हो, हिडम्बा देवी हो, कितनी यादें, किस-किस कोने में कैसी-कैसी चेतना; सब कुछ यहां की विरासत है। हर गांव- देवी-देवताओं के स्थान वाला गांव, ऐसा जनजीवन जहां शांति-ये सहज स्वभाव है।

कोई कल्पना कर सकता है कि यहीं की वीर माताओं की संतान देश की रक्षा में कंधे पर बंदूक लेकर खड़े होते हैं तो दुश्मन उसको देख करके कांप जाता है। वीरता, शौर्य, सामर्थ्य इस धरती के वीरों की रंगों में है। लेकिन ये भी बड़ी खुशकिस्मती है कि सीमा पर मरने-मारने का सामर्थ्य रखने वाले ये वीर पुत्र और ये वीर माताएं हिमाचल में हर घर यहां शांति का दूत होता है। ये अपने-आप में बहुत बड़ी बात है। ऐसा शांतिपूर्ण जीवन, इतना भाईचारा, इतना प्यार, मैंने तो इतना अनुभव किया है कि आज उसी को बोलता चलूं ये मेरा मन करता है। शांति की कोख से वीरता पैदा होती है यहां और वो वीरता अक्षुण्ण होती है। ये अपने-आप में शायद हिमाचल की विशेष पहचान है।

मैं फिर एक बार आज- और ये धरती, मैं हेलीपैड से जब आया तो शांता जी ने तुरंत पुरानी यादें ताजा कर दीं कि आओ भई अब अपना पुराना कांगड़ा। यही धौलाधार- आज तो साफ नजर नहीं आ रहा है। और अब ये हमारा धर्मशाला; हिन्दुस्तान के खेल जगत में उसने अपनी जगह बनाई है। देशभर के खेल जगत के लोगों के लिए ये आकर्षण का केन्द्र बना है। और इतने कम समय में इस क्षेत्र का जो विकास हुआ है, वो देखते ही बनता है, और मैं इसके लिए आप सबको साधुवाद देता हूं, आपको बधाई देता हूं।

इस बार तो मैं यहां से चला जाऊंगा तुरंत क्योंकि कार्यक्रम, पार्लियामेंट भी चल रही है, तुरंत निकलना भी पड़ेगा। लेकिन फिर भी, कभी-कभी याद करके भी तो मन में मजा आता है। हम यहां आए और कांगड़ी धाम को याद न करें। अक्सर शादी-ब्याह समारोह में कांगड़ी धाम- इसका आनंद कौन नहीं लेता है। चने और मास की दाल, जिमीकंद की सब्जी, रंगीन चावल और जब मदरा परोसा जाता है। चलिए आज तो ऐसे ही जाना पड़ेगा।

मैं जो फिल्म दिखाई गई, मैं सचमुच में बहुत प्रभावित हुआ। एक राज्य के अंदर एक साल कोई ज्यादा समय नहीं होता है, बहुत कम समय होता है। शुरू में तो नई सरकार को दफ्तर ठीक करना, पुरानी चीजें साफ करना; उसी में समय लग जाता है। लेकिन फिल्म में मैंने देखा कि एक साल के भीतर-भीतर इतना काम किया है आपने, इतने initiative लिए हैं, जन-सामान्य तक पहुंचने का जो प्रयास किया है, सरकार को गांव-गांव, घर-घर ले जाने का जो प्रयास किया है; मैं जयराम जी को, उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। ये अपने-आप में बहुत बड़ा काम है। अब आप सबने तो काम किया है लेकिन मेरा एक काम करोगे आप लोग? करोगे? जरा जोर से बताओगे तो पता चलेगा।

करेंगे?

पक्का?

वैसे हिमाचल के लोग जो बोलते हैं वो करके दिखाते हैं जी। कभी पीछे नहीं रहते। आज जरूर एक काम कीजिए। ये जो फिल्म यहां दिखाई गई, आप कोशिश कीजिए कि हिमाचल के किसी भी व्यक्ति का मोबाइल ऐसा न हो कि जिस मोबाइल में इसकी connectivity न पहुंची हो, इसकी clip न पहुंची हो, और वो अपने मोबाइल पर देखे।

कर लेंगे आप लोग काम?

पक्का करेंगे?

देखिए, फिर लोगों को लगेगा कि यहां कितना बड़ा काम होता है।

साथियों, हिमाचल और अटलजी, एक अटूट नाता रहा और उनके लिए तो ये उनका दूसरा घर हुआ करता था। और हमेशा कुछ न कुछ समय वो हिमाचलवासियों के बीच बिताते थे। आज हिमाचल में औद्योगिक विकास की जो संभावनाएं पैदा हुई हैं, इसकी अगर मजबूत नींव डालने का काम किया है तो अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया है। और उसी डोर को पकड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार हिमाचल में सिर्फ टूरिज्म नहीं, सिर्फ खेती नहीं औद्योगिक दृष्टि से भी ये कैसे आगे बढ़े, उसके लिए काम का जिम्मा उठाया है।

आमतौर पर एक कहावत पुरानी कही जाती थी- उस कहावत को पूरी तरह गलत सिद्ध करने का काम आज भारतीय जनता पार्टी की जयराम जी की सरकार कर रही है। पुरानी कहावत हम लोग भली-भांति परिचित हैं- कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी कभी पहाड़ के काम नहीं आती है- ऐसा कहा जाता है। पहाड़ का पानी बह करके चला जाता है, पहाड़ की जवानी रोजी-रोटी कमाने के लिए कहीं दूर चली जाती है।

लेकिन आज हिमाचल की सरकार ने ये सिद्ध कर दिया है कि पहाड़ का पानी भी पहाड़ के काम आ रहा है और पहाड़ की जवानी भी पहाड़ के काम आएगी, हिमाचल के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम आएगी। और इसके लिए वोक्शनल ट्रेनिंग, स्किल डेवलपमेंट; अभी जब मैं प्रदर्शनी देख रहा था- human resource development पर इतना बल दिया गया है।

खास करके नई पीढ़ी के भविष्य को बनाने के लिए जिस प्रकार से बारीकी से योजनाएं बनाई गई हैं, सचमुच में किसी को भी प्रभावित करने वाली हैं और ये आज नहीं, आने वाले कुछ वर्षों में ये ऐसी ताकत बनके उभरेगा, ऐसी ताकत बनके उभरेगा, शायद पहाड़ी राज्यों में या छोटे राज्यों में कोई हिमाचल की स्पर्धा नहीं कर पाएगा, ये मैं अपनी आंखों से साफ देख रहा हूं। और इसलिए इन योजनाओं के लिए भी, औद्योगिक विकास की दिशा में जाने के प्रयासों के लिए मैं सचमुच में एक साल के भीतर-भीतर इतनी बड़ी, इतनी व्यापक और इतनी और इतनी दीर्घदृष्टा वाली योजनाएं, हिमाचल का भाग्य कितना मजबूत हो दिशा में आगे बढ़ेगा, इसका संकेत करते हैं।

अब जब कोई ज्यादा काम करता है, अच्छा काम करता है और अच्छे ढंग से करता है तो फिर हमारा भी तो मन करता है, हम भी तो उसके लिए कुछ करें। हमारा भी मन करता है- आप देखिए, जब दिल्ली में पुराने वाली सरकार थी- पता है ना? तब हिमाचल को 21 हजार करोड़ रुपया मिलता था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, आपने मुझे सेवा करने का मौका दिया, तो आज हिमाचल को 21 हजार के सामने अब 72 हजार करोड़ रुपया दिया जा रहा है।

यानि पहले वाली सरकार से 50 हजार करोड़ रुपया ज्यादा। और ये इसलिए संभव होता है क्योंकि भारत सरकार को भरोसा है कि यहां की पाई-पाई का सही उपयोग होगा। यहां की पाई-पाई में से नया हिमाचल बनेगा, उज्ज्वल हिमाचल बनेगा, समृद्ध हिमाचल बनेगा, प्रगति की नई ऊंचाइयों को पार करने वाला हिमाचल बनेगा- ये पूरा भरोसा भारत सरकार को हिमाचल पर है। यहां की जनता पर भी है और आपने जिन नुमाइंदों को बिठाया है, उन नुमाइंदों पर भी भरोसा है। और इसलिए मैं देख रहा हूं कि किस प्रकार से पाई-पाई का अच्छा उपयोग हो रहा है। स्थाई रूप से विकास के लिए हो रहा है।

मुझे बराबर याद है जब मैं यहां संगठन का काम करता था तो मेरा आग्रह रहता था शक्ति केंद्र तक जाऊं और आधे से अधिक शक्ति केंद्र ऐसे होते थे कि जहां पर पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं मिलती थी; छोटी-मोटी पहाड़ी चढ़ करके पहुंचना पड़ता था। लेकिन इन दिनों प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के साथ connectivity को जो दायरा बढ़ाया जा रहा है- यहां के जीवन को जो कठिनाइयों से गुजरना पड़ा है- उसमें जो सुविधाएं देने के लिए सारी व्यवस्थाएं और उसके लिए infrastructure बहुत बड़ी आवश्यकता होती है।

मुझे बराबर याद है हमारे ला-स्पीति में वहां के आलू, ये अपने-आप में किसी को भी जो उससे परिचित हैं- उसको पता है, लेकिन मैं जब यहां काम करता था मेरे मन में हमेशा रहता था कि इतनी समृद्ध पैदावार यहां की- लेकिन infrastructure के अभाव में ये बाजार तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती है और यहां के किसानों को जो मिलना चाहिए नहीं मिल पाता है, ये मुझे उस समय लगा करता था। और अब value addition की दिशा में काम चल रहा है, सोचा जा रहा है। यानि दूर-दराज क्षेत्रों में भी किस प्रकार से जीवन बदलेगा, इसका अंदाज है।

पिछले दिनों में एक बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय किया, किसानों के लाभदायक और खास करके हिमाचल के किसानों को बहुत लाभ करने वाला है, कि जितने कोका-कोला, पेप्सी, फेंटा; ये जितनी बोतलों में पानी बिकता है- aerated water हमने कंपनियों को बुलाया कि भाई आप का जो टेस्ट है, आपकी क्वालिटी है, आप चलाइए- बहुत बड़ा मार्केट है आपका। लेकिन एक छोटी सी हमारी बात मान लीजिए। उसमें 5 प्रतिशत जो natural fruit है, उस फलों का रस मिक्स कीजिए। ताकि मेरे किसानों का फलों का एक बहुत बड़ा बाजार मिल जाए और जो ये आपकी बोतल का पानी पीते हैं उनको कुछ शरीर को लाभ करने वाले तत्व भी मिल जाएं।

और मुझे खुशी है कि आज धीरे-धीरे ऐसी कंपनियां आगे आ रही हैं और वो अपने जो aerated water हैं उसमें natural fruit juice, उसको उपयोग कर रहे हैं, करना शुरू कर रहे हैं, कुछ लोग नए आगे आ रहे हैं। ये आने वाले दिनों में फलों की खेती करने वाले हमारे किसानों के लिए एक बहुत बड़ा

मार्केट पैदा करेंगे, ऐसा मेरा पूरा विश्वास है।

जहां तक infrastructure का सवाल है हम next generation infrastructure पर बल दे रहे हैं। आज highway हो, railway हो, बिजली हो, सोलार सिस्टम हो, पेट्रोलियम की व्यवस्था हो- करीब-करीब 26 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स इस क्षेत्र में भारत सरकार की योजना से आज हिमाचल के इस छोटे से राज्य में अलग-अलग कोने में चल रहे हैं। 26 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट- आप कल्पना कर सकते हैं जब ये काम पूर्ण होंगे तब वो हिमाचल के जीवन को कैसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

रेलवे की बात- अब कालका-शिमला रेलवे- जो भी टूरिस्ट आता है, उसके मन में ये तो रहता है चलो इस ट्रेन में भी जरा यात्रा करके देखें तो सही- उस जमाने की ट्रेन क्या हुआ करती थी। आपने देखा होगा अब उसमें बदलाव किया है। उन डिब्बों को पूरी तरह transparency से बनाया गया है- प्लास्टिक का, ताकि उसमें यात्रा करने वाला पूरी यात्रा के दरम्यान भी प्रकृति का दर्शन कर सके, प्रकृति का आनंद लूट सके। टूरिज्म के लिए कैसे बदलाव लाया जा सकता है- छोटा सा प्रयास है लेकिन इरादों का उसमें सीधा-सीधा संदेश भी है। इस काम को करने का हमने प्रयास किया।

रेलवे से जुड़ना- ये भी अपने-आप में एक बहुत बड़ी बात होती है। करीब 15 हजार करोड़ रुपये के खर्च से चार बड़ी रेल लाइन- इन पर काम चल रहा है। नांगल बांध-कलवारा परियोजना, चंदीगढ़-भदोई, भानुपल्ली-बिलासपुर बरी रूट और ऊना-हमीरपुर रूट- 15 हजार करोड़ रुपये से रेल नेटवर्क- ये भी आने वाले दिनों में आधुनिक हिमाचल की दिशा में एक नई गति देनेवाला काम। मैं समझ सकता हूं, आज सामान्य मानवी में मेरा एक सपना रहा है कि जो हवाई चप्पल पहनता है उसको भी हवाई जहाज में जाने का अवसर होना चाहिए। हिमाचल में टूरिज्म बढ़ाने के लिए हवाई यात्रा का महत्व बहुत है। और भारत सरकार ने उड़ान नाम की योजना बनाई- बहुत ही सस्ते में यात्रियों को लाना-ले जाना। उसकी शुरुआत भी मैंने शिमला आ करके की थी। अब आने वाले दिनों में इसका विस्तार भी होने वाला है। हेलीकॉप्टर सेवा भी प्रारंभ हुई है, और भी सेवाएं प्रारंभ होने वाली हैं। और इससे सीधा लाभ हिमाचल के टूरिज्म को मिलने वाला है।

Connectivity का एक नया- यानी जल हो, थल हो, नभ हो, जिस प्रकार से connectivity को बढ़ाया जा सके- उसको बढ़ाने की दिशा में हम काम कर रहे हैं। और हिमाचल का उज्ज्वल भविष्य, transformation हिमाचल का अगर करना है तो दो पटरी की गाड़ी है, उस दो पटरी की गाड़ी- एक है transportation और दूसरा है टूरिज्म। ये transformation को सबसे बड़ी तेज गति से चलाने वाली ये दो पटरी हैं। हम उसी पर बल दे रहे हैं।

अब टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में हम आगे काम कर रहे हैं। National highway projects- नौ हजार करोड़ से अधिक की लागत से National highway projects, इसका भी काम यहां पर चल रहा है। बहुत सारे प्रोजेक्ट अब पूर्णता पर पहुंचे हैं और उसका लाभ भी आने वाले दिनों में आने वाले दिनों में होने वाला है।

मैंने पहले ही कहा कि हिमाचल के उज्ज्वल भविष्य में टूरिज्म की एक बहुत बड़ी ताकत है। टूरिज्म वो क्षेत्र है जहां कम से कम लागत से अधिकतम लोगों को रोजगार मिलता है। और भारत दुनिया के टूरिज्म के आकर्षण का केंद्र अब बनता चला जा रहा है। पहले लोग ताजमहल से अधिक कुछ ज्यादा परिचित नहीं थे। अब हिन्दुस्तान को जानने-समझने का विश्व में एक आकर्षण पैदा हो रहा है।

आप देखिए- 2013 में हमारे देश में विदेश के जो टूरिस्ट आए उसकी संख्या थी 70 लाख- 2013 में। और 2017 में ये संख्या बढ़ करके एक करोड़ हो गई। यानी अब करीब-करीब 45 प्रतिशत की वृद्धि इसमें हो गई। अब टूरिज्म आता है बाहर का तो पैसे भी खर्च करता है और उसी से वहां रोजी-रोटी की संभावनाएं बनती हैं। एक अनुमान है 2013 में जो टूरिस्ट आए- करीब 18 बिलियन डॉलर उन्होंने खर्च

किए जबकि चार साल के भीतर-भीतर ये टूरिस्टों का खर्च करने का दायरा है- वो 18 बिलियन से बढ़ करके 27 बिलियन डॉलर हो गया- करीब-करीब 50 प्रतिशत वृद्धि। यानी ये पैसे भी सामान्य-मध्यम वर्गीय परिवारों के पास पहुंचते हैं और उसका लाभ होता है।

2013 में भारत में approved hotels 1200 थे- चार साल के भीतर-भीतर ये approved hotels की संख्या 1200 से बढ़ करके 1800 हो गई। सिर्फ चार साल के अंदर इसमें भी इतनी बड़ी वृद्धि देखी गई है। ये टूरिज्म का सफलता की दिशा में आगे बढ़ने वाला क्षेत्र है। एक world economy forum है जो travel और tourism का ranking करता है, competitive race का ranking करता है।

आपको जान करके खुशी होगी कि हमारी सरकार आने के पहले हम 65वें नंबर पर पड़े थे। चार साल के भीतर-भीतर टूरिस्ट के मानदंड की दृष्टि से जो सुधार करने चाहिए, infrastructure में जो सुधार करना चाहिए, connectivity में बदलाव करना चाहिए, होटलों की व्यवस्थाओं में बदलाव करना चाहिए, नागरिकों की सुरक्षा का विश्वास पैदा होना चाहिए- ये सारे मानदंड के आधार पर दुनिया मूल्यांकन करती है। हमारी सरकार आने के पहले जहां हम 65 नंबर पर खड़े थे, आज मुझे खुशी है कि अब हम 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं और 25 के नीचे लाने की कोशिश है हमारी।

और इसके दुनिया के टूरिस्टों को इन मानदंडों के आधार पर टूरिज्म के अंदर हमने ई-वीजा भी शुरू किया। ई-वीजा के कारण भी विदेशी पर्यटकों को वीजा की कठिनाइयों से मुक्त हो करके बड़ी सरलता से भारत में आने का अवसर प्राप्त हो रहा है और उसका लाभ मिल रहा है। टूरिज्म का जैसे यहां महात्म्य है वैसा ही यहां हमारे फौजी भाई रहते हैं। कोई परिवार ऐसा नहीं होगा जहां मेरा फौज का कोई जवान न रहता हो। One rank-One pension- 40 साल से इस देश का सेना का जवान मांग रहा था। सरकार सुनने को तैयार नहीं थी। और जब चुनाव में दबाव पैदा हुआ 2013-14 में, तो जैसे इनकी आदत है- झूठमूठ आंख में धूल झोंको, और अपना उल्लू सीधा कर लो, यही चलता है।

उस समय भी वन रैंक-वन पेंशन- आप हैरान हो जाएंगे ये वन रैंक-वन पेंशन क्या requirement है, इसकी क्या मांगे हैं, इसका solution क्या होगा, कितने लोग हैं लाभार्थी- कोई हिसाब-किताब नहीं, कोई कागजी काम नहीं- नारेबाजी चल रही थी और हमारे फौज के वीरों को मूर्ख बनाने का काम उस समय की सरकार ने किया। सिर्फ 500 करोड़ रुपया- वन रैंक-वन पेंशन के लिए बजट में 500 करोड़ दे करके उन्होंने चुनाव के पहले बड़े गाजे-बाजे बजाए कि हमने वन रैंक-वन पेंशन दे दिया। अभी जैसा किसान के लिए झूठ बोल रहे हैं ना- उस समय जवान के लिए झूठ बोला था।

जब हम आए तो हमें लगा चलो भाई ये 500 करोड़ तो इन्होंने रख करके गए हैं- हम वन रैंक-वन पेंशन लागू कर देंगे। मैंने कहा लाओ भाई फाइल लाओ-कागज लाओ। आप हैरान हो जाएंगे सारी सूची बना करके व्यवस्था करते-करते डिपार्टमेंट की आंखों दम आ गया- कुछ नहीं था। और जब पूरा हिसाब-किताब लगाया, सारी तैयारी कर ली और हिसाब लगाया भाई कितना रुपया लगेगा- 12 हजार करोड़ रुपया की जरूरत थी- वन रैंक-वन पेंशन के लिए।

ये 500 करोड़ के नाटक कर-करके हमारे देश के जवानों की आंखों में धूल झोंकने का पाप, ऐसी सरकार। न कह सकते थे- देश का जवान in-discipline कभी नहीं करता है। 40 साल तक उसने in-discipline नहीं किया। वो सिस्टम-मर्यादा में रहा। वो अपनी बात बता रहा था लेकिन आपने देश के लिए शहीद होने की तैयारी रखने वाला, मौत को मुट्ठी में लेकर, सिर्फ भारत मां की जय के लिए जिंदा ये मेरा जवान- उसकी आंख में आंख मिलाकर आप बात नहीं कर पाए और झूठा काम किया। 500 करोड़ रुपया- मजाक उड़ाया उसका।

हम आए- हमने काम को पूरा करना है। 12 हजार करोड़ रुपए का बोझ आया। अब सरकार के लिए एक साथ 12 हजार करोड़ निकालना मुश्किल होता है। मैंने सेना के लोगों को बुलाया। मैंने कहा भई देखो मेरी मदद करिए, मुझे करना है ये। एकमुश्त नहीं दे पाऊंगा, तीन-चार टुकड़ों में दूंगा। तो जवानों ने कहा साहब- आपके शब्द, ये हमारे लिए सब कुछ होता है, अगर आपको लगता है कि पांच साल के बाद देना है तो पांच साल के बाद देना, लेकिन आपने कह दिया- हमें भरोसा है। मैंने कहा- जी नहीं, मुझे अभी देना है, और आज मुझे खुशी है कि चार किशत में वो पैसे दिए और हमने ये सारा भुगतान कर दिया, मेरे देश के जवानों के पास पैसा पहुंच गया। 12 हजार करोड़ रुपया लगा।

भाइयो, बहनों- ये लोग किसानों के लिए भी यही कर रहे हैं। 2008 में- चुनाव के पहले सही-झूठ बोल करके किसानों के कर्ज माफी की बात कही थी। किसानों का कर्ज था 6 लाख करोड़ रुपया, माफ कितना किया- 60 हजार करोड़, दिया कितना- 52 हजार करोड़। 52 हजार करोड़ में से कहा गया- 35 लाख लोग ऐसे पैसे ले गए, जिनका कोई खेत नहीं था, न खेती में कोई फसल का पैसा था, कुछ नहीं था। 35 लाख- ऐसे ही चले गए पैसे।

लेकिन उस समय अरबों-खरबों के घोटाले इतने तेज हवा में चलते थे कि किसानों से लूटी गई बात कभी अखबारों में छपी भी नहीं। सीएजी ने रिपोर्ट किया- देश का किसान, भोला-भाला किसान जो देश के लोगों का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करता है- अगर आप उसको कुछ नहीं दे सकते हैं तो उसको कहिए- वो आपकी बात मानेगा, लेकिन कृपा करके झूठी बातें बता करके उसके जीवन के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। उस समय किया- 6 लाख करोड़ का कर्ज था, 60 हजार की बातें की और 52 हजार से ऊपर दिया नहीं। पंजाब- चुनाव के पहले पता नहीं कितने-कितने वादे किए थे कर्ज माफी के, अब तक पंजाब के किसानों को कुछ नहीं दिया गया। थोड़े दिन पहले कर्नाटक का चुनाव था, वहां कर्ज माफी का वादा कर दिया और अब सिर्फ 800 किसानों को टोकन रुपया दे करके हाथ ऊपर कर दिए।

भाइयो-बहनों, जो काम कर नहीं सकते हो, आपको भी पता है- सिर्फ चुनाव जीतने के लिए देश के जवान की आंख में धूल झाँको, चुनाव जीतने के लिए देश के किसान की पीठ में छुरा घोंपो- ये खेल कब तक चलता रहेगा? और इसलिए भाइयो-बहनों सच्चाई के धरातल पर देश चलना चाहिए। जो कर सकते हैं उसको ईमानदारी से करने का प्रयास करना चाहिए। और मुझे जयराम जी का इस वर्ष को मनाने का जो नाम दिया है मुझे अच्छा लगा कि वो हमने ईमानदारी से प्रयास किया है। देश की जनता इस पर भरोसा करती है, हिमाचल की जनता भरोसा करती है कि भई हमने ईमानदारी से प्रयास किया है। हमने कभी ये नहीं कहा कि हम बस- अब तो एक स्वर्ण युग आ गया, हरेक के घर की छत सोने की बन जाएगी, हरेक के घर के बाहर गाड़ी खड़ी जो जाएगी। ऐसी बातें न हमने की हैं न हम ऐसे झूठे सपने दिखाते हैं। हम ईमानदारी से कोशिश करते हैं। हिमाचल ने करके दिखाया है और उसका लाभ आज हिमाचल को मिल रहा है।

भाइयो-बहनों, मैंने देखा है कि हिमाचली लोगों का प्यार कैसा होता है। कभी-कभी अंदाज नहीं आता है कि क्या होता है। एक ऐसी घटना घटी जिसने मेरे मन को छू लिया है। मैं इजरायल गया था- तो इजरायल में एक स्थान पर जाना होता है तो वहां पर एक परम्परा है कि सिर को ढांकना पड़ता है, जैसे हमारे यहां गुरुद्वारे में जाते हैं तो सिर को ढांकना होता है, तो मुझे भी सिर ढांकना था। तो मैं मेरे साथ हिमाचल की कैप रखता हूं तो मैंने अपनी हिमाचली टोपी पहन ली और वो पहन करके इजरायल में मैं घूम रहा था।

टीवी पर हिमाचल के लोगों ने इसको देखा, मुझे सैंकड़ों चिट्ठियां आई इस एक बात के लिए। हिमाचली टोपी पहनी मैंने इजरायल में, यानी मेरे हिमाचल का भाई कितना भावुक, कितना हृदय को आनंद देता है उसको, और जब- मुझे भी अंदाज नहीं था इसका ये असर होता है। मुझे तो सिर ढांकना था इसलिए टोपी पहननी थी और मेरे बैग में रहती है तो मैंने पहन ली। लेकिन उसको जब यहां के लोगों ने देखा,

कोई व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जो मुझे मिला हो और मेरे इजरायल में हिमाचली टोपी पहनने वाली बात का उसने जिक्र न किया हो। ऐसे अपनापन, इतना प्यार, जिन भाई-बहनों ने मुझे दिया है- उनके प्रति मैं आज बड़े गर्व के साथ मैं काम कर रहा हूँ।

भाइयो-बहनों, मैं जब भी जाता हूँ, हिमाचल-टूरिज्म- इसकी बात जहाँ भी मौका मिलता है करता रहता हूँ। क्योंकि मैं यहाँ के चप्पे-चप्पे से परिचित हूँ, यहाँ की प्रगति का मुझे एक विशेष आनंद होता है। तो मैं भी आपका एक सेवक बन करके इस काम को कर रहा हूँ। टूरिज्म को बल देने में बहुत बड़ा काम होता है स्वच्छता और आज मैं हिमाचलवासियों को बधाई देता हूँ। हिमाचल के नागरिकों को विशेष रूप से बधाई देता हूँ कि उन्होंने स्वच्छता की बात को एक संस्कार में परिवर्तित करने का बीड़ा उठाया है। आज देशभर के टूरिस्ट हिमाचल आते हैं, यहाँ की स्वच्छता की चर्चा करते हैं।

हिमाचल open defecation free बनाने का काम आप लोगों ने किया। प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा करके हिमाचल को साफ-सुथरा रखने का काम किया है। और ये सिर्फ स्वच्छता आरोग्य के लिए ही नहीं, हिमाचल के टूरिज्म की सबसे बड़ी ताकत है- स्वच्छता। उस काम को भी हिमाचल ने किया है और इसके लिए भी मैं हिमाचल के लोगों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

टूरिज्म को बल देने में आपने जो home stay का अभियान चलाया है- जब धूमल जी थे तब उसका प्रारंभ हुआ। मैं भी कुछ ऐसे home stay में विशेष करके जाता था- देखने, रहने। कुछ तो हमारे कार्यकर्ता भी home stay चलाते थे। लेकिन आज हिमाचल में home stay एक बहुत बड़ा आकर्षण का केन्द्र बना है और दुनिया के टूरिस्ट भी बड़े-बड़े होटलों के बजाय home stay पसंद करते हैं। इतने छोटे से राज्य में 80 हजार से ज्यादा ऑनलाइन home stay की रजिस्ट्री मिले, ये अपने-आप में बहुत बड़ा काम आपने किया है, और ये नागरिकों ने किया है। हिमाचल के विकास में टूरिज्म को अपनत्व देने का काम home stay से होता है और वो आपके द्वारा हुआ है। और इसके लिए भी मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और बहुत आपका साधुवाद करता हूँ।

मुख्यमंत्री जी ने उद्यमियों के लिए जो योजना बनाई है, भारत सरकार की जो योजना है, उसके साथ उन्होंने जोड़ करके हिमाचली नौजवान job seeker नहीं job creator बनें- इसके लिए आपकी जो योजना है, वो सचमुच में उत्तम परिणाम देने वाली योजना है और उसमें पुरुष उद्यमियों को 25 प्रतिशत और महिला उद्यमियों को 30 प्रतिशत- ये सब्सिडी, ये प्रोत्साहन- ये मूलभूत ताकत हिमाचल की बनने वाली है।

स्टार्ट-अप की दुनिया में हिमाचल भी अपना नाम बनाएगा ऐसा मेरा पूरा विश्वास है। डिजिटल इंडिया, मोबाइल कनेक्टिविटी- अब हिमाचल भी उसका हकदार है। बहुत तेज गति से optical fibre network का काम चल रहा है। इसका लाभ टूरिज्म को भी मिलता है, नौजवानों को मिलता है और बीच में मुझे कॉमन सर्विस सेंटर पर से लोगों से बात करने का मौका मिला था। हिमाचल के लोगों से भी बात करने का मौका मिला था। और मैंने देखा कि कॉमन सर्विस सेंटर आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग आज किस प्रकार से हमारे हिमाचल के लोग कर रहे हैं।

आज सीमा पर हमारा बेटा किसी का है तो मां को चल बेटा अब टेलीफोन जल्दी बंद कर, बिल चढ़ रहा है- ऐसा कहना नहीं पड़ रहा है। क्योंकि मां को भी मालूम है- अब मोदी है, मोबाइल मुफ्त में है। और इसलिए बेटा सीमा पर है तो मुफ्त में बात लम्बी करते हैं। फिर बेटा कहता है कि मां मुझे तो जाना पड़ेगा, वहाँ व्हीसल बज रही है, फिर मां बड़ी मुश्किल से फोन रखती है। आज मोबाइल फोन डाटा इतना सस्ता हो रहा है कि एक जमाना था कि मोबाइल फोन पर मैसेज आया है- तो वो सोचता है कि खोलूँ की ना खोलूँ, कहीं बिल चढ़ जाएगा तो। आज डेटा सस्ता हो रहा है- आराम से- अब उसको डेटा के पैसों

की चिंता कम है, मोबाइल पर बात करना तो मुफ्त हो गया है। अब उसको चिंता ये रहती है कि कहीं बैटरी डिस्चार्ज न हो जाए। ये अलग से चिंता हो रही है। पर इतना बड़ा बदलाव आज हिमाचल में हम देख रहे हैं तो हमारी खुशियां बहुत बढ़ जाती हैं।

कृषि के क्षेत्र में बहुत बड़ी संभावनाएं हिमाचल में हैं। और मैंने जयराम जी को भी कहा था और मैं governor साहब का भी बहुत आभारी हूं कि हिमाचल में कृषि क्रांति का बीड़ा उठाया है। आज भी मैं कहता हूं हिमाचल के भाइयो-बहनों हिमाचल ने बीड़ा उठाना चाहिए, हिमाचल को जल्द से जल्द organic state बनाए। हिमाचल के अंदर केमिकल फर्टिलाइजर का नाम न हो, प्राकृतिक पद्धति से खेती हो। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं हिमाचल देखते ही देखते organic state बन सकता है और एक बार organic state बन गया, दुनिया के अंदर सबसे बड़ा बाजार उनका इंतजार कर रहा है।

आज हिन्दुस्तान में सिक्किम एकमात्र organic state है। हिमाचल में वो ताकत पड़ी है। मैं आग्रह करूंगा कि हिमाचल के किसान इस योजना का लाभ उठाएं। आज जब मैं पूरा वहां presentation रखा है कि किस प्रकार से खेती में बदलाव आ रहा है। जीरो बजट फार्मिंग कैसे किया जा सकता है। गाय दूध न देती हो तो भी खेती का हिस्सा कैसे बन सकती है। इन सारे विषयों को मुझे विस्तार से समझाया गया और मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई कि इस बात को हम आगे बढ़ा रहे हैं।

भाइयो-बहनों, अनेक योजनाएं हैं। आयुष्मान भारत ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। गरीब से गरीब परिवार पांच लाख रुपये तक का उसका बीमारी का खर्चा- बड़े ऑपरेशन करवाने हैं तो बड़े अस्पताल में हो जाएंगे और पांच लाख रुपये तक का खर्चा भारत सरकार देगी। उसमें अब हिमाचल ने भी अपना जोड़ा है। 100 दिन नहीं हुए अभी तो इस योजना को। 100 दिन में 6 लाख से ज्यादा लोगों ने अपना उपचार करवाया है।

मुझे यहां एक माताजी से मिलने का मौका मिला। उसने कहा मेरे हृदय रोग की बीमारी थी, लेकिन मेरे पास पैसे नहीं थे। लेकिन आयुष्मान भारत योजना आई, तो मैंने मेरे हृदय की बीमारी को ठीक करवाया और आज मैं आपके सामने खड़ी हूं। उसके चेहरे पर इतनी प्रसन्नता थी, मन को इतना आनंद हो रहा था कि किसी मां की जिंदगी बच जाती है। पैसों के अभाव में किसी का बेटा नहीं मरता है। ये अपने-आप में जीवन को संतोष देने वाली बात है। और आज बहुत तेजी से ये काम आगे बढ़ रहे हैं। आरोग्य के क्षेत्र में हमारे हिमाचल में 2014 से पहले मेडिकल स्टूडेंट एमबीबीएस के- 300 सीटें थीं। और चार साल के भीतर-भीतर ये 700 पर पहुंच गया है। कहां 300 और चार साल के भीतर कहां 700- आप देख सकते हैं यहां के नौजवानों के लिए कैसे नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

भाइयो-बहनों, एक तरफ विकास की ओर हम बल दे रहे हैं। हिमाचल की सरकार और दिल्ली की सरकार- हिमाचल को अब डबल इंजन की ताकत मिली है- और डबल इंजन की ताकत मिली है तो बड़े-बड़े पहाड़ों पर भी विकास को बड़ी तेजी से ले जा सकते हैं, इस काम में यहां लगे हैं। लेकिन साथ-साथ देश में जो गलत होता रहा है, जो लूट चलाई गई है, खजाने को अपने निजी उपयोग के लिए उपयोग किया गया है; उसके खिलाफ मैंने एक लड़ाई छेड़ी हुई है। और आपके आशीर्वाद से ये लड़ाई छेड़ने वाला मोदी लड़ाई छोड़ने वाला नहीं है।

आप हैरान हो जाएंगे- हमने अब direct benefit transfer करना शुरू किया। सरकार जो पैसे हैं- जो हकदार है उसके खाते में सीधे जाएं। उसका परिणाम ये आया- 6 करोड़ लोग ऐसे निकले कि जिनका जन्म ही नहीं हुआ था। लेकिन सरकारी दफ्तर में वो पैदा हो गए, सरकारी दफ्तर में वो बड़े हो गए, सरकारी कागज में उनकी शादी हो गई, सरकारी कागज में वो विधवा भी हो गए, सरकारी कागज में वो बूढ़े भी हो गए, सरकारी कागज में वो दिव्यांग भी हो गए- और रुपये जाते थे।

6 करोड़ लोग अभी तक तो मैं ढूँढ पाया हूँ। 6 करोड़ यानि 10 हिमाचल। 10 हिमाचल जैसे लोग देश में- जो पैदा ही नहीं हुए थे, लेकिन खजाने से उनके नाम पैसे जाते थे। 90 हजार करोड़ रुपया सरकारी खजाने से लगातार उनके यहां जाता रहता था। अब मोदी ने सब बंद करवा दिया। 6 करोड़ लोगों के नाम निकाल दिए। जो सही होगा उसको मिलेगा, हक का मिलेगा। अब मुझे बताइए- जो पैदा नहीं हुए, खजाने से पैसा जाता था तो कोई तो होगा न जिसके पास जाता होगा? जाता होगा कि नहीं जाता होगा?

ऐसे बिचौलिए होंगे, झोलाछाप लोग होंगे, चले-चपाटे होंगे, कोई 200 खाता होगा-कोई 2000 खाता होगा, कोई 2 लाख खाता होगा, चलता होगा नहीं चलता होगा? अब इनकी सबकी दुकान बंद हो गई। अब वो मोदी को झूठा बोलेंगे कि नहीं बोलेंगे? बोलेंगे कि नहीं बोलेंगे? उनकी चोरी बंद हो गई तो मोदी को चोर बोलेंगे कि नहीं बोलेंगे? उनको चौकीदार से डर लगने लगा है, चौकीदार से डर लगने लगा है। चोरों की नींद हराम हो गई है कि चौकीदार सोने को तैयार नहीं है, चौकीदार चोरों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है और इसलिए परेशानी है। लेकिन आपका आशीर्वाद है इन परेशानियों को भी परास्त करेंगे और देश में ईमानदारी के प्रयास, ईमानदारी की सरकार, ईमानदारी का काम, ईमानदारी का लोकहित, इसी को ले करके आगे चलेंगे।

इस विश्वास के साथ इतनी बड़ी तादाद में एक वर्ष को मनाने के लिए आप आए, मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। इतनी बड़ी तादाद में लोग आ रहे थे। मुझे जयरामजी ने बताया। आते समय एक अकस्मात हुआ। कुछ लोग-यात्रियों को जो इस कार्यक्रम में आ रहे थे उनको injury हुई। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूँ। आवश्यक जो भी व्यवस्था होगी, जयरामजी स्वयं इसको देख रहे हैं। भारत सरकार को भी जो जरूरत होगी, मैं आपके साथ हूँ। मेरी आपसे भी प्रार्थना है कि आप में से इस ठंड में, मुझे मालूम है कि यहां तक पहुंचने के लिए कुछ लोग तो दो दिन पहले से चले होंगे। रात-रात चले होंगे। कुछ लोग एक दिन पहले यहां पहुंच गए होंगे। इतनी ठंड में भी इतना कष्ट उठा करके आप आए हैं।

मैं चाहूंगा कि वापिस जाते समय कहीं- क्योंकि हिमाचल में अकस्मात बहुत स्वाभाविक होते रहते हैं। मैं नहीं चाहता हूँ कि कोई अकस्मात हो, किसी की जिंदगी में कोई मुसीबत आ जाए। मेरी आपसे प्रार्थना है सुख-चैन के साथ आप आराम से जाइए, जाने में दो घंटे ज्यादा लगेंगे-भले लग जाएं, लेकिन आराम से जाइए। आपका स्वास्थ्य संभालिए और हिमाचल को नई ऊंचाइयों पर ले जाइए, कंधे से कंधा मिलाकर चल पड़े।

मेरे साथ बोलिए -

भारत माता की - जय

भारत माता की - जय

भारत माता की - जय।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल तिवारी/शाहबाज हसीबी/बाल्मीकि महतो/निर्मल शर्मा

(रिलीज़ आईडी: 1571964) आगंतुक पटल : 89

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Marathi , Bengali